सूर्योदय 6:46 सूर्यास्त 6:20

आज का तापमान

शिमला	5.2 न्यू	8.0 अधि
धर्मशाला	4.2 न्यू	14.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73198.10
निफ्टी	22124.70
सोना 86,730	चांदी 97,307

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | शनिवार, 1 मार्च 2025 | 18 फाल्गुन, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 2, अंक 62, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

कांग्रेस संगठन पैरालाइज्ड नहीं, पार्टी और सरकार को मजबूती देने की जरूरत: पाटिल

पृष्ठ 3 पर

न्यूज शॉर्ट्स

केंद्र ने लांच किया आधार गुड गवर्नेंस पोर्टल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ऑथेंटिकेशन रिक्वेस्ट प्रोसेस को आसान बनाने के लिए आधार गुड गवर्नेंस पोर्टल लांच किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अनुसार, यह आधार को अधिक प्यूपल-फ्रेंडली बनाने, जीवन को आसान बनाने और लोगों के लिए सेवाओं तक बेहतर पहुंच सक्षम करने के प्रयास के अनुरूप है। यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने कहा कि आधार देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ा रहा है।

बिहार और नेपाल में लगे भूकंप के झटके

नई दिल्ली। बिहार में शुक्रवार सुबह 2:37 बजे भूकंप आया। पटना, सुपौल, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर सहित कई क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.1 रही। भूकंप का प्रभाव नेपाल के साथ-साथ भारत और चीन में भी रहा। नेपाल में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। काठमांडू समेत अन्य इलाकों में चार लोग घायल हो गए हैं।

राम रहीम के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम को राहत देते हुए उनके खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। दरअसल याचिका में गुरमीत राम रहीम को कई बार अस्थायी तौर पर रिहाई देने को चुनौती दी गई थी। याचिका में गुरमीत राम रहीम को साल 2022 से लेकर 2024 के बीच कई बार पैरोल या फरलो देने पर सवाल उठाए गए।

भारत की वृद्धि दर दिसंबर तिमाही में 6.2 फीसदी रही

नई दिल्ली। भारत की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में मुख्य रूप से विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण घटकर 6.2 प्रतिशत रह गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की अक्तूबर-दिसंबर, 2024 तिमाही में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

भगदड़ मामला: याचिका पर विचार करने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर दायर याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए उसे खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट ने दावा किया कि रेलवे प्रशासन असल मौतों की संख्या छिपा रहा है, 18 मौतें बताई गई थीं। वहीं, चश्मदीदों के मुताबिक ये संख्या 200 तक हो सकती है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से इस दावे के सबूत मांगे और कहा कि जो लोग प्रभावित हैं, वे खुद कोर्ट में आ सकते हैं।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- एसडीएम पर हमले के आरोपी को 10 साल कठोर कारावास की सजा -पेज 3
- जिलेभर में पटवारी और कानूनगो की हड़ताल शुरू -पेज 10
- बंजार की पंचायतों में मॉडल प्लान किया लागू -पेज 10
- केंद्र सरकार की है दलित विरोधी मानसिकता: राहुल -पेज 13
- विदर्भ ने रणजी फाइनल की पहली पारी में केरल पर बनाई बढ़त -पेज 14

कुल्लू व मुल्थान में फटे बादल, 4 जगह हिमस्खलन

आफत की बारिश: कुल्लू में बाढ़ में बहे 10 वाहन, अखाड़ा बाजार में घरों और होटलों में घुसा पानी

- चंबा जिले के 165 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित
- अटल टनल रोहतांग बंद होने से लाहौल से संपर्क कटा
- कुल्लू की सरवरी नदी में आई बाढ़
- पंडोह, लारजी और बरोट डैम से छोड़ा पानी
- पांच एनएच समेत 550 से अधिक सड़कें बंद
- मणिकर्ण घाटी में हिमस्खलन से जीरा नाला का प्रवाह रुका
- खनियारा की मनूणी खड्ड में नाले में फंसा टिप्पर
- मनाली के हिडिंबा माता मंदिर की छत पर गिरा पेड़

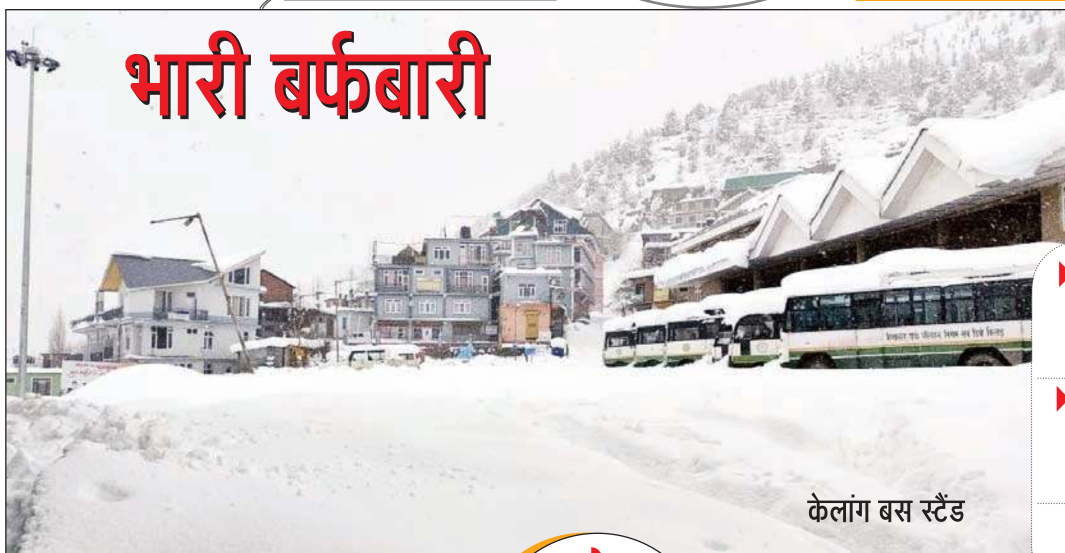

केलांग बस स्टैंड

टीम, शिमला/कुल्लू/बैजनाथ

हिमाचल प्रदेश में तीन दिन से जारी बर्फबारी और बारिश का दौर अब आमजन के लिए आफत बन गया है। बारिश के चलते कई जगह भारी नुकसान हुआ है।

वहीं, लाहौल स्पीति, किन्नौर और चंबा सहित ऊपरी हिस्सों में बर्फबारी से पांच एनएच समेत 550 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। कई जिलों में बिजली और पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। लाहौल में जाहलमा के पार दाराफाल से हिमस्खलन होने से चंद्रभागा नदी का बहाव रुक गया। वहीं, भरमौर-बड़ग्रां मार्ग पर पलानी नाला में अचानक हिमस्खलन से मार्ग यातायात के लिए बंद हो गया। पांगी घाटी के कुकरोलू गांव में हिमखंड की चपेट में आने से पांच मकानों को नुकसान पहुंचा है। हिमखंड की जद में आने से तीन लोग बह गए। इस दौरान दो लोगों ने मुश्किल से अपनी जान बचाई, जबकि तीसरा व्यक्ति घायल है। क्षतिग्रस्त मकानों के प्रभावित परिवारों को पड़ोसी के घरों में शिफ्ट किया गया है। अटल टनल रोहतांग में साढ़े 4 फुट, सोलंगनाला में 3 फुट, किन्नौर के पूह में 1 फुट, मूरंग में 5 इंच, कल्पा में डेढ़ फुट, सांगला में डेढ़ फुट, छितकुल में 2 फुट बर्फ गिर गई है। अटल टनल बंद होने से लाहौल-स्पीति जिला अलग-थलग पड़ गया है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर में 80 प्रतिशत से ज्यादा घरों में ब्लैक आउट हो गया है।

अटल टनल रोहतांग में साढ़े 4 फुट गिरी बर्फ

छह जिलों में शैक्षणिक संस्थान बंद

चंबा, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, मंडी के करसोग उपमंडल, शिमला जिले के रोहड़ू उपमंडल और किन्नौर जिले के शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। पांगी उपमंडल में 1 मार्च को भी सभी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे।

- छोटा भंगाल में भी नौ वाहन क्षतिग्रस्त
- आज बारिश और बर्फबारी से मिल सकती है राहत
- प्रदेशभर में शीतलहर बढ़ी

कहां, कितनी बारिश

मनाली	30 एमएम
सेऊबाग	25 एमएम
सराहन	22 एमएम
भुंतर	21 एमएम
जोगिंद्रनगर	12 एमएम
धर्मशाला	11 एमएम
पालमपुर	9 एमएम
मंडी	7 एमएम
चंबा	59 एमएम

मनाली-पठानकोट मार्ग पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से बस पलटी

मनाली-पठानकोट जा रही एक निजी बस बनाला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पहाड़ी से अचानक बड़े-बड़े पत्थर गिरने से बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। गनीमत रही कि बस में कम यात्री होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। बस में चालक, परिचालक और दो यात्री मौजूद थे।

उत्तराखंड में हिमस्खलन में दबे 32 मजदूर किए रेस्क्यू

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित सीमांत गांव माणा के पास बर्फ हटा रहे बीआरओ के 57 मजदूर शुक्रवार को हिमस्खलन में दब गए। 32 मजदूरों को बचा लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रदेश की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने बताया कि निर्माण कार्य में लगे बीआरओ) के मजदूरों की सड़क किनारे बनी झोपड़ियां हिमस्खलन की चपेट में आ गईं।

मजदूरों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास जारी: राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके बर्फ के तले दबे हुए मजदूरों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि ''आज जोशीमठ (उत्तराखंड) के माणा क्षेत्र में एक दुर्भाग्यपूर्ण हिमस्खलन हुआ, जिससे बीआरओ का जीआरईएफ (जनरल रिजर्व इंजीनियरिंग फोर्स) शिविर प्रभावित हुआ है। मौजूदा स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की। प्रशासन प्रभावितों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।

हिमाचल में तबादलों की प्रक्रिया फिर शुरू: सुक्खू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में लंबे समय से विभिन्न विभागों में संवेदनशील पदों पर आसीन अधिकारियों के तबादले की प्रक्रिया पुन: एक बार शुरू हो गई है। राज्य कर एवं आबकारी विभाग सहित कुछ अन्य विभागों में तबादले की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं व विभागों को इस प्रक्रिया के लिए तैयारी करने को कहा है। सीएम ने सचिवालय में शुक्रवार को हुई बैठक में कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के लोगों को जवाबदेह और पारदर्शी शासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खनन पट्टों की नीलामी प्रक्रिया में वन विकास निगम को करें शामिल

सीएम सुक्खू ने उद्योग विभाग को खनन पट्टों की नीलामी प्रक्रिया में हिमाचल प्रदेश वन विकास निगम को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट निधियों के उपयोग के लिए नए नियम बनाएगी। उन्होंने कहा कि दो वर्ष पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में खनन से प्रदेश सरकार को 240 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार के दक्ष व व्यवहारिक प्रयासों से पिछले वित्त वर्ष में यह राजस्व बढ़कर 314 करोड़ रुपए हो गया।

एचआरटीसी एमडी का निपुण जिंदल को एडिशनल चार्ज

शिमला। सुक्खू सरकार ने साल 2014 बैच के आईएएस एवं डायरेक्टर आयुष डॉ. निपुण जिंदल को हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के एमडी का एडिशनल चार्ज दिया है। इसे लेकर मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि सरकार ने दो रोज पहले ही रोहन चंद ठाकुर को एमडी एचआरटीसी पद से रिलीव किया है। रोहन चंद ठाकुर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली गए हैं, उनकी जगह निपुण जिंदल को एडिशनल चार्ज दिया गया है। वहीं, आने वाले दिनों में प्रदेश में जल्द बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिलेगा। सरकार जल्द रेरा चेयरमैन की नियुक्ति करेगी।

जेबीटी शिक्षक भर्ती का परिणाम घोषित करने पर रोक

विधि संवाददाता, शिमला

हिमाचल हाईकोर्ट ने जेबीटी अध्यापकों की भर्ती के अंतिम परिणाम की घोषणा करने पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश संदीप शर्मा ने भर्ती नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाली याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद आदेश दिए कि शिक्षा विभाग हालांकि काउंसिलिंग प्रक्रिया जारी रख सकता है, लेकिन अंतिम परिणाम न्यायालय की अनुमति के बिना तैयार नहीं किया जाएगा। याचिका में आरोप लगाया है कि प्रारंभिक शिक्षा विभाग में जूनियर बेसिक ट्रेनिंग टीचर्स के पद के लिए भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के अनुसार, जेबीटी के पदों पर सीधी भर्ती कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर के माध्यम से 50 फीसदी और संबंधित जिले के प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक के माध्यम से बैचवाइज आधार पर 50 फीसदी के माध्यम से भरा जाना आवश्यक है, जबकि शिक्षा विभाग ने बैचवाइज कोटे में शारीरिक रूप से विकलांग कोटे के लिए दिए जाने वाले आरक्षण की अनदेखी करते हुए सीधी भर्ती के माध्यम से उक्त श्रेणी के पदों को 100 फीसदी भरने की कार्रवाई शुरू की है। कोर्ट ने आरएंडपी नियमों के खंड 10 का अवलोकन करने के बाद पाया कि जेबीटी शिक्षक के 50 फीसदी पदों को हिमाचल कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर के माध्यम से अनुबंध के आधार पर सीधी भर्ती की ओर से भरा जाना आवश्यक है, जबकि शेष पद 50 फीसदी संबंधित जिले के प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक के माध्यम से बैचवाइज आधार पर भरे जाने हैं। कोर्ट ने कहा कि सभी श्रेणियों के पदों को आरएंडपी नियमों के आधार पर भरा जाना है, इसलिए शारीरिक रूप से विकलांगों की श्रेणी में उपलब्ध पद को भी आरएंडपी नियमों के अनुसार भरा जाना आवश्यक है।

हाईकोर्ट का आदेश शिक्षा विभाग जारी रख सकता है काउंसिलिंग

एम्स-मेडिकल कॉलेजों से हैलोपेरिडोल इंजेक्शन को वापस लेने के आदेश

ड्रग्स विभाग ने एम्स बिलासपुर से भरा था सैंपल, जांच में पाया फेल

शुभम राही, बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और एम्स में इस्तेमाल किए जा रहे हैलोपेरिडोल इंजेक्शन को वापस लेने के आदेश जारी किए हैं। यह कदम एम्स बिलासपुर में भरे गए इस इंजेक्शन के सैंपल मानकों पर खरे न उतरने पर लिया है। एम्स बिलासपुर से लिए गए हैलोपेरिडोल इंजेक्शन के सैंपल की जांच कोलकाता स्थित एक सरकारी लैब में की थी।

यह इंजेक्शन गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाया गया, जिसके बाद ड्रग्स विभाग बिलासपुर ने इंजेक्शन की आपूर्ति करने वाली कंपनी को नोटिस जारी किया। अब ड्रग्स विभाग ने सप्लायर को आदेश दिया है कि वह प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों से इस इंजेक्शन का पूरा स्टॉक तत्काल वापस ले।

वहीं, ड्रग्स विभाग अब इस कंपनी के अन्य उत्पादों की भी जांच कर सकता है। कंपनी पर लापरवाही साबित होती है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हैलोपेरिडोल इंजेक्शन का इस्तेमाल मानसिक रोगों के इलाज में किया जाता है। सरकार और ड्रग्स विभाग इस मामले को लेकर पूरी तरह सतर्क है। जिस कंपनी ने यह इंजेक्शन बनाया था, वह हिमाचल में ही नहीं, बल्कि देशभर के विभिन्न एम्स संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों में सप्लाई देती है। हैलोपेरिडोल इंजेक्शन मनोरोगियों के मानसिक संतुलन को स्थिर रखने के लिए दिया जाता है। (अनंत ज्ञान)

एम्स बिलासपुर में मानसिक बीमारी के इंजेक्शन का सैंपल हुआ फेल

ड्रग्स विभाग ने निर्माता कंपनी व स्टोर संचालक को भेजा नोटिस

अनंत ज्ञान इंपैक्ट

इंजेक्शन बनाने वाली कंपनी को नोटिस जारी

ड्रग्स विभाग ने 2024 में छापेमारी कर भरे थे सैंपल

21 नवंबर 2024 को ड्रग्स विभाग बिलासपुर की टीम ने एम्स बिलासपुर सेंटर स्टोर में छापेमारी की थी। टीम ने स्टोर से कुछ सैंपल जांच के लिए भरे थे। एम्स की ओर से इन इंजेक्शनों को कालाअंब सिरमौर जिले में स्थित एक ड्रग्स फार्मा से लिया था।

> एम्स सहित सभी मेडिकल कॉलेज से इस हैलोपेरिडोल इंजेक्शन के स्टॉक उठाने के आदेश जारी किए हैं। कोलकता लैब में यह सैंपल फेल पाया गया है। इस विषय पर जांच जारी है।
>
> **-दिनेश शर्मा, ड्रग्स इंस्पेक्टर, बिलासपुर।**

भारत-यूरोपीय संघ के बीच होगा रणनीतिक साझेदारी का विस्तार

2025 के अंत तक देंगे मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने शुक्रवार को रक्षा, सुरक्षा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने का संकल्प लिया और इस साल 2025 के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप का फैसला लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच साझेदारी की सराहना की। उन्होंने इस साझेदारी को स्वाभाविक और प्राकृतिक करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत और ईयू के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस साल के अंत तक हो सकता है। हैदराबाद हाउस में यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ बैठक के बाद संयुक्त प्रेस बयान में पीएम मोदी ने कहा कि हमने विभिन्न मुद्दों पर ईमानदार और सार्थक चर्चा की। हमने अपनी टीमों से पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए पर काम करने और इसे इस साल के अंत तक पूरा करने के लिए कहा है। भारत और ईयू के बीच साझेदारी को बढ़ाने के लिए कई निर्णय लिए हैं। यह किसी देश में यूरोपीय आयोग की पहली ऐसी व्यापक भागीदारी भी है।

पीएम मोदी ने साझेदारी को दिया स्वाभाविक करार

गुड न्यूज हिमाचल में आधुनिक प्रयोगशालाओं की होगी स्थापना, पहले चरण में टांडा मेडिकल कॉलेज को मिलेगी सुविधा

आधुनिक सुविधाओं से जुड़ेंगे शिक्षा चिकित्सा संस्थान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

हिमाचल प्रदेश के सभी शिक्षा चिकित्सा महाविद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना होगी, जिन्हें उन्नत उपकरणों से जोड़ा जाएगा। टांडा मेडिकल कॉलेज सहित अन्य महाविद्यालयों को इस नवीनतम तकनीक और आधुनिक सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया जाएगा।

प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि पहले चरण में टांडा मेडिकल कॉलेज को नवीनतम तकनीक और आधुनिक सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया जाएगा, बाकायदा, टांडा में एक उच्च स्तरीय प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी और इसके लिए वर्तमान में गंभीर तैयारी चल रही है, लिहाजा अब पुरानी तकनीक के साथ सर्वोत्तम देखभाल करना संभव नहीं है। ऐसे में नवीन चिकित्सा तकनीक अपनाकर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकती है।

जानकारी के अनुसार कार्डियोलॉजी विभाग में नई प्रक्रियाएं शुरू की गई हैं, जिसमें सफल वाल्व प्रतिस्थापन, जन्मजात हृदय दोष की मरम्मत और हृदय ट्यूमर सर्जरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अब टांडा में गुर्दे के तंत्रिका-विच्छेदन की शुरुआत की गई है। भविष्य में टांडा मेडिकल कॉलेज में पीईटी स्कैन मशीन और रोबोटिक सर्जरी सुविधाएं स्थापित करने की योजनाओं पर विचार विमर्श चल रहा है। राज्य की स्वास्थ्य सेवा संबंधी लगभग आधी जरूरतों को पूरा करने वाले इस कॉलेज में सालाना 5.89 लाख मरीज आते हैं और डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में ट्रॉमा सेंटर के दूसरे खंड का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है। (अनंत ज्ञान)

टांडा में मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

टांडा मेडिकल कॉलेज आधे हिमाचल की चिकित्सा सेवाओं संबंधी को पूरा करता हैं, इसलिए इस महाविद्यालय को सभी तरह की नवीनतम स्वास्थ्य तकनीक के साथ आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि यहां आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके और उन्हें दूसरे चिकित्सा संस्थानों में जाने की जरूरत न पड़े।

आईजीएमसी में भी उन्नत शिक्षण उपकरण बढ़ाए जाएंगे

प्रदेश सरकार ने शिमला स्थित आईजीएमसी में भी उन्नत शिक्षण उपकरण बढ़ाए जाएंगे। इसके लिए बजट का प्रावधान किया जा रहा है, जिसके लिए संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों ने बड़ी योजना को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया है।

आधुनिक शिक्षण उपकरण खरीदने को करार

सरकार ने आधुनिक चिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए एम्स के साथ साझेदारी भी की है। जिन विभागों में मरीजों की संख्या अधिक है, वहां डॉक्टरों और सुविधाओं में विस्तार किया जाएगा, डॉक्टरों को नियुक्त करने और डॉक्टर-मरीज अनुपात में सुधार के लिए वॉक-इन इंटरव्यू की व्यवस्था की जाएगी। नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती सहित कॉलेज के कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा भी प्रदान करने पर विचार किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

स्मारिका के लिए 5 तक भेज सकते हैं रचनाएं

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। इस वर्ष 12 से 15 मार्च तक आयोजित किए जा रहे सुजानपुर के ऐतिहासिक राष्ट्र स्तरीय होली महोत्सव-2025 की स्मृतियों को संजोने के लिए स्मारिका भी प्रकाशित की जा रही है। इस स्मारिका के लिए हमीरपुर जिले के लेखकों एवं साहित्यकारों, अन्य साहित्य एवं कला प्रेमियों, विद्यार्थियों तथा आम लोगों से लेख, कविता या अन्य रचनाएं आमंत्रित की गई हैं। जिला भाषा अधिकारी एवं स्मारिका की प्रकाशन समिति के सदस्य संतोष कुमार पटियाल ने बताया कि सभी लेख, कविताएं और अन्य रचनाएं 5 मार्च तक जिला भाषा अधिकारी कार्यालय हमीरपुर में जमा करवाई जा सकती हैं या कार्यालय की ईमेल आईडी डीएलओ हमीरपुर 520 एट द रेट जीमेल डॉट कॉम पर प्रेषित की जा सकती हैं। जिला भाषा अधिकारी ने बताया कि ये रचनाएं यूनिकोड फोंट में टंकित होनी चाहिएं। इन रचनाओं की विषय-वस्तु जिला हमीरपुर की लोक संस्कृति, राष्ट्र स्तरीय होली महोत्सव सुजानपुर और इनके सांस्कृतिक इतिहास से संबंधित होनी चाहिए। स्तरीय रचनाओं को स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा।

सुजानपुर में आईटी फैकल्टी के साक्षात्कार 7 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। शिवम इंस्टिट्यूट फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (एसआईवीटी) घुमारवीं में सीनियर आईटी फैकल्टी के एक पद और जूनियर फैकल्टी के 2 पदों को भरने के लिए 7 मार्च को सुबह साढ़े 10 बजे उपरोजगार कार्यालय सुजानपुर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए अभ्यर्थी एमसीए, एमएससी-आईटी, एमएससी-सीएस, बीसीए, बीएससी-आईटी, पीजीडीसीए और बीकॉम विद टैली में से कोई भी डिग्री या डिप्लोमा धारक होना चाहिए तथा उसकी आयु 18 से 32 वर्ष के बीच हो। चयनित उम्मीदवार को 13,500 रुपए मासिक वेतन दिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा उपरोक्त योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है तो वह अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

प्रश्नोत्तरी में कृतिका और शिवानी रहीं प्रथम

सुनील कुमार, हमीरपुर। त्रिशा बीएड कॉलेज ऑफ एजुकेशन में अध्यक्ष एनके शर्मा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तहत वैज्ञानिकों को उनके आविष्कारों के स्मरण को याद करवाते हुए प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज प्रवक्ता सुनीता कुमारी ने किया। इस मौके पर प्रवक्ता हर्ष गुलेरी ने विज्ञान से संबंधित प्रश्नोत्तरी तथा सामान्य प्रश्नोत्तरी से संबंधित ज्ञान को साझा किया। प्रतियोगिता में टीम ए से मोहित, शिवेश, टीम बी से पूर्णम, सेजल, टीम सी से कृतिका, शिवानी, टीम डी से जतिन, गौतम ने डीएलएड प्रथम व द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु अध्यापक प्रतिभागी थे। चार राउंड की प्रश्नोत्तरी में टीम सी कृतिका व शिवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डीएलएड द्वितीय वर्ष की कृतिका ने हासिल किया। इस अवसर पर एनके शर्मा ने छात्रों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य बताया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर कार्यकारी प्राचार्य पूनम भारद्वाज ने सभी प्रतिभागियों सहित प्रशिक्षु अध्यापकों को शुभकामनाएं दीं। (अनंत ज्ञान)

करियर प्वाइंट की छात्रा की पहली पुस्तक प्रकाशित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय, हमीरपुर के एमएससी बॉटनी की छात्रा प्रांजल शर्मा की पहली पुस्तक अध्याय 'हिमालयी क्षेत्र की स्थानिक प्रजातियां-सिक्किम'' प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर में प्रकाशित हुई है। यह उपलब्धि उनकी शोध क्षमता, मेहनत और वैज्ञानिक समुदाय में योगदान देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पुस्तक अध्याय में उन्होंने सिक्किम क्षेत्र की स्थानिक (एंडेमिक) प्रजातियों पर गहन अध्ययन किया है, जो इस जैव विविधता संपन्न क्षेत्र के पारिस्थितिक महत्व, प्रजातियों के संरक्षण की आवश्यकता और उनके पर्यावरणीय अनुकूलन को उजागर करता है। यह शोध उन दुर्लभ और विलुप्ति की कगार पर खड़ी प्रजातियों की पहचान और संरक्षण में सहायक होगा, जिससे वनस्पति विज्ञान, पारिस्थितिकी और संरक्षण जीवविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। स्प्रिंगर जैसे प्रतिष्ठित मंच पर प्रकाशन से न केवल प्रांजल शर्मा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी, बल्कि विश्वविद्यालय का नाम भी शोध और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

चार्ट मेकिंग में आराध्य ठाकुर रही प्रथम

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। जिला कार्यक्रम अधिकारी हमीरपुर के सौजन्य से मिशन शक्ति के तहत बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल भलेठ में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें स्टूडेंटस द्वारा चार्ट मेंकिग कंपीटिशन में भाग लिया। इसमें आराध्य ठाकुर ने प्रथम स्थान, पलक ने दूसरा व पूर्वा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। साथ ही साथ स्लोगन राइटिंग कम्पटीशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें सुनैना ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस मौक़े पर जिला समन्वयक कल्पना ठाकुर ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने के बारे में जानकारी दी तथा 10 वर्षों में प्राप्त उपलब्धियों के बारे में बताया। शिविर में चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में ममता बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। जिला बाल संरक्षण इकाई की तरफ से लीगल प्रोबेशन ऑफिसर अंबिला ने पॉक्सो एक्ट के बारे में विस्तार से बच्चों को बताया। इस मौके पर सीडीपीओ कुलदीप सिंह चौहान ने बच्चों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहने बारे टिप्स दिए और लक्ष्य प्राप्ति के लिए बच्चों का मार्गदर्शन किया। प्रिंसिपल मंजरी महाजन ने स्कूल प्रबंधन की तरफ से सबका धन्यवाद किया। वहीं, जिला कार्यक्रम अधिकारी हमीरपुर के सौजन्य से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत एक जागरूकता शिविर का आयोजन राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल महारल में किया गया जिसमें की बेटियों को मासिक धर्म स्वच्छता बारे जानकारी दी गई और स्कूल की बेटियों को हाइजीन किट विभाग के तरफ से बांटे गए।

भोरंज पुलिस ने बेसहारा महिला का किया रेस्क्यू

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत भोरंज पुलिस ने एक बेसहारा व मानसिक रूप से कमजोर प्रतीत होती एक महिला, जिसको कि उसके परिजनों ने दयनीय स्थिति में परित्यक्त कर दिया था। महिला अकेले ही विषम परिस्थितियों में मंडी तथा हमीरपुर की सीमा पर अस्थाई तौर पर दयनीय स्थिति में जीवन निर्वाह कर रही थी। महिला की देखरेख करने वाला भी उसके साथ कोई नहीं है। तथ्यों के सत्यापन में उक्त महिला तहसील भोरंज के अंतर्गत भुक्कड़ निवासी, जिला हमीरपुर व 45 वर्षीय पाई गई है। थाना भोरंज की पुलिस टीम ने मुख्य आरक्षी विनोद बनियाल ने उक्त महिला को रेसक्यू किया एवं उसका चिकित्स परीक्षण करवाने के उपरांत उसके पुनर्वास और स्वास्थ्य की दृष्टि से वन स्टॉप सेंटर हमीरपुर में सकुशल छोड़ आए व पुलिस नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

खाकी बर्दी पहनने को युवाओं में भारी जुनून

पुलिस कांस्टेबल भर्ती में पहले दिन 914 अभ्यर्थियों ने उत्तीर्ण की ऊंचाई माप की प्रक्रिया

पुलिस कांस्टेबल के पदों की भर्ती भारतीय खेल प्राधिकरण साई मैदान अणू में आयोजित की जा रही है। भर्ती के लिए मौजूद युवा (दाएं) युवा की जांच-पड़ताल करते पुलिस अधिकारी।

अनिल कुमार, हमीरपुर

पुलिस विभाग में 1226 पुलिस कांस्टेबलों के पदों को भरने की प्रक्रिया शुक्रवार को हमीरपुर में भी शुरू हो गई है। पुलिस कांस्टेबल के पदों की भर्ती के लिए हमीरपुर जिले के 7680 युवाओं ने ऑनलाइन आवेदन किया है। शुक्रवार को शुरू की गई भर्ती प्रक्रिया के लिए पुलिस विभाग ने पुख्ता प्रबंध किए हैं। हालांकि बारिश की वजह से अधिकतर युवा भर्ती में भाग लेने नहीं पहुंच सके और न ही ग्राउंड टेस्ट हो सके।

शुक्रवार को जिला के 1500 युवाओं को बुलाया गया था, लेकिन इनमें से 975 युवा ही भर्ती में भाग लेने के लिए पहुंचे, जबकि 525 युवा भर्ती में भाग लेने के लिए नहीं पहुंचे। पुलिस कांस्टेबल के पदों की भर्ती भारतीय खेल प्राधिकरण साई मैदान अणू में आयोजित की जा रही है।

बारिश के कारण आज होंगे 914 अभ्यर्थियों के ग्राउंड टेस्ट

पुलिस अधीक्षक भगत सिंह ठाकुर ने बताया कि हमीरपुर जिले में आयोजित आरक्षी पदों की भर्ती के लिए पहले दिन शारीरिक मानक व शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग लेने के लिए कुल 1500 पुरुष अभ्यर्थियों को बुलाया गया था जिनमें से आज कुल 975 पुरुष अभ्यर्थी उक्त परीक्षा के लिए पंजीकृत हुए। भर्ती प्रक्रिया के दौरान पंजीकृत पुरुष अभ्यर्थियों में से आज कुल 914 पुरुष अभ्यर्थियों ने शारीरिक मानक परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा 61 पुरुष अभ्यर्थी दस्तावेज जांच में 4 अभ्यर्थी तथा ऊंचाई माप में 57 अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हुए हैं।

उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने की वजह से शारीरिक मानक परीक्षा में उत्तीर्ण 914 अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को शारीरिक मानक परीक्षा में उत्तीर्ण हुए पुरुष अभ्यर्थियों को आज प्रात शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग लेने के लिए बुलाया गया है। इसके अतिरिक्त शारीरिक मानक व शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग लेने के लिए कुल 1500 पुरुष अभ्यर्थियों को भी बुलाया गया।

गौर रहे कि अभ्यर्थियों के पंजीकरण के बाद उनकी ऊंचाई माप करने के बाद ग्राउंड टेस्ट लिया जाना था, लेकिन बारिश के कारण पहले दिन ग्राउंड टेस्ट नहीं लिया जा सका। ग्राउंड टेस्ट में 100 मीटर दौड़, 1500 मीटर दौड़, हाई जंप, लांग जंप का टेस्ट लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस कांस्टेबल भर्ती की वीडियो रिकार्डिंग भी की जा रही है। (अनंत ज्ञान)

एसएमसी घंगोट ने 112 वर्ष पुराने स्कूल का स्तर कम न करने की सीएम से लगाई गुहार

एसके ठाकुर, बड़सर

शिक्षा खंड बिझड़ी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घंगोट की प्लस वन और प्लस टू की कक्षाओं को गारली या बिझड़ी के विद्यालयों में समायोजन करने के शिक्षा विभाग के फरमान को लेकर स्कूल प्रबंधन समिति घंगोट सहमत नहीं है। इस संदर्भ में शिक्षा संवाद के अंतर्गत स्कूल प्रबंधन समिति की आम बैठक प्रधान अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा इस विद्यालय में चल रही प्लस वन और प्लस टू की कक्षाओं को अन्य स्कूल में समायोजित करने के वारे में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया जाएगा। बच्चों के अभिभावकों का कहना है कि इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियां ऐसी हैं कि चारों तरफ जंगल और नाले हैं। परिवहन सुविधा भी सुचारु रूप से उपलब्ध नहीं है। लोक निर्माण विभाग

बोले-भौगोलिक परिस्थितियां +1 व +2 कक्षाओं को अन्य विद्यालय में समायोजन के अनुरूप नहीं

के अनुसार इस विद्यालय से गारली स्कूल की दूरी 6 किलोमीटर और बिझड़ी स्कूल की दूरी 8किलोमीटर है, ऐसे में विशेषकर लड़कियों के लिए दसवीं के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने में भारी कठनाइयों का सामना करना पड़ेगा। स्कूल प्रबंधन समिति और बच्चों के अभिभावकों तथा स्थानीय लोगों का कहना है कि इस विद्यालय को स्थापित हुए 112 वर्ष हो गए हैं और इतनी पुरानी पाठशाला का स्तर कम करना न तो छात्र हित में है और न ही इलाका की जनता के हित में है।

स्कूल प्रबंधन समिति और इलाका निवासियों ने मुख्यमंत्री सुक्खु से आग्रह किया है कि इस विद्यालय की प्लस वन और प्लस टू की कक्षाओं को अन्य स्कूल में समायोजित न किया जाए। (अनंत ज्ञान)

सुनील का 'शिवरात दिया बधाइयां' गाना रिलीज

अनंत ज्ञान, जाहू। शिवरात्रि के उपलक्ष्य पर प्रसिद्ध गायक सुनील साहणी के द्वारा अपने गाने शिवरात दिया बधाइयां गाने का जाहू में रलीज किया गया। गायक सुनील साहनी ने बताया शिवरात दिया बधाइयां के गाने को शिवरात्री के उपलक्ष्य पर सुनील साहणी जागरण यू-ट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। इस गीत का म्यूजिक परम जीत पम्मी के द्वारा दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसके बाद माता रानी का गाना मार्च में रिलीज किया जाएगा, जिस पर कार्य जारी है।

गलोड़ में पेड़ गिरने से कार क्षतिग्रस्त बाल-बाल बचे स्कूल के विद्यार्थी

अनंत ज्ञान, गलोड़

गलोड़ कस्बे के अंतर्गत पिछली रात से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से 60 साल पुराना आम का पेड़ सुबह 7.40 पर अचानक सड़क पर खड़ी गाड़ी पर गिर गया। जिस वक्त यह पेड़ गिरा, उस समय सरेड़ी गांव के छोटे छोटे बच्चे अपनी स्कूल बस के इंतजार के लिए उसी जगह खड़े थे और जैसे ही आम का पेड़ गिरने लगा, बच्चे वहं से भाग गए। अगर बच्चे उस जगह से नहीं भागते तो कोई भी अनहोनी घटना हो सकती थी। कुछ बच्चों के साथ उनके अविभावक भी साथ थे।

इस हादसे में सरेड़ी गांव के सुरेश कुमार पुत्र दलीप चंद की टाटा नेनो कार इस पेड़ की चपेट में आने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पेड़ के गिरने से कश्मीर सरेड़ी सड़क पर तीन घंटे के लिए यातायात बाधित रहा। लोक निर्माण विभाग को जैसे ही इस की सूचना मिली, उन्होंने इस सड़क पर

सड़क बाधित, लोनिवि ने करवाया यातायात बहाल

जेसीबी और कर्मचारी भेज कर तुरंत बहाल करवाया और आम की नीचे फंसी गाड़ी को भी बाहर निकाला। पिछले दो दिन से क्षेत्र में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है और बारिश की बजह से लोगों का जनजीवन प्रभावित भी हुआ है, मगर किसानों के लिए यह वरिश काफी फायदेमंद भी रही है क्योंकि लोग काफी दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे थे। इस मामले पर सरेड़ी पंचायत के प्रधान राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि लोक निर्माण विभाग ने सड़क पर यातायात बहाल करवा दिया है।

लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता अंकित कुमार ने बताया कि सूचना के तुरंत बाद यातायात बहाल करवा दिया है।

भरेड़ी में आयोजित होगा रेडक्रॉस मेला : शशिपाल

अनंत ज्ञान, भोरंज/भरेड़ी

रेडक्रॉस सोसायटी की भोरंज उपमंडल इकाई शीघ्र ही भरेड़ी में रेडक्रॉस मेले का आयोजन करेगी। भरेड़ी के डीएवी स्कूल के परिसर में आयोजित होने वाले इस मेले की तैयारियों के लिए एसडीएम एवं उपमंडलीय रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष शशिपाल शर्मा ने शुक्रवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों, व्यापार मंडल भरेड़ी तथा अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि यह मेला 27 दिसंबर को आयोजित किया जाना था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के देहावसान पर राष्ट्रीय शोक के चलते इसका आयोजन स्थगित कर दिया गया था। अब इसे मार्च महीने में आयोजित किया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि इस मेले में मेडिकल जांच शिविर, रक्तदान शिविर, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी और अन्य

बैठक में मौजूद गणमान्य।

बोले-मेडिकल जांच शिविर, रक्तदान शिविर, प्रदर्शनियां होंगी मुख्य आकर्षण

गतिविधियां भी करवाई जाएंगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से रेडक्रॉस मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने तथा रेडक्रॉस सोसायटी से जुड़कर इसके लिए हरसंभव योगदान देने की अपील भी की।

एसडीएम ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती है। आम लोग रेडक्रॉस सोसायटी से जुड़कर इसमें अंशदान कर सकते हैं।

इस अंशदान की राशि किसी गरीब एवं जरूरतमंद के लिए बड़ा सहारा साबित हो सकती है। बैठक में तहसीलदार डॉ. आशीष शर्मा, जाहू के नायब तहसीलदार बलवंत सिंह, व्यापार मंडल भरेड़ी के प्रधान राजेश कुमार, बीडीसी अध्यक्ष राजिंद्र कुमार और अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने हिमाचल को आर्थिक संकट में डाला : प्रेम

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश के आर्थिक हालात के मद्देनजर विपक्षी नेताओं द्वारा कांग्रेस सरकार की लगातार आलोचना करने की राजनीति अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास मात्र है। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मुख्य प्रवक्ता प्रेम कौशल ने कहा कि जयराम ठाकुर तथा केंद्र की भाजपा सरकार ने ही हिमाचल को आर्थिक संकट में डालने का कार्य किया है।

प्रदेश से भाजपा के चार लोकसभा और तीन राज्यसभा सांसद होने के बावजूद केंद्रीय बजट में हिमाचल की अनदेखी तथा केंद्र द्वारा अनेक आर्थिक कटौतियां यह साबित करती हैं कि हिमाचल के प्रति मोदी सरकार का रवैया भेदभाव पूर्ण है तथा हिमाचल भाजपा के नेताओं का प्रदेश हित से कोई सरोकार नहीं है।

5 को सुजानपुर में जनता करेगी प्रदर्शन : राणा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने कहा है कि मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू की घोषणाएं सिर्फ जुमले साबित हुई हैं। झूठे वादों के सहारे सत्ता तक पहुंचने वाले सुक्खू ने सुजानपुर की जनता को भी ठगने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसलिए जनता अब सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करेगी और इसके लिए 5 मार्च का दिन तय कर दिया गया है।

राजेंद्र राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणाएं हवा-हवाई साबित हुई हैं और अब जनता उनके झूठ का जवाब देगी। राजेंद्र राणा ने तीखे शब्दों में सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 5 मार्च को सुजानपुर की जनता मुख्यमंत्री की वादा-खिलाफी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करेगी। सुजानपुर में रैली निकाली जाएगी और धरना देकर सरकार से जवाब मांगा जाएगा कि दो साल बीत जाने के बाद भी उनकी घोषणाओं का क्या हुआ?

राष्ट्र स्तरीय होली मेले में झूला मार्केट 51.11 लाख में नीलाम

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

राष्ट्र स्तरीय होली मेले सुजानपुर का शुभारंभ 12 मार्च को किया जाएगा। इससे पहले चैगान में मेले में दुकानदारी करने या डोम या झूले लगाने को लेकर भूमि आवंटन का कार्य शुरू कर दिया है। शुक्रवार को होली मेले में लगने वाले झूलों की मार्केट की बोली हुई, जिसमें अधिकतम 51 लाख 11 हजार रुपए बोली देने वाले एक ठेकेदार के नाम झूला मार्केटनीलाम की गई।

बीते साल होली मेले के दौरान झूलों की बोली 73 लाख 50 हजार पर छूटी थी। इस वर्ष 22 लाख के रुपए की कम राशि पर यह बोली हुई है। झूलों के साथ-साथ डोम की बोली भी शुक्रवार को रखी गई थी, लेकिन डोम के लिए बोली दाताओं द्वारा सही मानकों के तहत बोली न देने के चलते अब यह बोली 5 मार्च को रखी गई है। सुजानपुर में राष्ट्रीय स्तरीय होली मेले को लेकर प्रशासन ने भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी। चौगान में लगने वाले झूला मार्केट को लेकर के शुक्रवार को बोली हुई। जिसमें अधिकतम बोली 51 लाख 11 हजार रही। बोली में सात ठेकेदारों ने भाग लिया। राष्ट्रीय स्तरीय होली उत्सव को लेकर के मेला प्रशासन ने कमर कस ली है।

मेला अधिकारी डा. रोहित शर्मा ने मेले के सफल आयोजन को लेकर के सभी तैयारियां शुरू कर दी हैं। चौगान में नगर परिषद की ओर से गेट लगाए जा रहे हैं। टियालों का कायाकल्प किया जा रहा है। चैगान में सुंदरता को बनाए रखने के लिए कार्य चला हुआ है। मेले के दौरान प्रदेश सरकार के मुख्या बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर मेले का शुभारंभ करते हैं। जिसका शुभारंभ मुरली मनोहर मंदिर में पूजा अर्चना के साथ होता है।

न्यूक्लियर ऊर्जा से चिकित्सा, शिक्षा में आया बदलाव: प्रो. सुरेश

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के भौतिक विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान विभाग ने विज्ञान दिवस मनाया। कार्यक्रम में तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. सुरेश कुमार स्रोत व्यक्ति रहे।

कुलपति ने कहा कि सभी विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना मुख्य उद्देश्य है। यह दृष्टिकोण न केवल ज्ञान के प्रति हमारी समझ को गहरा करता है, बल्कि हमें हर समस्या को वैज्ञानिक तरीके से सुलझाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने छात्रों को रचनात्मक और आविष्कारक विचारों के विकास को सुदृढ़ करने के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। वहीं, प्रो. सुरेश कुमार ने कहा कि न्यूक्लियर ऊर्जा ने चिकित्सा,

भौतिक और पर्यावरण विज्ञान विभाग ने मनाया विज्ञान दिवस-

कृषि, अंतरिक्ष अन्वेषण और शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में क्रांति आई है। न्यूक्लियर विज्ञान शिक्षा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में प्रगति को प्रेरित करती है। उन्होंने परमाणु विकिरण और परमाणु ऊर्जा का मानवता के लिए अब तक और भविष्य के पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने परमाणु भौतिकी का महत्व, खगोल भौतिकी, प्राकृतिक और मानव निर्मित विकिरण के बारे में विद्यार्थियों को उदाहरण सहित जानकारी दी।

इस मौके पर तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. जय देव सहित प्राध्यापक डॉ. जेपी शर्मा, डॉ. वैश्णव किरण, डॉ. मीना, डॉ. विजय, डॉ. जगत राम आदि मौजूद रहे।

पूजा शर्मा मिस और दीक्षांत शर्मा मिस्टर किड बड्स चुने

अनंत ज्ञान, बड़सर

बिझड़ी कस्बे में स्थित किड बड्स पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां पेश करके उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया।

फेयरवेल पार्टी में 10 + 1 के स्टूडेंट्स ने 10 +2 के स्टूडेंट को बधाई पार्टी दी। इस फेयरवेल पार्टी में पूजा शर्मा मिस एंड दीक्षांत शर्मा मिस्टर किड बडस आदर्श पठनिया मिस्टर फयरवेल मिस पर्वा सेन मिस फयरवेल आदर्श पटियाल मिस्टर पर्सनालिटी और दिशा शर्मा को मिस पर्सनालिटी के किताब से नवाजा गया।

स्कूल प्रधानाचार्य संजीव चदेल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की पढ़ाई के साथ-साथ कलर एक्टिविटी में भी बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे बच्चों का बौद्धिक विकास होता है। चंदेल ने कहा की कठिन परिश्रम से सफलता आपके कदम चूमती है।

जानकारी पहचान स्पेशल स्कूल में दिव्यांगता जागरूकता शिविर में किया जागरूक

अपने बच्चे को दूसरों की तरह बनाने का करें प्रयास: बंसल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पहचान स्पेशल स्कूल के प्रांगण में एक दिव्यांगता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिला कल्याण अधिकारी रमेश बंसल और विशेष अतिथि जिला भाषा अधिकारी संतोष कुमार ने शिरकत की।

जागरूकता शिविर में सबसे पहले मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया और उसके बाद संस्था की संचालिका चेतना शर्मा द्वारा दिव्यांगता के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आज की इस भागम भाग बाली जिंदगी में हमें हमारे रहने सहन, खानपान, घर के माहौल, तनाव, नशे आदि का खास ध्यान रखना होगा क्योंकि इन सबका प्रभाव हमारे दिमाग पर पड़ता है जिससे होने वाली संतान में भी मानसिक और शारीरिक विकार हो सकते हैं। डिलिवरी जल्दी होने पर भी और समय पर बच्चे का न होना, आक्सीजन की कमी, दौरे

पड़ना, आयोडीन की कमी आदि ऐसी कई समस्याएं हैं जिससे बच्चा दिव्यांग हो सकता है। जब एक स्त्री गर्भवती होती है तो पूरे परिवार का दायित्व बनता है कि उस स्त्री का पूरा ध्यान रखा जाए और यदि जन्म के बाद बच्चा दिव्यांग पैदा होता भी है तो हमें घबराना नहीं है, बल्कि उस परिस्थिति में डाक्टर से सलाह लेकर बच्चे का इलाज करवाना चाहिए।

जब डेढ़ साल के बाद बच्चा आवाज लगाने पर कोई जवाब नहीं देता या लेट चलना शुरू करता है, आंखों में नहीं दिखता आदि तो हमें इसे रेड अलर्ट समझना चाहिए और डॉक्टर से विचार-विमर्श करके उस पर समय से इलाज शुरू कर देना चाहिए क्योंकि हम जितना समय इस समस्या को समझने में लगाएंगे उतना ही लेट बच्चे में सुधार होता है।

दिव्यांगता को हमें स्वीकार करके उससे बच्चे को उभारना है ताकि वह बच्चा आम बच्चों की तरह जीवन व्यतीत कर सकें। पहचान संस्था इस कार्य को बखूबी निभा रही है। संस्था में बच्चों को हर प्रकार की थैरेपी दी जाती है जिससे बच्चों में सुधार हो रहा है और बच्चे अपनी दिनचर्या के साथ साथ पढ़ाई भी कर रहे हैं। इसके बाद जिला कल्याण कार्यालय से दिनेश कुमार ने दिव्यांगों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

जिला भाषा अधिकारी संतोष कुमार ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए आज कई प्रकार की सुविधाएं है जिनका हमें लाभ उठाना चाहिए। जागरूकता शिविर में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला भाषा अधिकारी संतोष कुमार, सासन पंचायत सचिव संजय, उपप्रधान अरुण कुमार, स्वास्थ्य अधिकारी रचना देवी, बीएलओ पूनम कुमारी, आंगनबाड़ी वर्कर, आशा वर्कर और सासन पंचायत से परिवारजन, पहचान स्कूल स्टाफ से ज्योति, आंचल, रीना, प्रवीण, अर्चना, मंजू, हरीश उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने अपने नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का किया प्रदर्शन

संजीव चौहान, टौणी देवी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टौणी देवी में वार्षिक परीक्षा की तैयारी और छात्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से एक प्रभावशाली शिक्षा संवाद एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस संवाद में छात्रों की शैक्षणिक, मानसिक और भावनात्मक आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की गई, वहीं विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने अपने नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा ने कहा कि विद्यालय केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा का केंद्र नहीं है, बल्कि यह छात्रों के चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के संवर्धन का स्थान भी है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने घर में शिक्षक होते हैं और शिक्षक विद्यालय में अभिभावकों की भूमिका निभाते हैं। दोनों का सामंजस्य ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है।

इस प्रदर्शनी में विभिन्न श्रेणियों में विजेता छात्रों को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। शिक्षा संवाद के दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रमन मल्कानिया, शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

युवक से प्रतिबंधित दवाइयां पकड़ीं

अनंत ज्ञान, सोलन। पुलिस थाना सदर सोलन की पुलिस टीम द्वारा दोहरी दीवार के समीप गश्त व मोबाइल नाकाबंदी के दौरान एक युवक अंकुश कुमार (31) पुत्र श्रवण कुमार निवासी गगल, जिला कांगडा को 190 प्रतिबंधित दवाइयां सहित गिरफतार किया गया। पकड़ी गई टेबलेट्स के बारे में वह कोई भी वैध दस्तावेज पुलिस के समक्ष पेश न कर सका। पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। उक्त आरोपी को ड्रग निरीक्षक के हवाले किया जा रहा है। आरोपी के पूर्व आपराधिक रिकार्ड की पड़ताल की जा रही है।

तत्काल नियुक्ति मामले में इल्मा की सुनवाई 3 को

पुष्पेंद्र, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में पुलिस अधीक्षक इल्मा अफरोज की बद्दी में तत्काल नियुक्ति से जुड़े मामले में सुनवाई 3 मार्च को होगी। शुक्रवार को न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश सुशील कुकरेजा की खंडपीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने स्पष्ट किया था कि पहले यह मामला उपरोक्त खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लग रहा था और 30 अक्तूबर 2024 को इस खंडपीठ ने राज्य सरकार को कुछ निर्देश जारी करते हुए इस मामले में अनुपालना रिपोर्ट मांगी थी। 9 सितंबर 2024 को इसी खंडपीठ ने इल्मा अफरोज को बद्दी से किसी दूसरी जगह स्थानांतरित न करने बाबत आदेश जारी किए थे, इसलिए इस मामले की सुनवाई भी न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को सौंपी गई है। (अनंत ज्ञान)

बस स्टैंड में गिरा बिजली का खंभा

अनंत ज्ञान, शिमला। शिमला ओल्ड बस स्टैंड के साथ लगते लोकल बस स्टैंड में तेज हवा के चलते बिजली का खंबा गिर गया, जिसकी वजह से यहां पर बिजली प्रभावित रही।

400 विद्यार्थी सीखेंगे ड्रोन-रोबोट चलाना

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल प्रदेश के 400 स्कूलों के विद्यार्थी ड्रोन और रोबोट चलाना सीखेंगे। समग्र शिक्षा परियोजना निदेशालय ने विद्यार्थियों में स्किल विकसित करने के लिए दो कंपनियों के साथ करार किया है। चयनित 400 वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं में ड्रोन और रोबोटिक किट पहुंचाने का काम शुरू हो गया है। अटल टिंकरिंग लैब के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों को ड्रोन और रोबोटिक साइंस का ज्ञान दिया जाएगा। प्रशिक्षण देने के लिए हर स्कूल से दो-दो शिक्षकों का चयन किया जा रहा है। सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अब किताबी ज्ञान के साथ-साथ नवीनतम वैज्ञानिक तकनीक से भी पारंगत होंगे। यह विद्यार्थी जहां ड्रोन उड़ाना सीखेंगे, वहीं रोबोट कैसे कार्य करता है, इसकी भी जानकारी लेंगे।

इसी माह शुरू होगा आयोग का 'वन टाइम रजिस्ट्रेशन' सिस्टम

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

- अभ्यर्थी फीस स्ट्रक्चर में होगा बदलाव? आयोग ने बनाई कमेटी
- रिपोर्ट होगी सरकार को प्रेषित 2014 से 360 रुपए है फीस
- कई श्रेणियां की माफ और इसमें भी बदलाव की तैयारी

सूबे में नई भर्तियों के लिए राज्य कर्मचारी चयन आयोग का 'वन टाइम रजिस्ट्रेशन' यानी ओटीआर सिस्टम मार्च महीने में काम करना शुरू कर देगा। इसके अलावा अभ्यर्थियों के नए फी-स्ट्रक्चर को लेकर भी हलचल शुरू हो गई है। आयोग ने कमेटी गठित कर दी है, जो अलग-अलग राज्यों के आयोगों से रिपोर्ट इकठ्ठी कर सरकार को प्रेषित करेगी।

काबिले गौर है कि हिमाचल के युवा पिछले लंबे समय से नई भर्तियों के आगाज की इंतजार में हैं। राज्य सरकार ने जिस नए आयोग का गठन किया है। उसमें कई नई चीजें हो रही हैं। पहले तो भर्ती मामले में हुए गड़बड़ झाले की जांच चली। वह अभी भी जारी है, लेकिन अब क्योंकि नया आयोग गठित हो चुका है। मगर भर्ती का प्रोसेस शुरू होने के लिए अब कुछ ही महीने और इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल ओटीआर सिस्टम को लागू करने के लिए जिस प्रक्रिया को आयोग ने शुरू कर रखा है, वह अब मार्च माह के शुरू में मुकम्मल हो जाएगा। इसे लगभग तैयार कर दिया गया है। कुछ नई चीजें थीं जिन्हें इसमें जोड़ा गया है। इसका ट्रायल भी बहुत जल्दी शुरू होने वाला है।

आयोग अब नई भर्तियों को लेकर इसके फीस स्ट्रक्चर में भी बदलाव करने जा रहा है। इसकी रूपरेखा तैयार हो रही है। आयोग की पहली बैठक हो गई है और एक कमेटी गठित की जाएगी। जो देश के अलग-अलग राज्यों के आयोगों से रिपोर्ट इकट्ठी करेगी, और उसी के आधार पर जो रिपोर्ट तैयार होगी, उसे सरकार के समक्ष रखेगी। अंतिम फैसला सरकार का होगा।

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

अभी आयोग सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी से वर्ष 2014 के सिस्टम के मुताबिक 360 रुपए फीस वसूलता है। इसे बढ़ाया भी जा सकता है और कई ऐसी कैटेगरीज भी हैं, जिनकी फीस माफ है। उसमें भी कटौती हो सकती है, लेकिन अभी इस पर अंतिम फैसला जब सरकार लेगी, तभी पता चलेगा। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं राज्य कर्मचारी चयन आयोग के सचिव

राज्य कर्मचारी चयन आयोग के सचिव विक्रम महाजन बताते हैं कि यह पोर्टल लगभग तैयार है और निश्चित रूप से मार्च में काम शुरू करेगा, जिसमें अभ्यर्थी को एक ही बार रजिस्ट्रेशन करवानी पड़ेगी और उसके बाद वह अलग-अलग श्रेणियां के सभी तरह के एग्जाम के लिए उसी का इस्तेमाल करेगा। आयोग ओटर के बाद विभागों से आने वाली रिकॉग्निशन को मुकम्मल कर रहा है। यह काम अभी ऑफलाइन हो रहा है, लेकिन इसे ऑनलाइन कर दिया जाएगा। जैसे ही यह सारा काम मुकम्मल होगा, उसके बाद विज्ञापन भी इस भर्ती प्रक्रिया के शुरू हो जाएंगे। उनका कहना है की फीस स्ट्रक्चर को लेकर आयोग की बैठक हो गई है। अब जो भी तय होगा, उसे सरकार को भेजा जाएगा। ताकि इस पर अंतिम मुहर लग सके।

कांग्रेस संगठन पैरालाइज्ड नहीं, पार्टी और सरकार को मजबूती देने की जरूरत : पाटिल

शुक्रवार सुबह प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में बड़े नेताओं से की चर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की नवनियुक्त प्रभारी रजनी पाटिल ने कहा है कि संगठन पैरालाइज्ड नहीं है। पार्टी और सरकार की मजबूती के लिए थोड़ी ताकत देने की जरूरत है। दो दिन सभी नेताओं से चर्चा कर हाईकमान को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। सभी से फीडबैक लेकर हिमाचल में जल्द नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में नई कार्यकारिणी के गठन से पूर्व फीडबैक लेने पहुंचीं प्रभारी रजनी पाटिल ने कहा कि अंगार पर जब राख जम जाती है तो उसे तेज करने के लिए हवा देनी पड़ती है। यह काम करने मैं यहां आई हूं। अंगार रूपी कार्यकर्ताओं को चुस्त-दुरस्त किया जाएगा।

- कांग्रेस आलाकमान को देंगी फीडबैक

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सरकार और संगठन को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। कैबिनेट मंत्री चंद्र कुमार चौधरी की ओर से दिए गए बयान की प्रदेश में कांग्रेस संगठन पैरालाइज्ड हो गया है पर प्रतिक्रिया देते हुए रजनी पाटिल ने कहा ऐसा कुछ भी नहीं है। कैबिनेट मंत्री ने यह बयान क्यों दिया, इसकी जानकारी नहीं है। केंद्र में भाजपा की सरकार होने के बावजूद हिमाचल में कांग्रेस की सरकार बनी है। इससे स्पष्ट है कि संगठन मजबूत है। कार्यकर्ता पूरी तरह से सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल में संगठन खड़ा करने में मैंनें पूर्व के कार्यकाल में काम किया था। आने वाले दिनों में संगठन को और अधिक मजबूती दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल से की भेंट

अनंत ज्ञान ब्यूरो शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को यहां प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल से भेंट की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आने पर उनका स्वागत किया तथा पार्टी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, प्रदेश कांग्रेस सह-प्रभारी विदित चौधरी, कैबिनेट मंत्री तथा कांग्रेस पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

सुक्खू सरकार सनातन विरोधी, मंदिरों को कर रही है टारगेटः जयराम ठाकुर

अनिल शर्मा, मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुंदरनगर में मीडिया के प्रतिनिधियों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी सुक्खू सरकार द्वारा मंदिरों की जमा पूंजी नहीं छीनने देगी। सरकार द्वारा जिस तरीके से पत्र जारी करके मंदिरों से सरकार को पैसा देने की बात कही गई है और प्रशासन द्वारा जिस तरीके से मंदिर समिति पर दबाव बनाया जा रहा है वह पूर्णतया शर्मनाक और सनातन विरोधी है।

सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने सनातन विरोधी इरादे जाहिर कर दिए थे और देश भर में घूम-घूम कर कहा था कि हम 97 प्रतिशत हिंदुत्व वाली विचारधारा को हराकर आए हैं। उनके हर काम में उनका वही हिंदुत्व और सनातन विरोधी रवैया नजर आ रहा है। प्रदेश में आज तक ऐसा नहीं हुआ कि सरकार द्वारा इस तरीके से मंदिरों की जमा पूंजी पर नजर लगाई गई हो। आपदा और आपात की परिस्थितियों के लिए प्रदेश के मंदिर हमेशा मदद करते आए हैं। लेकिन सरकार की द्वारा घोषित की गई बजट स्कीम्स के लिए मंदिरों पर दबाव बनाकर वसूली करना कभी नहीं हुआ।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार दो साल से इन स्कीमों के बारे में बात कर रही है। मुख्यमंत्री से अपने फ्लैगशिप स्कीम के तहत प्रचारित कर रहे हैं। प्रदेश भर के सड़क, चौराहे, पहाड़, नदी के किनारे सरकार की इन स्कीम के विज्ञापनों से भर गए हैं। सरकार द्वारा इनके विज्ञापन पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं, लेकिन इन योजनाओं के लाभार्थियों के लिए सरकार ने अपनी तरफ से कुछ नहीं किया। पिछले महीनें में ही सुखाश्रय के तहत पढ़ रहे छात्रों की फीस न जमा करने का मामला भी सामने आया था। सरकार द्वारा बजट का प्रावधान किए जाने के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम से चल रही इन दोनों स्कीमों के साथ क्या हुआ जो मंदिरों से जबरन पैसा वसूलने की नौबत आ गई।

बोले- सुक्खू सरकार से नहीं छीनने देंगे मंदिरों की जमापूंजी

प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार एक तरफ सनातन का विरोध करती है और दूसरी तरफ मंदिरों से पैसा लेकर सरकार की फ्लैगशिप योजना चलाना चाह रही है। सरकार द्वारा मंदिरों का पैसा मांगा जा रहा है, अधिकारियों पर दबाव बनाया जा रहा है कि जल्दी से जल्दी पैसा सरकार को भेजा जाए। भाजपा सरकार के इस फैसले का सड़क से सदन तक डटकर विरोध करेगी। इस फैसले का मंदिर और ट्रस्ट के लोगों के साथ आम को भी सरकार के इस फैसले का विरोध करना चाहिए। मुख्यमंत्री अब इस बात को समझ लें कि उनके झूठ और ठगी की दुकान प्रदेश में नहीं चलने वाली है इसलिए झूठ बोलने से परहेज करें और जनहित के मुद्दों पर काम करें। (अनंत ज्ञान)

एसडीएम पर हमले के आरोपी को 10 साल कठोर कारावास की सजा

रितेश चौहान, सरकाघाट

10 हजार रुपए लगाया जुर्माना

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सरकाघाट अबीरा बासु की अदालत ने रिटायर्ड एसडीएम पर हमला करने के आरोपी उसके भतीजे अमित कुमार को आईपीसी की धारा 307 के तहत 10 साल की कठोर कारावास व 10 हजार रुपए जुर्माना, धारा 324 में 3 साल के कारावास और 5 हजार रुपए जुर्माना, धारा 355 के तहत आरोपी को 2 साल कारावास और 5 हजार जुर्माना और धारा 323 में आरोपी को 1000 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। यह भी न्यायालय ने आदेश दिया है कि जुर्माने की राशि आरोपी पीड़ित को अदा करेगा।

उप जिला न्यायाधवादी राजीव शर्मा ने बताया कि 30 मई 2018 को पीड़िता जो हिमाचल प्रदेश सरकार से एसडीएम के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। अपने घर के पास नरेगा के तहत रास्ता बना रहा था काम पर 17, 18 नरेगा मजदूर औरतें काम कर रही थी। इसी दौरान आरोपी जेसीबी मशीन लेकर पीड़ित की जमीन की खुदाई करने लगा तो पीड़ित ने ऐसा करने से उसे रोका। इसी बात से तहस में आकर आरोपी अमित कुमार पीड़ित को धमकियां देने लगा और कहा कि अभी तो मैं तेरा आंगन उखाडूंगा। बाद में गुस्से में आकर आरोपी ने रिटायर्ड एसडीएम जो कि उसका चाचा लगता है, को दीवार के साथ धक्का मारा व मौका पर पड़ी एक लकड़ी की फट्टी से पीड़ित के बाएं कान पर चोट मारी, जिससे उसके नाक और कान से खून बहने लगा।

पीड़ित रोशन लाल राणा बेहोश होकर नीचे जमीन पर गिर गया। पीड़ित काफी देर तक मौका-ए-वारदात पर खून से लथपथ पड़ा रहा। मौके पर मौजूद 17-18 औरतों ने पीड़ित रोशन लाल को आरोपी की मारपीट से छुड़ाया तथा ग्राम पंचायत प्रधान और वार्ड मेंबर को सूचित किया और घायल हुए एसडीएम को सरकाघाट अस्पताल पहुंचाया उप जिला न्यायवादी राजीव शर्मा ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने इस प्रकरण में 20 गवाह पेश किए, जिसके आधार पर माननीय अदालत ने आरोपी अमित कुमार पुत्र सुंदर सिंह गांव कुठेड़ देव ब्राडता तहसील सरकाघाट जिला मंडी को उपरोक्त कठोर कारावास की सजा सुनाई है। (अनंत ज्ञान)

नशे में धुत युवकों ने घुमारवीं बस अड्डे पर मचाया हुड़दंग

नीरज शर्मा, घुमारवीं

घुमारवीं बस स्टैंड नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों के कारण आम यात्रियों और शहरवासियों के लिए परेशानी बन रहा है। शुक्रवार को बस स्टैंड पर कुछ नशे में धुत युवकों ने हुड़दंग मचाया। हालांकि, बाद में उनका तीसरा साथी मौके पर पहुंचा जो काफी देर कोशिश करने के बाद आखिर में कंधे पर उठाकर इन्हें बस स्टैंड से ले गया। बता दें घुमारवीं बस स्टैंड में यह घटना कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले काफी समय से ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

बस स्टैंड से मात्र 20 मीटर की दूरी पर पुलिस थाना स्थित होने के बावजूद इन असामाजिक गतिविधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार पुलिस प्रशासन से स्थायी पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने की मांग की है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई समाधान नहीं निकला है। बस स्टैंड पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बसों की आवाजाही के दौरान यहां भारी भीड़ रहती है और नशेड़ियों के हुड़दंग से यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि दिन ढलते ही यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने लगता है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द बस स्टैंड पर नियमित गश्त बढ़ाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं डीएसपी

डीएसपी घुमारवीं चंद्रपाल सिंह ने बताया कि मामला ध्यान में आया है। सभी असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा ।बस स्टैंड पर पुलिस की निगरानी बढ़ाई जाएगी जिसके लिए जल्द ही बस स्टैंड पर पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि यात्रियों को सुरक्षित माहौल मिल सके।

प्रदेश के मंदिरों की धनराशि का दुरुपयोग कर रही कांग्रेस सरकार : नंदा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश की कांग्रेस सरकार अब प्रदेश के मंदिरों की धन राशि का दुरुपयोग करने का कार्य कर रही है। इस सरकार में सभी मद्दों के पैसों को कर्मचारियों की सैलरी एवं जिस कार्य के लिए पैसा है उसको छोड़ कर दूसरे कार्य में लगने का कार्य चल रहा है। यह बात भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने कही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय और सुख शिक्षा योजना में मदद सरकार के अधीन आने वाले मंदिरों के ट्रस्ट भी करेंगे। भाषा एवं संस्कृति विभाग ने मंदिर कमेटियों से मदद का आग्रह भी किया है। करोड़ों रुपए की आय वाले प्रदेश के 35 बड़े मंदिरों की जिला प्रशासन देख-रेख करता है। सरकार की अपील पर उपायुक्तों ने मंदिर न्यास को आर्थिक मदद करने के लिए पत्र जारी किए हैं।

सुक्खू सरकार का जन आस्था पर प्रहार सुखाश्रय योजना पर बहुत बड़ा सवाल

भाषा एवं संस्कृति विभाग के सचिव राकेश कंवर पहले ही मीडिया को बता चुके है कि सरकार ने सुखाश्रय और सुख शिक्षा योजना में मदद करने के लिए मंदिर ट्रस्ट पर आखिरी फैसला छोड़ा है, पर फिर भी प्रशासन सभी मंदिरों पर निरंतर दबाव बना रहा है, जिससे मंदिरों से करोड़ों रुपए को धन राशि सरकारी योजना के लिए भेजी जा रही है।

नंदा ने कहा कि मुख्य आयुक्त मंदिर, सचिव भाषा एवं संस्कृति की ओर से जारी पत्र में कहा गया कि प्रदेश के सभी मंदिर न्यासों में चढ़ावे से हो रही आय के अनुरूप मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के लिए धन जुटाया जाए। इस पत्र के संदर्भ में उपायुक्तों ने मंदिर न्यास के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिवों को आदेश जारी किए हैं कि न्यास की बैठकें बुलाकर इस योजना के लिए धन का प्रावधान किया जाए।

बैठकों में प्रस्ताव रखा गया कि सरकार के आदेश पर मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना व मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना के लिए मंदिरों में चढ़ावे व अन्य आय से धन की व्यवस्था की जाए। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य जिलों में भी न्यास की बैठकों का दौर जारी है। हिमाचल प्रदेश में सरकार के अधीन 35 बड़े मंदिर हैं, इन मंदिरों का संचालन हिमाचल प्रदेश हिंदू सार्वजनिक धार्मिक एवं पूर्तविन्यास संस्थान करता है। सभी मंदिरों की कुल जमापूंजी लगभग चार अरब के आसपास की है। सरकार को आर्थिक संकट से उबारते रहे हैं मंदिर मुख्यमंत्री राहत कोष, मुख्यमंत्री आपदा कोष, कोविड राहत कोष सहित अन्य संकट के दौर में पहले भी मंदिरों के खजाने से करोड़ों रुपए सरकार को दिए गए हैं। नंदा ने कहा कि सुखाश्रय और सुख शिक्षा योजना में मदद करने के लिए शक्तिपीठ ज्वालामुखी मंदिर से एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके लिए मंदिर प्रशासन ने प्रपोजल बनाकर आगामी कार्रवाई के लिए भेजा है। वहीं, श्री चामुंडा मंदिर ट्रस्ट इस तरह की कोई भी मदद नहीं करेगा। शक्तिपीठ बज्रेश्वरी मंदिर ट्रस्ट की ओर से भी अभी तक इस तरह की मदद के लिए कोई योजना नहीं बनाई गई है।

गोबिंदसागर झील में जल्द शुरू होंगी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां

अनंत ज्ञान, ऊना

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में स्थित गोबिंदसागर झील जल्द ही रोमांचक वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का नया केंद्र बनने जा रही है। साहसिक खेलों और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने झील में बोटिंग, कयाकिंग, जेट स्की और अन्य जल क्रीड़ा गतिविधियों को शुरू करने के लिए निविदा प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में मेफील्ड एडवेंचर्स ने सर्वाधिक 80 लाख 500 रुपए की बोली लगाकर संचालन अनुबंध हासिल किया है।

कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सुक्खू की प्राथमिकता है कि प्रदेश में साहसिक खेल गतिविधियों को बढ़ावा देकर पर्यटन को नया आयाम दिया जाए और युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र में वाटर स्पोर्ट्स को विकसित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। वाटर स्पोर्ट्स संचालन के लिए अतिरिक्त उपायुक्त ऊना महेंद्रपाल गुर्जर की अध्यक्षता में गठित समिति ने निविदा प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा किया।

इस समिति में एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल, क्रेडिट प्लानिंग ऑफिसर संजय सांख्यान, एसडीओ (आरडीडी) बंगाणा, आदि शामिल थे। विभिन्न एजेंसियों ने इस निविदा में भाग लिया, जिनमें से मेफील्ड एडवेंचर्स ने सर्वोच्च बोली लगाकर अनुबंध प्राप्त किया।

कार्रवाई मिड-डे मील की गुणवत्ता पर फूड सेफ्टी विभाग की नजर

बिलासपुर के सरकारी स्कूलों से भरे दाल-चावल के सैंपल

शुभम राही, बिलासपुर

सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील (मध्याह्न भोजन) की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए फूड सेफ्टी विभाग बिलासपुर की टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पनोह और राजकीय प्राथमिक विद्यालय पनोह के मिड-डे मील किचन से दाल और चावल के सैंपल भरे गए। इसके अलावा, कंदरौर स्थित सरकारी स्कूल के मिड-डे मील का भी निरीक्षण किया गया और खाद्य सामग्री के नमूने लिए गए।

फूड सेफ्टी ऑफिसर खगेंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच के उद्देश्य से की गई है। लिए गए सैंपल अब कंडाघाट जिला सोलन स्थित सरकारी लैब में भेजे जाएंगे। लैब से रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यदि खाद्य सामग्री में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित आपूर्तिकर्ताओं और अधिकारियों पर कार्रवाई हो सकती है।

बता दें कि मिड-डे मील योजना का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को पोषणयुक्त और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी सेहत बेहतर बनी रहे और वे पढ़ाई में रुचि लें, लेकिन कई बार इस योजना के तहत दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में सरकार और फूड सेफ्टी विभाग समय-समय पर इसकी जांच करता रहता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मिड-डे मील में दी जा रही खाद्य सामग्री मिलावटी या निम्न गुणवत्ता की होती है, तो यह बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। इसलिए इस तरह की जांच जरूरी है, ताकि बच्चों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन दिया जा सके। (अनंत ज्ञान)

कई बार सप्लायरों पर लगाया जुर्माना

यह पहली बार नहीं है जब मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच की गई हो। इससे पहले भी कई जिलों में खाद्य सुरक्षा विभाग ने निरीक्षण किए हैं और कई मामलों में खराब गुणवत्ता की सामग्री पाए जाने पर सप्लायरों पर जुर्माना लगाया गया। कुछ मामलों में सप्लायर्स के लाइसेंस भी रद्द किए गए। फूड सेफ्टी विभाग की इस कार्रवाई के बाद अब सभी की नजर लैब रिपोर्ट पर टिकी है। यदि जांच में सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं, तो संबंधित स्कूल प्रशासन और खाद्य आपूर्तिकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। खगेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों को पौष्टिक और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। यदि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता किया गया है, तो कड़ी कार्रवाई होगी।

समाचार पत्र पंजीयन (केंद्रीय) कानून, 1956 आठवें नियम के अंतर्गत अपेक्षित 'अनंत ज्ञान' नगरोटा बगवां नामक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व और अन्य विषयों का विवरण

घोषणा

फार्म-4

1. प्रकाशन स्थान	नगरोटा बगवां (हिमाचल प्रदेश)
2. प्रकाशन क्रम	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	डॉ. दिलीप धाकड़
राष्ट्रीयता	भारतीय
पता	प्लॉट नं. 8, फेज-2, इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.) 176047
4. प्रकाशक का नाम	डॉ. दिलीप धाकड़
राष्ट्रीयता	भारतीय
पता	प्लॉट नं. 8, फेज-2, इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)176047
5. संपादक का नाम	समरजीत
राष्ट्रीयता	भारतीय
पता	हाउस नंबर 53, वार्ड नंबर 7, तहसील नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.) 176047
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों, तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	फोकस हिमाचल प्रा. लि. प्लॉट नं. 8, फेज-2, इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.) 176047

मैं डॉ. दिलीप धाकड़ एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

-डॉ. दिलीप धाकड़
प्रकाशक

न्यूज ब्रीफ

डाडासीबा अस्पताल का पौने 21 लाख का बजट पास

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। सिविल अस्पताल डाडासीबा में रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन शुक्रवार को एसडीएम देहरा शिल्पी बेक्टा की अध्यक्षता में हुआ। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सालाना बजट 20 लाख 79 हजार 668 रुपए बैठक में सर्वसम्मति से पास हुआ। सबसे पहले मैंबर सैक्रेटरी डॉ पंकज कोंडल द्वारा 2024-25 में किए गए खर्चों का ब्यौरा दिया। उसके बाद आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल बजट 20 लाख 79 हजार 668 रुपए बैठक में सदस्यों की मंजूरी के लिए पेश किया। बैठक में मुख्य रूप से खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सतीश कुमार फोतेदार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा अन्य विभागों व पंचायत के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस मौके पर डाडासीबा व्यापार मंडल के प्रधान राजेंद्र सिंह गोगा जिला परिषद सदस्य पुष्पा मनहास सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तियाला में बताईं केसीसी बैंक की योजनाएं

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। केसीसीबी शाखा मकड़ोली द्वारा तियाला में एक दिवसीय वित्तीय साक्षरता शिविर लगाया गया। इसमें लोगों को बैंक संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर बारे जानकारी देते हुए शाखा प्रबंधक बलवंत सिंह ने बताया कि बैंक की योजनाओं में किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना सहित अन्य कई योजनाएं शामिल हैं। शिविर में लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचने को भी सचेत किया गया। उन्होंने लोगों से अपना ओटीपी व खाता संबंधित जानकारी किसी से भी शेयर न करने की अपील की। कहा कि अगर फिर भी आप कहीं ठगी का शिकार होते हैं तो तुरंत संबंधित शाखा से संपर्क करें। इस मौके पर सरवंश सिंह, रमेश चंद, रजनी बाला, प्रकाश चंद, उत्तम चंद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आकांक्षा मिस और आर्यन मिस्टर फेयरवेल

अनंत ज्ञान, डरोह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला थुरल में 11वीं के विद्यार्थियों ने 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन प्रधानाचार्य अनुपम बाला की अध्यक्षता में किया। इस कार्यक्रम में 12वीं कक्षा के विद्यार्थी बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्मिलित हुए। इस दौरान 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए स्टॉल लगाकर खेल का भी का बंदोबस्त भी किया।इस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गए। 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की आंखों में स्कूल से विदा होने पर आंसू थे, लेकिन खुशी इस बात की थी कि वे अब कॉलेज स्तर पर आगे जाएंगे। हर वर्ष की तरह इस साल भी चयन की प्रकिया शुरू हुई, जिसमें सीमा समकरिया प्रवक्ता। हिंदी राजीव कुमार प्रवक्ता। गणित व वरुण शर्मा प्रवक्ता। अंग्रेजी ने जजेस की भूमिका निभाई। इसमें मिस्टर पर्सनेलिटी अरनव और मिस पर्सनेलिटी मानसी गौतम को चुना गया, जबकि मिस फेयरवेल आकांक्षा उपमन्यु को और आर्यन को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। प्रधानाचार्या अनुपम बाला ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस विदाई समारोह में सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर का हिस्सा लिया।

टेली लॉ से घर बैठे पाएं मुफ्त कानूनी सलाह

अनंत ज्ञान, नगरोटा सूरियां। भारत सरकार न्याय विभाग के द्वारा सीएससी सेंटर के माध्यम से महत्वाकांक्षी योजना टेली लॉ संचालित की जा रही है जिसके तहत कोई भी व्यक्ति अपने नजदीकी लोक मित्र केंद्र/सीएससी सेंटर में जाकर अपने किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या को रजिस्टर्ड कर घर बैठे वकीलों से फोन पर बात कर सलाह प्राप्त कर सकते हैं। टेली लॉ के माध्यम से किसी भी तरह की समस्या जैसे घरेलू एवं पारिवारिक विवाद, बीमा दावा, उपभोक्ता। संबंधित मामले, जमीनी विवाद, राजस्व मामले, क्रिमिनल मामले, बैंकिंग मामले, टैक्स संबंधित समस्या आदि विभिन्न प्रकार की समस्याओं के संबंध में वकीलों द्वारा निशुल्क सलाह प्रदान की जाती है। अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी सीएससी केंद्र संचालक से संपर्क किया जा सकता है या टेली लॉ मोबाइल एप 'टेली लॉ फॉर सिटिजन' डाउनलोड कर सकते हैं। टेली लॉ के साथ ही कोई भी व्यक्ति सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 14454 पर कॉल करके भी सलाह प्राप्त कर सकते हैं। सीएससी सेंटर के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, बैंकिंग सेवाएं, बीमा सुविधा, ई-स्टोर आदि सुविधाएं प्रदान की जाती है।

अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं देना ही प्राथमिकता

उपमुख्य सचेतक पठानिया बोले, शाहपुर हॉस्पिटल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले होंगे सम्मानित

अनंत ज्ञान, शाहपुर

उपमुख्य सचेतक केवल पठानिया ने कहा कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं देना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। इसके मद्देनजर स्वास्थ्य संस्थानों को सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि लोगों को उनके घर-द्वार के समीप बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि नागरिक हॉस्पिटल शाहपुर के नए भवन का कार्य लगभग पूरा होने वाला है और 12 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा यह भवन शीघ्र ही लोगों को समर्पित कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शाहपुर हॉस्पिटल में डॉक्टर्स की एक अच्छी टीम है जोकि बीएमओ डॉ. कविता ठाकुर के नेतृत्व में अच्छा कार्य रहा है और आने वाले समय में सेवा भाव से उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टर्स व अन्य स्टाफ को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ने अभी कुछ समय पहले यहां पर मेडिकल ऑफिसर (डेंटल) और डेंटल हाइजिनिस्ट के अतिरिक्त पद का सृजन कर पदों को भरा गया है। ऑपरेशन थियेटर को शुरू कर दिया है और तीन-चार दिन पहले ही यहां पर सर्जन डॉ. शलभ ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। ऑपरेशन थियेटर के शुरू होने से यहां रेहलू की कंचन, डोहब के ओंकार तथा धनोटू की प्रोमिला के आंख के माइनर ऑपरेशन, जबकि जोल

कहा, अस्पताल के नए भवन को जल्द लोगों को किया जाएगा समर्पित

निवासी तेजराम का (फौरन बॉडी रिमूव) सर्जरी से संबंधित माइनर ऑपरेशन किया गया। उन्होंने बताया कि शाहपुर हॉस्पिटल में अप्रैल 2024 से लेकर आज तक लगभग 1,29,500 मरीजों ने अपना पंजीकरण करवा कर इलाज करवाया है तथा इस अवधि में यहां पर 171 डिलीवरी भी करवाई गई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 माह के दौरान यहां आईपीडी के तहत 2123 मरीजों को एडमिट किया गया, जबकि अस्पताल में 19910 मरीजों का आपातकालीन के अंतर्गत इलाज किया गया।

केवल पठानिया ने बताया कि शाहपुर हॉस्पिटल के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत डॉक्टरों की तीन टीमों द्वारा 236 स्कूलों के 11688 बच्चों तथा विभिन्न आंगनबाड़ियों के 6548 बच्चों की जन्मजात या बच्चों से संबंधित अन्य बीमारियों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित सलाह-मशवरा प्रदान किया गया। गौरतलब है कि स्कूली बच्चों का वर्ष में एक बार जबकि आंगनबाड़ी के नौनिहालों का दो बार निःशुल्क चेकअप किया जाता है।

उपमुख्य सचेतक केवल पठानिया ने बीएमओ डॉ. कविता ठाकुर, एसएमओ डॉ. अजय वर्मा, सर्जन डॉ. शलभ, मेडिसन के डॉ. राहुल, आंखों के विशेषज्ञ डॉ. सुनील, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिका, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा, दंत चिकित्सक डॉ. नरेनदीप, डॉ. निखिल जम्वाल के अतिरिक्त अन्य डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ तथा आशा वर्कर्स के काम की सराहना की।

बारिश का पानी जमा होने से सड़क बन गई तालाब

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। कहते हैं कि बेहतर सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास का पैमाना व भाग्यरेखाएं होती हैं। सरकारों द्वारा भी सड़क निर्माण, अपग्रेडेशन व रिपेयर के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपए व्यय किए जाते हैं, लेकिन अगर भारी भरकम बजट खर्च करने के बाद भी सड़कों पर तालाब जैसा नजारा दिखे तो क्या कहा जाएगा। मामला दयाल नैहरनपुखर पंचायत कार्यालय के सामने मुख्य सड़क का है, जहां विभाग ने बारिश के पानी के निकासी हेतु सड़क के बीचोंबीच पुली तो बना रखी है, लेकिन हल्की सी बारिश होती है तो यह सड़क तालाब का रूप धारण कर लेती है। इससे न केवल इस रोड से गुजरना राहगीर के लिए जान जोखिम भरा हो जाता है, बल्कि सड़क के साथ बनी दुकानों के भीतर यह सारा गंदा पानी भर जाता है, जिससे हर कोई विभाग की कार्यप्रणाली पर कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। परेशान दुकानदारों ने इस बारे 1100 पर भी शिकायत की, लेकिन आज तक कोई हल नहीं हुआ है।

सड़क किनारे मेडिकल दुकान चला रहे दीपक का आरोप है कि एक तो यहां बारिश के पानी की उचित निकासी नहीं है। जब भी यहां हल्की सी बारिश होती है तो सड़क तालाब की तरह भर जाती है। उधर, इस संबंध में लोक निर्माण विभाग देहरा के अधिशाषी अभियंता सुरेश वालिया ने बताया कि इस बारे में उन्हें जानकारी है जहां वर्षा का पानी खड़ा होता है, उस स्थान पर आज लेबर भेजी थी। उन्होंने बताया कि उस जगह पर जो पाइप डाला है, वह छोटा है। शीघ्र ही वहां बड़ा पाइप डलवाया जाएगा।

वैज्ञानिक सोच और तकनीकी प्रगति से ही विकसित राष्ट्र बनेगा भारत : डॉ. जरियाल

जीजीडीएसडी कॉलेज राजपुर में धूमधाम से मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अनंत ज्ञान, पालमपुर

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म (जीजीडीएसडी) कॉलेज राजपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के जीव विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक व महाविद्यालय के एल्यूमनाई एसोसिएशन के प्रधान डॉ. राजेश जरियाल मुख्य वक्ता रहे और महाविद्यालय के निदेशक और प्रधानाचार्य ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

डॉ. जरियाल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व, नई संभावनाओं तथा युवा पीढ़ी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच और तकनीकी प्रगति कैसे भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है, इस पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

उन्होंने उदाहरणों द्वारा, इंटरप्रेन्योरशिप के लिए नए और इनोवेटिव सुझाव, स्लाइड प्रेजेंटेशन, विद्यार्थियों से प्रश्न उत्तर पूछते हुए बहुत ही रोचतकता से प्रस्तुत किए और सभी विद्यार्थियों और अन्य श्रोताओं को अपने व्याख्यान से बांधे रखा। महाविद्यालय के निदेशक व प्रधानाचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने विज्ञान दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को विज्ञान और नवाचार के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता के साथ ही ये भी जरूरी है कि समस्याओं के समाधान की तलाश के लिए स्वयं आगे आकर इनोवेटिव आडिया दिए जाएं।

उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों, प्रतिभागियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के वैज्ञानिक एवं बौद्धिक आयोजनों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई।

7 दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा संपन्न

अनंत ज्ञान, डरोह। उपमंडल धीरा के बंधगल में हर साल की भांति इस बार भी साप्ताहिक संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा का आयोजन 22 से 28 फरवरी तक किया गया। जिसमें सायं 2 से लेकर 5 बजे तक कथावाचक संदीप शर्मा द्वारा श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करवाया गया। इसमें कथावाचक संदीप शर्मा ने सात दिन तक भगवान के सभी अवतार और उनकी लीलाओं की कथा का वर्णन किया। इस दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव तथा श्रीकृष्ण विवाहोत्सव में गाजे बाजे के साथ मनोहर झांकी का दर्शन किया गया। इस बीच अंतिम दिन हवन-यज्ञ के उपरांत पूर्णाहुति दी गई। कथा के आयोजक विनोद राणा व नीलम राणा थे। महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन भी किया गया।

डीएवी नगरोटा सूरियां के 3 बच्चों ने हासिल की काठगढ़ छात्रवृत्ति

शिव गुलेरिया, नगरोटा सूरियां

डीएवी नगरोटा सूरियां के तीन विद्यार्थियों ने प्राचीन काठगढ़ छात्रवृत्ति प्रतियोगिता जीत कर स्कूल का नाम रोशन किया। 12वीं कक्षा के आदित्य धीमान, कक्षा पांचवीं की भविका एवं अर्पिता ने छात्रवृत्ति हासिल की है। इस परीक्षा में लगभग 2180 बच्चों ने भाग लिया था, जिसका आयोजन 5 जनवरी को हुआ था। विजेता बच्चों को पुरस्कार मेडल, मोमेंटो, सर्टिफिकेट व नकद राशि दी गई। यह सम्मान बच्चों ने स्थानीय विधायक मलेंद्र राजन व विधायक केवल सिंह पठानिया व काठगढ़ कमेटी के अन्य गणमान्य सदस्यों की ओर से प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शेखर मोदगिल ने सभी शिक्षकों, अभिभावकों व विजेता बच्चों को शुभकामनाएं दीं। (अनंत ज्ञान)

अनंत कृषि

सिरमौर जिला के तहत कृषि विज्ञान केंद्र धौलाकुआं ने विभिन्न किस्मों की कलरफुल गोभी का सफल उत्पादन करने में सफलता हासिल की है। खास बात है कि कृषि विज्ञान केंद्र ने प्राकृतिक तौर पर उत्पादन किया है। इसके चलते इसमें रोग प्रतिरोधकता अधिक है। ऐसे में इसकी मांग देश के बड़े शहरों के होटलों और अमीर घरानों में की जा रही है। केवीके में लाल पत्तागोभी के अलावा पीले और बैंगनी रंग की फूलगोभी उगाई गई है।कलरफुल गोभी की कीमत सामान्य गोभी से अधिक है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पंकज मित्तल ने बताया कि गोभी की रंगीन किस्मों के सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार होता है। देश की मेट्रो सिटीज में इनकी डिमांड अधिक है। आमतौर पर सफेद गोभी के मुकाबले इनके दाम भी 3 से 4 गुणा अधिक है। ऐसे में कलरफुल गोभी की किस्मों का उत्पादन कर ना केवल सिरमौर जिला, बल्कि प्रदेश के किसान भी अपनी आर्थिकी को मजबूत कर सकते हैं।

केवीके धौलाकुआं ने उगाई लाल-पीले, बैंगनी रंग की गोभी

किसानों को किया जाएगा प्रेरित

किसानों को जागरूक करने और उन्हें नई-नई खेती की किस्मों के प्रति जागरूक करने की अवधारणा से कृषि विज्ञान केंद्र में फसल प्रदर्शन इकाई स्थापित की गई है। यहां कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इन्हीं में से एक यह कलरफुल गोभी का उत्पादन भी शामिल है। हालांकि सफेद फूलगोभी में भी कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन कलरफुल गोभी की किस्में सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जिनमें विटामिन सी, आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर मुख्य हैं।

बैंगनी फूलगोभी में कई पोषक तत्व

कृषि विज्ञान केंद्र में वेलेटीना किस्म की बैंगनी कलर की फूलगोभी का उत्पादन किया गया है। कृषि विशेषज्ञ के मुताबिक इस फूल गोभी में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद साबित होते हैं। इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट और फाइबर की वजह से

रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक देश के बड़े शहरों में अधिक डिमांड

यह कई तरह की बीमारियों से बचाव करती है. विशेषज्ञों के मुताबिक फूलगोभी में मौजूद एंथोसायनिन नामक तत्व हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। साथ ही ये ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करने में मदद करता है। विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के कारण ये इम्युनिटी बढ़ाने में भी सक्षम है। डॉ. पंकज मित्तल ने बताया कि पीली फूलगोभी सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत के लिहाज से भी बेहतरीन होती है। इसमें विटामिन ए, सी और के भरपूर मात्रा में होती है। इसके अलावा ये फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होती है, जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और इम्यूनिटी को भी मजबूत करते हैं। लिहाजा इस गोभी का उत्पादन भी किसानों की तकदीर चमका सकता है। इसी तरह लाल गोभी भी सेहत की दृष्टि से लाभकारी बताई गई है।

प्रस्तुति : आर मोहन चौहान, सोलन

हिमाचल का आलू कई रोगों पर भारी

देशभर में है डिमांड, कांगड़ा सहित पांच जिलों में 970 हेक्टेयर क्षेत्र में होती है खेती

हिमाचल में पिछले तीन दिन से लगातार हो रही वर्षा आलू की फसल के लिए काफी उत्तम बताई जा रही है। हिमाचल का आलू बीमारी रहित गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है। यहां बीज मुख्यता महाराष्ट्र, गुजरात, मैसूर, मध्य प्रदेश और ओडिशा आदि राज्यों को निर्यात किया जाता है। आलू प्रदेश की अति महत्वपूर्ण नकदी फसलों में से एक है। प्रदेश का बीज आलू विभिन्न रोगों से मुक्त होने तथा अधिक पैदावार की क्षमता रखने के परिणाम स्वरूप इसकी मांग देश के विभिन्न राज्यों में काफी अधिक है। जिला कांगड़ा के पठियार सहित करीब पूरे हिस्से में मुख्य रूप से बीजा जाता है। रबी की फसल के दौरान आलू को यहां के किसान मुख्य रूप से बीजते हैं। कांगड़ा जिला सहित चंबा, ऊना, हमीरपुर व मंडी में भी आलू की बिजाई की जाती है। इन जिलों में 970 हेक्टेयर क्षेत्र में आलू की खेती की जाती है। आलू का बीज लाहौल से आता है। किसान आजकल गृह कार्य को निपटाने के साथ-साथ ज्यादातर समय अब खेतों में अपनी आलू की नकदी फसल में बिता रहे हैं। बरोट के आलू देश में काफी प्रसिद्ध है। गत वर्ष पहले सीजन में आलू की नकदी फसल 15 से 20 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिकी तथा उसके बाद बेशक 30 से 35 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से भी खूब बिका। मुल्थान तथा बरोट बाजार के व्यापारियों द्वारा किसानों की नकदी फसल आलू को अच्छे दाम पर खरीदने के चलते व आगे भी अच्छा दाम ही मिलने की पूरी उम्मीद है।

प्रति हेक्टेयर लागत 3,08,051 रुपए आय 4,67,705 रुपए

कांगड़ा जिला अपने रोग-मुक्त गुणवत्ता वाले आलू के बीज के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, छोटे (105) और बड़े (95) खेतों में समूहीकृत उत्पादकों के एक आर्थिक अध्ययन से पता चला है कि प्रति हेक्टेयर 3,08,051 रुपए है। सभी इनपुट में आलू के बीज का योगदान प्रति हेक्टेयर 29 प्रतिशत है, जबकि मानव श्रम लागत का 27 प्रतिशत है। कुल परिवर्तनीय लागत 89 प्रतिशत थी, जिसमें निश्चित लागत 11 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर थी। सकल आय औसतन 4,67,705 रुपए प्रति हेक्टेयर थी। खेत श्रेणियों में दक्षता विश्लेषण से पता चला कि आलू उत्पादन की लागत 250 रुपए प्रति क्विंटल है। बड़े और छोटे खेतों के लिए क्रमशः 1,270 प्रति क्विं टल, छोटे खेतों (1,117 रुपए) पर परिवर्तनीय लागत बड़े खेतों (1,074 रुपए) की तुलना में अधिक रही है। गत वर्ष रिपोर्ट किए गए लाभ-लागत अनुपात 188 रहा, जो अनुकूल रिटर्न दर्शाता है। आलू की कीमतें 1,860 रुपए से लेकर 1,880 रुपए प्रति क्विंटल तक थीं, जिसमें बड़े खेतों को अधिक कीमत मिली। ब्रेक-ईवन विश्लेषण ने सुझाव दिया कि छोटे, बड़े और समग्र खेत श्रेणियों के लिए मशः कम से कम 50.72, 38.02 और 44.14 क्विंटल आलू प्राप्त करने की आवश्यकता है, ताकि नो-प्रॉफिट, नो-लॉस की स्थिति बनाए रखी जा सके। विश्लेषण मानव श्रम, खाद और उर्वरक उपयोग को अनुकूलित करके संभावित लाभ वृद्धि को रेखांकित करता है। हिमाचल आलू का बीज आलू पूरे देश की 20 प्रतिशत से अधिक जरूरत को पूरा करता है।

किसान आलू की उन्नत किस्मों का ही चयन करें : डॉ. पंकज

कृषि वैज्ञानिक डॉ. पंकज मित्तल के अनुसार किसान आलू की बिजाई के लिए उन्नत किस्मों जैसे कुफरी ज्योति, कुफरी हिमालिनी, कुफरी

गिरीराज व कुफरी चंद्रमुखी इत्यादि का चयन करें। बिजाई के लिए स्वस्थ, रोग रहित साबुत या कटे हुए कंद वजन लगभग 30 ग्राम और 2-3 आखें प्रति आलू के टुकड़ों में हो, का प्रयोग करें। आलू के लिए बीज की मात्रा 2 क्विंटल प्रति बीघा रखें। बिजाई के समय 8-10 क्विंटल गोबर की गली सड़ी खाद के अतिरिक्त 20 किलोग्राम इफको मिश्रण खाद और 5 किलोग्राम यूरिया खाद प्रति बीघा खेत में डालें।

प्रस्तुति : संजय अग्रवाल, धर्मशाला

ग्लोबल वार्मिंग से प्रभावित हो रही कृषि

ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में आने से कृषि क्षेत्र का ताना-बाना बिखरने लगा है। ऋतु परिवर्तन होने से मौसम के चक्र में बड़ा बदलाव आया है। सर्दी से लेकर ग्रीष्म ऋतु के बीच मौसम कई रंग दिखा रहा है, जो आने वाले समय के लिए खतरे की घंटी बजा रहा है और किसी बड़ी भू-गरभीय गड़बड़ी की तरफ तरफ सीधा इशारा कर रहा है, जिसका समय रहते निदान आवश्यक है।

अगर हिमाचल प्रदेश की कृषि व्यवस्था पर नजर दौड़ाएं, तो यहां पर 90 प्रतिशत लोग सीधे तौर पर ग्रामीण पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं व लगभग 70 फीसदी से ज्यादा लोग सीधे किसानी से जुड़े हैं। सकल घरेलू उत्पाद में कृषि व इससे जुड़े क्षेत्रों का लगभग 13.62 फिसदी योगदान है और यहां पर 97 लाख किसान परिवार है। करीब 9.44 लाख हेक्टेयर भूमि पर कास्ट की जाती है। कृषि जोत का आकार लगभग 0.95 हेक्टर है। 88.86 किसान सीमांत व लघु है। केवल 0.30 प्रतिशत किसान ही बड़ी श्रेणी में आते हैं। आंकड़ों के मुताबिक यहां पर कृषि सीमित है। राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 10.4 फीसदी भू-भाग ही कृषि के लिए उपयोगी है बाकी का क्षेत्र सिंचाई द्वारा ही उपयोग में लाया जा सकता है।

राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 10.4 फीसदी भू भाग ही कृषि के लिए उपयुक्त

हैरानी भरा पहलू यह है कि राज्य की ज्यादातर कृषि भूमि मानसून पर ही निर्भर है, तकरीबन 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्र वर्षा सिंचित है, जो कृषि क्षेत्र को अस्थिर करता है। अब ऐसी विपरीत परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र व राज्य सरकार ने अपने संयुक्त प्रयास में कृषि उत्पादन और मृदा जल संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है, इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

प्रस्तुति : सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि का 13.70 फीसदी योगदान

कृषि का राज्य की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान है, जिसके तहत लगभग 50 फीसदी आबादी को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है, जो कुल घरेलू उत्पाद का कृषि क्षेत्र के तौर पर 13. 70 प्रतिशत का योगदान है। फिर भी सरकारी योजनाओं की फीस लंबी चौड़ी है जिस पर सरकार अपना ध्यान केंद्र कर रही है, ताकि इन योजनाओं का सीधा फायदा सीमांत लघु किसानों तक आसानी से पहुंच पाए।

किसानों को मशोबरा और सुंदरनगर में दिया जा रहा कृषि का प्रशिक्षण

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में मशोबरा व मंडी जिला में सुंदरनगर सहित दो प्रशिक्षण केंद्र किसानों को प्रशिक्षित करने का काम कर रहे हैं और इन दो प्रशिक्षण स्थलों में किसानों को कृषि की नई तकनीक से अवगत कराया जा रहा है, जिससे कृषि क्षेत्र में पैदावार को बढ़ाने में सहायता मिले और कम खर्चे से ज्यादा फायदा नसीब हो।

गांव, खंड और जिला स्तर में अलग से दिया जा रहा प्रशिक्षण

गांव, खंड व जिला स्तर पर भी अलग से प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहे हैं। किसानों को विभिन्न माध्यम से दर्जनों योजनाओं की सब्सिडी की जानकारी और सहायता के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं, जिससे किसानों को कृषि विभाग द्वारा चलाई जारी योजनाओं की समय रहते जानकारी मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

मौसम खराबः कांगड़ा नहीं पहुंचा कोई विमान

अनंत ज्ञान, गगल। खराब मौसम के चलते शुक्रवार को एक भी विमान दिल्ली से कांगड़ा एयरपोर्ट पर नहीं लैंड हुआ। जानकारी देते हुए गगल एयरपोर्ट के निदेशक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि आज कांगड़ा एयरपोर्ट पर एक भी विमान लैंड नहीं हुआ उन्होंने कहा कि इस वक्त एयरपोर्ट पर पांच विमान सेवाएं देते हैं, जिनमें से इंडिगो, स्पाइस जेट और एलाइंस एयर का विमान अपनी सेवाएं देते हैं, जो दिल्ली से गगल एयरपोर्ट पर और चंडीगढ़ और शिमला से भी विमान कांगड़ा एयरपोर्ट पर अपनी सेवाएं देते हैं, लेकिन आज भारी बारिश और खराब मौसम के कारण एक भी विमान लैंड नहीं हुआ। मौसम विभाग के प्रभारी विपिन शर्मा ने बताया कि सुबह तक कांगड़ा एयरपोर्ट पर वर्षा का संयंत्र के अनुसार सुबह 8 बजे तक 74 सेमी तथा शाम 5 बजे तक 59.4 सेमी बारिश रिकॉर्ड हुई है।

परौर स्कूल में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अनंत ज्ञान, डरोह। शहीद सुरेंद्र सिंह राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला परौर में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर विज्ञान मॉडल की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 37 मॉडल प्रदर्शित किए गए। कनिष्ठ वर्ग में आठवीं कक्षा की कामाक्षी ने पहला जबकि सातवीं कक्षा के आफिक ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सीनियर वर्ग में नवमीं कक्षा के शुभम ने पहला व नवमीं कक्षा के ही रीहान ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सीनियर सेकेंडरी वर्ग में ग्यारवीं कक्षा की साक्षी ने पहला स्थान हासिल किया तथा सिमरन जसवाल, गर्व चौधरी, नंदिता और राशिका ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया। ओवरआल बेस्ट मॉडल खिताब सिमरन और गर्व द्वारा निर्मित मॉडल को दिया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या संगीता चौधरी ने विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए और परीक्षा के लिए बच्चों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

गुजरेहड़ा गोपालपुर में मनाई महाशिवरात्रि

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के कैलाश आश्रम गुजरेहड़ा गोपालपुर में महाशिवरात्रि पर्व का भव्य आयोजन किया गया। इसमें कांगड़ा, धर्मशाला, पालमपुर व जिला कांगड़ा के दूर-दराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालु एकत्रित हुए। शिवरात्रि महोत्सव का आरंभ ओम् नमः शिवाय चैंटिंग तथा गुरु पूजा से किया गया। महाशिवरात्रि पर्व के इस शुभ अवसर पर रुद्र पूजा का आयोजन भी किया गया, जिसमें विशेष रूप से आमंत्रित ब्रह्मचारी निरंजन जी तथा वेद पंडितों ने वैदिक विधि-विधान से मंत्रोच्चारण द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। शिवरात्रि महोत्सव का समापन भव्य सत्संग से किया गया, जिसमें सारा पंडाल शिव भजनों की गूंज से गुंजायमान हो उठा।

स्टोन पेंटिंग प्रतियोगिता में तमन्ना प्रथम

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। पंडित संत राम राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ के रेड रिबन क्लब द्वारा शुक्रवार को टीबी (क्षय रोग) जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें स्टोन पेंटिंग प्रतियोगिता में तमन्ना ने प्रथम, पूर्णिमा ने द्वितीय, तथा शालिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हैंड पेंटिंग प्रतियोगिता में वनिता और पायल ने प्रथम, पूर्णिमा और तमन्ना ने द्वितीय, तथा शिखा और शालिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में मनन ने प्रथम, रितिका ने द्वितीय, तथा साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रदीप कुमार रहे। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक होने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। तत्पश्चात रेड रिबन क्लब के द्वारा टीबी पर डॉक्यूमेंट्री (वृत्तचित्र) भी दिखाई गई। इस अवसर पर रेड रिबन क्लब से डॉ चेतना शर्मा, प्रो अंजलि सैनी, डॉक्टर सुशील कुमार, डॉक्टर विशाल चौधरी, डॉक्टर अंजलि भारद्वाज, प्रो. शबनम ठाकुर तथा इसके अतिरिक्त डॉक्टर राजेश चौधरी, प्रो वीरेंद्र कुमार, डॉक्टर रुचि चौहान, तथा डॉक्टर रूही पठानिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कनिष्ठ ड्राफ्ट्समैन अश्वनी कुमार सेवानिवृत्त

अनंत ज्ञान, पंचरुखी। लोक निर्माण विभाग उपमंडल जयसिंहपुर से कनिष्ठ ड्राफ्ट्समैन अश्वनी कुमार शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। एक्सईएन विजय कुमार वर्मा ने उन्हें स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया। इस विदाई पार्टी में लोक निर्माण विभाग का समस्त स्टाफ शामिल रहा।

मुल्थान में फटा बादल, लोगों के घरों में घुसा मलबा

भू-स्खलन के चलते पोलिंग और चेरन में 12 परिवार सुरक्षित जगह किए शिफ्ट

संजय अग्रवाल, धर्मशाला

पिछले तीन दिन से हो रही वर्षा ने तांडव का रूप धारण कर लिया है। कांगड़ा जिले के मुल्थान में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। बादल फटने के बाद अचानक पहाड़ी से बड़ी मात्रा में मलबा व पानी आने से नाले का जलस्तर बढ़ गया। इससे मलबा रिहायशी क्षेत्र में पहुंच गया। इससे करीब 9 वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। घरों व अस्पताल परिसर में भी मलबा घुस गया। मुल्थान बाजार में दुकानों में पानी घुस गया है। वहीं, धर्मशाला में भारी बारिश के कारण मनूणी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से खनियारा में तीन टिप्पर और एक जेसीबी फंस गई है। हालांकि यहां अप्रिय घटना का समाचार नहीं है, लेकिन बादल फटने की घटना से लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। भारी बारिश से पालमपुर उपमंडल के शिवा जलविद्युत प्रोजेक्ट के नजदीक एक व्यक्ति के लापता होने तथा एक के घायल होने की सूचना है। लापता व्यक्ति की तलाश के लिए अभियान चलाया गया है। मुल्थान के पोलिंग तथा चेरन में भू-स्खलन के चलते कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 12 के करीब मकानों के गिरने का खतरा बना हुआ है। यहां से 12 परिवारों को अन्य जगहों पर शिफ्ट कर दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

खनियारा में मनूणी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से 3 टिप्पर, 1 जेसीबी फंसी

[redacted]

डीसी ने अधिकारियों को दिए फील्ड में डटे रहने के निर्देश

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने उपमंडलाधिकारियों, तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारों को फील्ड में डटे रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर राहत तथा पुनर्वास के कार्यों में किसी भी तरह की कमी नहीं रहे। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय में आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम में बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा की तथा राहत पुनर्वास के कार्यों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर आपदा प्रबंधन के कार्यों को लेकर कोताही नहीं बरती जाए तथा सभी विभागों के अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों से संबंधित कार्यों के लिए मुस्तैद रहें। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि जिला प्रशासन राहत तथा पुनर्वास कार्य के लिए पूरी तरह से मुस्तैद है तथा तमाम अधिकारी मशीनरी के साथ फील्ड में डटे हैं। जिले में जहां मार्गों पर भूस्खलन इत्यादि हो रहा है वहां पर जेसीबी जैसी मशीनरी भी तैनात की गई है। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि ब्यास नदी में जल स्तर स्थिति को लेकर जिला प्रशासन ने पौंग डैम प्रबंधन के साथ भी संपर्क साधा है ताकि जरूरत महसूस होने पर पौंग डैम के गेट जल निकासी के लिए खुलवाए जा सकें। उन्होंने सभी नागरिकों व पर्यटकों से नदी-नालों के किनारे न जाने की अपील की है। उन्होंने आग्रह किया कि भारी बारिश को देखते हुए अनावश्यक यात्रा न करें, सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी प्रकार का जोखिम न उठाएं। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने जिलावासियों से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल जिला आपदा प्रबंधन केंद्र के टोल फ्री 1077 नंबर पर संपर्क करें। जिला मुख्यालय समेत सभी उपमंडलों में आपदा प्रबंधन केंद्र चौबीस घंटे खुले हैं।

परीक्षा के समय बच्चों पर दबाव न डालें, उनका हौसला बढ़ाएं : राधिका

भूषण शर्मा, नूरपुर

तहसीलदार नूरपुर राधिका सैनी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं एक तहसीलदार होने के साथ-साथ एक मां भी हूं और मैंने अपने बच्चे के लिए इन सभी बातों का ध्यान रखा है। मैं जानती हूं कि परीक्षा का दबाव बच्चों पर कैसा असर डाल सकता है, इसलिए मैं अपने बेटे को हमेशा आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच सिखाने की कोशिश करती हूं। मैं चाहती हूं कि सभी माता-पिता अपने बच्चों को समझें, उन पर अनावश्यक दबाव डालने की बजाय उनका हौसला बढ़ाएं।' बच्चों के मन में यह विश्वास भरना बेहद जरूरी है कि परीक्षा उनकी जिंदगी की दिशा तय नहीं करती, बल्कि यह तो बस एक चरण है, जिसे आत्मविश्वास और मेहनत के साथ पार किया जा सकता है। जब हम बच्चों को परीक्षा के डर से मुक्त करेंगे, तभी वे अपनी वास्तविक प्रतिभा को निखार सकेंगे। परीक्षाओं का मौसम आते ही छात्रों के मन में तनाव की लहर दौड़ने लगती है। किताबों के ढेर, समय की कमी, अच्छे अंक लाने का दबाव और माता-पिता की उम्मीदें, सब मिलकर परीक्षा को एक मानसिक युद्ध जैसा बना देते हैं। लेकिन क्या वास्तव में परीक्षा इतनी भयावह होनी चाहिए? क्या हम इसे एक सहज प्रक्रिया नहीं बना सकते? बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने की बजाय हमें उन्हें यह समझाने की जरूरत है कि परीक्षा सिर्फ उनके सीखने की एक प्रक्रिया का हिस्सा है, न कि उनकी क्षमता का अंतिम निर्णय। (अनंत ज्ञान)

राधिका सैनी
तहसीलदार, नूरपुर

कुत्ते के बच्चों को जान से मारने पर भवारना थाने में मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, डरोह। वीरवार रात को एक नेपाली व्यक्ति अमन कुमार डरोह बाजार में अपने माता-पिता के पास आया था और शुक्रवार को प्रातः उसने अपने कमरे के बाहर कुत्तों के तीन बच्चों को बेरहमी से जान से मार दिया। इस घटना को देखकर आसपास के दुकानदारों ने इकट्ठे होकर नेपाली को पकड़ लिया। व्यापार मंडल के प्रधान संदीप ठाकुर ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस स्टेशन भवारना को दी। पुलिस थाना भवारना से पुलिस की टीम तुरंत डरोह मौके पर पहुंची और इस घटना के बयान लिए और नेपाली युवक को अपने साथ पुलिस थाना भवारना में ले गई। इस बारे पुलिस थाना भवारना गोपाल ठाकुर से बात की तो उन्होंने बताया कि इस नेपाली युवक अमन कुमार को कुत्ते के बच्चों को जान से मारने पर धारा 126 / 170 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना को देखकर व्यापार मंडल के प्रधान संदीप ठाकुर ने ग्राम पंचायत डरोह व पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इन इलाकों में जितने नेपाली, बिहारी और दूसरे लोग बिना पंजीकरण के रह रहे हैं, उन सब पर प्रशासन कड़ी से कड़ी कर्रवाई करे।

मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने दिया घटिया मानसिकता का परिचय : विपिन परमार

पीएम मोदी के खिलाफ दिए बयान पर जनता से मांगें माफी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह द्वारा दिए गए बयान 'पता नहीं पीएम कहां पैदा हुए' को लेकर भाजपा ने उन्हें फटकार लगाई है। भाजपा विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने कहा है कि जिन लोगों को यह पता नहीं वे कहां पैदा हुए है, वहीं दूसरों के प्रति इस प्रकार की घटिया बयानबाजी करते हैं। प्रधानमंत्री के प्रति इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करके अनिरुद्ध सिंह ने अपनी घटिया मानसिकता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि जो इंसान लोकप्रिय प्रधान के प्रति ऐसी सोच रखता हो वे प्रदेश की जात के बारे में क्या सोच रखता होगा। विपिन सिंह परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आर्थिक रुप से मजबमत ही नहीं किया, बल्कि विश्व में तीसरा शक्तिशाली देश उभर कर सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पूरा भारत एक परिवार है, चाहे वह कश्मीर हो या कन्याकुमारी, गुजरात हो या हिमाचल। वह कांग्रेस की तरह क्षेत्रवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति नहीं करते। यही कारण है कि आज भारत के नक्शे से कांग्रेस गायब हो रही है और प्रधानमंत्री मोदी अपनी नीतियों और विकास कार्यों की बदौलत देशभर में जीत का परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खविंद्र सिंह सुक्खू को अपने ऐसी मंत्रियों पर लगाम डालनी चाहिए जो देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ इस प्रकार की घटिया मानसिकता भरी सोच रखते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने अनिरुद्ध सिहं द्वारा दिए गए बयान पर स्पष्टिकरण देना होगा तथा अनिरुद्ध सिहं को देश की जनता से माफी मांगनी होगी।

टांडा अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाई अलग लाइनें बनीं परेशानी का सबब

आशीष दमीर, कांगड़ा

प्रदेश के सबसे बड़े दूसरे अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्थाओं की खबरें हर दिन छपती रहती हैं। अस्पताल में मरीज सुबह 7 बजे से ही पर्ची बनवाने के लिए पहुंच जाते हैं, जबकि पर्ची काउंटर सुबह 8 बजे खुलता है। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने अस्पताल में आने वाले वरिष्ठ नागरिकों के पर्ची काउंटर व डिस्पेंसरी में व्यवस्था अलग से कर रखी है, परंतु कहीं न कहीं अस्पताल प्रशासन का यही निर्णय मरीजों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बना हुआ है।

टांडा अस्पताल के सुपरस्पेशलिटी ब्लॉक में जहां न्यूरो, न्यूरोसर्जरी, ऑनकोलजी, नेफ्रिलॉजी, कार्डिलॉजी और गेस्ट्रोलजी जैसे अहम विभागों के डॉक्टर बैठते हैं, परंतु जब घंटों बाद मरीज अपनी पर्ची बनवाकर डॉक्टर के पास पहुंचते हैं तो उस समय उनका लंच टाइम हो गया होता है। लंच टाइम के बाद जब अधिक भीड़ होने के कारण जब उनकी बारी आती हैं तो डॉक्टर को दिखाने के बाद जब मरीज दवाइयां लेने के लिए सरकारी दवाइओं की लाइनों में लगते हैं। वहां बारी आते-आते डिस्पेंसरी बंद हो जाती है। मरीजों को निराश व मायूस होकर वापस लौटने को मजबूर होना पड़ता है। यही हाल हर विभाग का है। अस्पताल के दोनों भागों में स्थित डिस्पेंसरी में तैनात कर्मचारियों का कहना है कि अस्पताल में सीनियर सिटीजन की अलग से लाइनें बनाने की व्यवस्था से परेशानी अधिक हो गई है।

इस संदर्भ में टांडा के कार्यवाहक एमएस डॉक्टर अमर वर्मा का कहना है कि अस्पताल में सिनीयर सिटीजन को प्राथमिकता दी जाती है। मीडिया के माध्यम से जो समस्याएं सामने आई हैं, उन्हें तुरंत प्रभाव से हल करने के के लिए संबंधित विभाग के कर्मचारियों से वार्ता की जाएगी। (अनंत ज्ञान)

लोगों को बताईं बैंक की योजनाएं

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत क्योरी में वीरवार को केसीसी बैंक की तिब्बतियन कॉलोनी चौगान (बीड़) शाखा ने नाबार्ड के सौजन्य से डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया। शाखा प्रबंधक वंदना ठाकुर व अन्य अधिकारियों ने पंचायत प्रधान शिव कुमार की उपस्थिति में लोगों को बैंकिंग योजनाओं के संदर्भ में जानकारी दी। उन्होंने बचत खाता ऑनलाइन ठगी से बचाव डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतने के तरीके बताएं प्रबंधक ने बताया कि लोगों को साइबर ठग अपना शिकार बना रहे हैं लोग इनके झांसे में आकर अपनी जीवन भर की जमा पूंजी गवा रहे हैं ऐसे में लोगों को खुद जागरूकता दिखानी होगी और साइबर ठगों के झांसे में आने से बचना होगा। उन्होंने बैंक से संबंधित की योजनाओं के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

धेनुम आश्रय सदनम ट्रस्ट आज लगाएगी 700वां लंगर

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

धेनुम आश्रय सदनम (दास) ट्रस्ट के तत्वावधान में मेडिकल कॉलेज व अस्पताल टांडा में सायंकालीन भोजन वितरण अभियान 1 मार्च को सायं 6 बजे 700वें दिन में प्रवेश कर जाएगा। ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक मंगलवार, वीरवार और शनिवार को लगाए जाने वाली इस लंगर सेवा में प्रतिदिन तकरीबन 500 लोगों को भोजन उपलब्ध होता है। जिसके लिए ट्रस्ट पिछले 6 वर्षों से कार्यरत है। ट्रस्ट द्वारा मेडिकल कॉलेज टांडा में वर्ष 2019 में मरीजों के तीमारदारों के लिए सांयकालीन लंगर सेवा शुरू की थी। धेनुम आश्रय सदनम ट्रस्ट कांगड़ा से पंजीकृत है, जोकि प्रत्येक मंगलवार, वीरवार और शनिवार को टांडा में मरीजों के तीमारदारों के लिए रात्री भोजन की व्यवस्था करता है। शुरुआती दौर में यह व्यवस्था केवल मंगलवार को प्रदान की जाती थी, लेकिन जैसे-जैसे कुनबा बढ़ता गया लंगर व्यवस्था एक दिन से बढ़कर तीन दिन हो गई, लक्ष्य मरीजों के तीमारदारों को प्रतिदिन रात्री भोजन उपलब्ध करवाना है। ट्रस्ट के अध्यक्ष बाल कृष्ण धीमान का कहना है कि जल्द ही सोमवार को भी सांयकालीन लंगर सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाता है। मेडिकल कॉलेज टांडा में दानी सज्जनों के सहयोग से स्ट्रेचर व वहीलचेयर उपलब्ध करवाई जाती है। बेसहारा गायों को रेडियम के पटे तो ट्रस्ट द्वारा पहनाए गए थे परंतु इन बेसहारा गायों के संरक्षण के लिए भी योजना बनाई जा रही है जिसे निकट भविष्य में अमलीजामा पहनाया जाएगा, जिसके लिए अतिशीघ्र ही ट्रस्ट की एक बैठक का आयोजन किया जाएगा।

अक्षेणा में 8250 मिलीलीटर शराब बरामद

अनंत ज्ञान, डरोह। पुलिस थाना भवारना के अंतर्गत 27 फरवरी को अक्षेणा में रमन कपूर निवासी गांव व डाकघर कुरल तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा से 8250 मिलीलीटर देसी शराब बरामद की गई। इस संदर्भ में आरोपी रमन कपूर के विरुद्ध अभियोग जेर धारा 39(1)ए हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम में पंजीकृत पुलिस थाना किया गया है।

स्नेहा मिस व अंशुमन बने मिस्टर फेयरवेल

अनंत ज्ञान, गगल। त्रिगर्त पब्लिक स्कूल इच्छी ने शुक्रवार को एक निजी पैलेस में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नवमी कक्षा के बच्चों ने दशमी के छात्र-छात्राओं को फेयरवेल पार्टी दी। बच्चों का पैलेस में पहुंचने पर तिलक लगाकर प्रधानाचार्य राजेंद्र मोहन और अन्य अध्यापकों ने स्वागत किया सभी बच्चों को इस दौरान विशेष अतिथि से अवगत कराया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग व संस्कृति कार्यक्रम दी पेश किए। कार्यक्रम में स्नेहा को मिस फेयरवेल तथा अंशुमन को मिस्टर फेयरवेल चुना गया, वहीं अनिका को मिस पर्सनैलिटी तथा शुभम को मिस्टर पर्सनैलिटी चुना गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेंद्र मोहन ने बच्चों को अच्छे नागरिक बनकर अपने लक्ष्य को पानी के लिए कड़ी मेहनत करके करने को कहा। उन्होंने कहा कि दसवीं के बाद यही मौका होता है जब भी स्कूल से निकलकर अन्य स्कूलों में अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाते हैं ऐसे में आगे के लिए इन चार से पांच वर्ष में खूब मेहनत करें ताकि जिंदगी अगले 40 साल आराम से निकले वहीं उन्होंने बच्चों से नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ही फोकस रखने को कहा इस दौरान जूनियर साथियों ने स्कूल से विदा हो रहे दसवीं के विभिन्न टाइटल देकर भी नवाजा बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई इस दौरान बच्चों ने डीजे की धुनों पर नाच मस्ती की।

पूर्व अर्द्धसैनिक बल कल्याण संगठन की बैठक 7 को

अनंत ज्ञान, शाहपुर। पूर्व अर्द्धसैनिक बल कल्याण संगठन जिला कांगड़ा की त्रैमासिक बैठक सात मार्च को सुबह 10:30 बजे सामुदायिक भवन 39 मील शाहपुर में कल्याण संगठन के जिला कांगड़ा अध्यक्ष एवं प्रदेश चीफ पैटर्न एमएल ठाकुर की अध्यक्षता में होगी। जानकारी देते हुए जिला उपाध्यक्ष बलदेव राणा ने बताया कि बैठक में विभिन्न मुद्दों सहित सरकार के पास लंबित मांगों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से बैठक में पहुंचने की अपील की है।

थुरल कॉलेज ने मनाया वार्षिक समारोह

अनंत ज्ञान, डरोह। महाराजा संसार चंद स्मारक राजकीय महाविद्यालय थुरल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित हुआ। जिसमें हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी एवं ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष संजय सिंह चौहान मुख्यातिथि रहे। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए कहा। तथा सिंथेटिक ट्रैक का कार्य धरातल पर है और जल्दी ही तैयार हो जाएगा, विद्यार्थी इसका लाभ उठा पाएंगे। विद्यार्थियों को अगले सत्र में कुश्ती के गद्दे भी उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसमें नाटी, झमाकड़ा के साथ देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। प्राचार्या राका शर्मा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्यातिथि ने वार्षिक परिणाम में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने सहित राष्ट्रीय सेवा योजना, रोड सेफ्टी क्लब, रोवर रेंजर, इको क्लब और रेड रिबन क्लब में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया।

विज्ञान दिवस पर बच्चों ने बनाए मॉडल

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शिक्षा खंड फतेहपुर के तहत पड़ते मोच स्थित शहीद बाबू राम मैमोरियल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने एक से बढ़कर एक मॉडल बनाते हुए अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रिंसिपल कमल सिंह ने बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल की खूब सराहना की। प्रिंसिपल ने बताया बच्चों ने जहां विज्ञान में मुख्य भूमिका निभाने वाले पेड़-पौधों के चित्र बनाए तो वहीं मानव अंगों का भी मॉडल के माध्यम से वर्णन किया। इस दौरान बेहतर मॉडल बनाने वाले बच्चों को स्कूल प्रशासन द्वारा सम्मानित भी किया गया।

उपमुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी नहीं चली कोटला-दिल्ली बस

शिवू ठाकुर, कोटला

कोटला से दिल्ली को चलने वाली ऊना डिपो की सरकारी बस सेवा कोरोनाकाल से बंद है। यह इस क्षेत्र की एकमात्र बस सेवा थी, जिसको चलवाने की जहमत प्रदेश सरकार व परिवहन विभाग नहीं उठा रहा है। क्षेत्र की परिवहन निगम की एकमात्र बस इस सीधी बस सेवा के बंद होने से अब लोगों को सीधी बस लेने लिए नूरपुर या देहरा में टैक्सियों के माध्यम से जाना पड़ रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

यह बस विधानसभा क्षेत्र जवाली की बेल्ट कोटला, विधानसभा शाहपुर, विधानसभा देहरा, विधानसभा कांगड़ा, विधानसभा ज्वालामुखी सहित कई अन्य साथ लगती विधानसभाओं को जोड़ती थी तथा जनता को इसका भरपूर लाभ होता था, लेकिन बस के बंद होने के कारण लोग काफी परेशान हो रहे हैं। इस बस सेवा का लाभ चंबा जिले के भटियात विधानसभा क्षेत्र की दो पंचायतों, जवाली की 16 पंचायतों, शाहपुर की पांच, कांगड़ा की छह पंचायतों को मिल रहा था। उक्त विस क्षेत्रों के अधिकतर युवा बद्दी, परमाणु, बरोटीबाला व चंडीगढ़ में कंपनियों में जॉब करते हैं तथा उनका अकसर ही घर आना व घर से कार्यस्थल पर जाना लगा रहता है। यह सरकारी बस सेवा आवागमन करने के लिए काफी फायदेमंद थी। इस बस के बंद होने से लोगों को आवागमन करने में कई बार बसें बदलनी पड़ रही हैं तथा ऐसे में बार-बार बसों से सामान उतारना व चढ़ाना पड़ता है। इस बस सेवा को कांग्रेस सरकार में केवल सिंह पठानिया जब हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष थे तो उस समय जनता की मांग पर शुरू करवाया था, लेकिन अब इस बस को अकारण बंद कर दिया गया है। कोटला व चंगर क्षेत्र की जनता ने कहा कि उपमुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बस सेवा को शुरू करवाने की पिछले साल मनेई में घोषणा भी की थी, लेकिन उसके बाद भी बस नहीं चली।

लोगों ने मुख्यमंत्री सुक्खू, उपमुख्यमंत्री परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री व कृषि एवं पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार, उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया से मांग की है कि ऊना डिपो की कोटला से दिल्ली को चलने वाली बस के रूट को चालू करवाया जाए, ताकि जनता को लाभ मिल सके। (अनंत ज्ञान)

विवेका फाउंडेशंज स्कूल मनसिंबल में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अनंत ज्ञान, डरोह। विवेका फाउंडेशंज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मनसिंबल में शुक्रवार को वैज्ञानिक सीवी रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज की स्मृति में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न आकर्षक गतिविधियों और प्रयोगों के माध्यम से छात्रों में जिज्ञासा और वैज्ञानिक पूछताछ को जागृत करना था। उत्सव में विभिन्न कक्षाओं में व्यावहारिक प्रयोग शामिल थे। कनिष्ठ विद्यार्थियों ने रॉकेट बैलून प्रयोग और वॉकिंग वाटर प्रयोग जैसी विज्ञान गतिविधियों में भाग लिया। वहीं, वरिष्ठ विद्यार्थियों ने न्यूटन के गति के नियमों और अपवर्तन के सिद्धांतों का प्रदर्शन किया।

पटवारी-कानूनगो संघ फतेहपुर ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर बताई हड़ताल की वजह

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। पटवारी एवं कानूनगो संघ फतेहपुर ने शुक्रवार को तहसीलदार फतेहपुर दीपक शर्मा को ज्ञापन सौंप कलम छोड़ो हड़ताल पर जाने की वजह बताई। ज्ञापन सौंपने के उपरांत संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पटवारी व कानूनगो को प्रदेश कैडर में लाया जा रहा है, जिसका हम सब विरोध करते है। बताया पटवारी एवं कानूनगो संघ की राज्य इकाई व जिला इकाई के 28 फ़रवरी से कलम छोड़ो हड़ताल पर जाने के फैसले का फतेहपुर इकाई भी समर्थन करती है। इसी कड़ी में आज तहसीलदार फतेहपुर को ज्ञापन सोंप हड़ताल पर जाने का कारण बताया गया है। बताया इस अनिश्चियतकालीन कलम छोड़ो हड़ताल दौरान आपदा से सबंधित कार्य ही किये जाएंगे।

जनकल्याण विधायक कमलेश ने 32 महिला लाभार्थियों को बांटे 8.70 लाख के चेक, कहा-

प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध

अनंत ज्ञान, देहरा

प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, उन्हें समान अवसर प्रदान करते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री शगुन योजना, महिला स्वरोजगार योजना, बेटी है अनमोल योजना, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और विधवा पुनर्विवाह योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। देहरा स्थित जलशक्ति विभाग के निरीक्षण कुटीर में शुक्रवार को 32 लाभार्थी महिलाओं को 8 लाख 69 हजार रुपए के चेक भेंट करने के उपरांत क्षेत्र की विधायक कमलेश ठाकुर ने यह उद्गार प्रकट किए। कमलेश ठाकुर ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए मुख्यमंत्री शगुन योजना के तहत 15 लाभार्थियों को 4 लाख 65 हजार रुपए, बेटी है अनमोल योजना के तहत 14 लाभार्थियों को 2 लाख 94 हजार रुपए और विधवा पुनर्विवाह योजना के तहत 3 लाभार्थियों को 1 लाख 10 हजार रुपए के चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षित कर आर्थिक तौर पर सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। महिला कल्याण और उत्थान के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है और इन योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने 272 ग्राम चरस की बरामद

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। पुलिस थाना चिड़गांव के अंतर्गत उपमंडल रोहड़ू की विशेष पुलिस टीम ने आंध्रा पावर हाउस चिड़गांव के पास राजकुमार (32) निवासी देनवाड़ी (खाबल) तहसील चिड़गांव के कब्जे से 272 ग्राम चरस बरामद की है। एसडीपीओ रोहड़ू प्रणव चौहान ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

सीटीओ चौक का बदला जाए नाम : भाटिया

अनंत ज्ञान, शिमला। संत श्री रविदास धर्म सभा के प्रदेशाध्यक्ष कर्म चंद भाटिया ने प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आग्रह किया है कि राजधानी शिमला के सीटीओ चौक का नाम बदल कर गुरु रविदास के नाम पर 'संत शिरोमणी गुरु रविदास चौक' नाम रखा जाए। भाटिया ने कहा कि इसको लेकर संत शिरोमणि गुरु रविदास समुदाय व सभा लंबे अर्से से सरकार प्रशासन से इसकी मांग कर ध्यान आकर्षित करवाती आ रही है। सीटीओ चौक का नाम अब तक गुरु रविदास के नाम पर नहीं रखे जाने के चलते समाज समुदाय में रोष बढ़ता जा रहा है। भाटिया ने उम्मींद जताई है कि मुख्यमंत्री इसको लेकर जल्द कार्रवाई अमल में लाएंगे और चौक का गुरु रविदास के नाम पर नामांकरण करेंगे।

युवाओं को नशे से रखना होगा दूर : पीयूष

अनंत ज्ञान, शिमला। शिमला में बढ़ते नशे के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए पीयूष नेगी ने कहा कि शहर में चिट्टा और अन्य नशे के पदार्थ युवाओं के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इन नशीले पदार्थों से दूर रहें और अपने भविष्य को संवारने की दिशा में काम करें। नेगी ने सरकार और समाज से भी इस मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता जताई, ताकि नशे के फैलाव को रोका जा सके और युवा पीढ़ी को इससे बचाया जा सके।

सरस्वतीनगर कॉलेज में मनाया नेशनल साइंस-डे

दशमी रावत, जुब्बल। सरस्वतीनगर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में नेशनल साइंस डे का विषय एंपावरिंग इंडियन यूथ फार ग्लोबल लीडरशिप इन साइंस एंड इनोवेशन फार विकसित भारत रहा। कालेज में नेशनल साइंस-डे के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गई। इस अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रेम प्रकाश चौहान रहे, इसमें विज्ञान संकाय के सभी अध्यापक डॉ. लोक राज शर्मा, डॉ. पूनम चौहान, डॉ. राधा रमन गौतम, डॉ. शालू डोगरा व प्रोफ़ेसर शेफाली थान्टा मौजूद रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के तौर पर डॉ. लोक राज शर्मा व डॉ. राधा रमन गौतम मौजूद रहे। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में विज्ञान संकाय से प्रथम रितु राजटा, द्वितीय मयंक व तृतीय अदिति रहे। नारा लेखन में प्रथम आरती बसनेट (बीएससी संकाय), विज्ञान संकाय से द्वितीय तृषा व तृतीय स्नेहा विजेता रहे! वहीं पोस्टर मेकिंग में प्रथम आरती बसनेट (बीएससी संकाय), विज्ञान संकाय से द्वितीय तनुजा व तृतीय तृषा विजेता रहे। विज्ञान संकाय के हर्ष बाल्टू और शौर्य रांटा को डेमोंस्ट्रेशन के लिए अवार्ड ऑफ एप्रिसिएशन से नवाजा गया।

नगर निगम ने कुछ नहीं दिया बजट में : संजीव

अनंत ज्ञान, शिमला। पूर्व पार्षद संजीव ठाकुर ने नगर निगम द्वारा प्रस्तुत बजट पर कहा कि इस बार के बजट में शहर के विकास के लिए कोई ठोस योजना नहीं दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम ने आम जनता की मूलभूत जरूरतों को नजरअंदाज कर दिया है। ठाकुर ने कहा कि बजट में केवल सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों के हितों को ध्यान में रखा गया है, जबकि नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया। जिसके चलते लोगों में भी रोष है।

बर्फबारी और बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर

रामपुर में 16 संपर्क मार्ग अवरुद्ध 19 पेयजल योजनाएं प्रभावित

रामपुर व आसपास बीते 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से आम जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर उपमंडल के तहत 16 संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं, इसके अलावा 19 पेय जल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। संपर्क मार्गों के अलावा राजकीय उच्च मार्ग 5 पर भू-स्खलन और पेड़ गिरने की खबरें हैं। सुबह करीब 9 बजे खनेरी में एन एच 5 पर एक पेड़ के गिरने से कई घंटे तक मार्ग बंद रहा। मार्ग खोलने में विभाग को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पेड़ काटकर मार्ग को बहाल किया। वजीर बावड़ी के पास एन एच 5 पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से मार्ग अवरुद्ध रहा। पहाड़ी से पत्थर गिरने के कारण नोगली से रामपुर के लिए आ रही पानी की मुख्य पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। रामपुर शहर की जलापूर्ति प्रभावित हुई है।(अनंत ज्ञान)

ढाक गांव में बर्फबारी के बाद का नजारा।

कहीं आफत तो कहीं राहत

ऊपरी शिमला में ताजा बारिश और बर्फबारी से हालांकि आम जीवन असव्यस्त हुआ है। लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन दूसरी ओर किसानों और बागवानों के चेहरों पर रौनक लौट आई है। लंबे समय से सूखे की मार झेल रहे से बगीचों में अब आगामी सीजन में सेब व अन्य फलों की सामान्य फसल होने की उम्मीद जगी है। अनुभवी बागवानों का कहना है कि सेब की अच्छी फसल होने के आसार लग रहे हैं।

रोहडू के ग्रामीण क्षेत्रों में दो से 6 इंच तक हुई बर्फबारी

रोहड़ू। प्रदेश में फरवरी माह के अंत तक लगातार हो रही बारिश व बर्फबारी के चलते ऊपरी शिमला के रोहड़ू उपमंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में फिर से दो से 6 इंच तक बर्फबारी दर्ज की गई है। इस बर्फबारी से जहां आंशिक रुप से जनजीवन प्रभावित हुआ है लेकिन कृषि एवं बागवानी के लिए यह बारिश एवं बर्फबारी संजीवनी साबित हुई है। इन दिनों रोहडू उपमंडल के विभिन्न क्षेत्रों के बागवानों ने जहां बागवानी गतिविधियों को शुरू कर दिया था वह अब रुक गया है, लेकिन इस बारिश व बर्फबारी से पर्याप्त नमी मिलने से जमीन के साथ-साथ सेब व अन्य गुठलीदार पौधों को संजीवनी मिल गई है। सेब सीजन में किसान व बागवानों को अच्छी फसल होने की उम्मीदें जग गई है। बागवानी विकास अधिकारी छौहारा कपिल देव बशलवान ने बताया कि अब पोटाश खाद डालने के लिए पर्याप्त नमी बन गई है, जो अति आवश्यक है। जिन बागवानों ने मिट्टी की जांच की है, यदि मिट्टी का पीएच मान 5.8 से कम है तो मिट्टी का संतुलन बनाने के लिए चुना डाल सकते है।

प्रतियोगी परीक्षा के लिए हिमाचल सरकार और क्रैक अकादमी की साझेदारी

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्यभर के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और करियर मार्गदर्शन देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। शिक्षा विभाग अप्रैल 2025 के मध्य में क्रैक एकेडमी के साथ मिलकर एक राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करेगा।

यह परीक्षा स्कूल और कॉलेज के छात्रों सहित उन युवाओं के लिए भी खुली होगी, जो अपने करियर को संवारना चाहते हैं। सरकार के अनुसार, यह परीक्षा छात्रों को अपनी क्षमताओं को परखने और सही करियर चुनने में मदद करेगी। परीक्षा में सफल छात्रों को क्रैक अकादमी के विशेष कोर्सों में प्रवेश का अवसर मिलेगा, जिससे वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कर सकेंगे।

बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि जब हिमाचल सरकार और क्रैक अकादमी ने मिलकर कोई शैक्षिक पहल की हो। नवंबर 2024 में 34 करोड़ की छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई थी, 6,800 छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग दी गई। (अनंत ज्ञान)

करियर में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेंगे

शिक्षा को सब तक पहुंचाने को लेकर क्रैक एकेडमी के सीईओ और संस्थापक नीरज कंसल ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा सभी छात्रों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराना रहा है। यह राज्य स्तरीय परीक्षा हिमाचल के युवाओं को सशक्त बनाने का एक बड़ा कदम है, जिससे उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए सही मार्गदर्शन और संसाधन मिलेंगे।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों का अवसर देंगे : रोहित

वहीं, हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि क्रैक अकादमी के साथ साझेदारी कर हम प्रदेश के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतरीन तैयारी का अवसर दे रहे हैं। यह पहल युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगी। अप्रैल में होगी परीक्षा, जल्द जारी होगी तारीख यह परीक्षा अप्रैल 2025 के मध्य में आयोजित की जाएगी। तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। छात्रों और नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं को इस परीक्षा का हिस्सा बनने की सलाह दी गई है, जिससे वे अपने करियर को नई दिशा दे सकें।

शिक्षण संस्थानों को बंद करना दुर्भाग्यपूर्ण : मंगलेट

सपना सूद, चौपाल/नेरवा

चौपाल के पूर्व विधायक डॉ. सुभाष चंद मंगलेट ने चौपाल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत डिग्री कॉलेज कुपवी एवं दूरदराज क्षेत्र के कई अन्य शिक्षण संस्थानों को बंद करने की सरकार की मंशा को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए प्रदेश सरकार को दो टूक चेतावनी दी है कि चौपाल के शिक्षण संस्थानों को बंद किए जाने पर यदि पुनर्विचार नहीं किया गया तो चौपाल की जनता की इस लड़ाई को सड़कों पर उतर कर भी लड़ना पड़ा तो गुरेज नहीं किया जायगा।

उन्होंने कहा कि कुपवी तहसील प्रदेश के पिछड़े और दूरदराज क्षेत्र से संबंध रखती है। मंगलेट ने कहा कि अभी मात्र महाविद्यालय के बंद होने की सूचनाएं चली हुई है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि होते ही यह विरोध और ज्यादा बढ़ जाएगा।

उनका कहना है कि वह कुपवी की जनता को साथ लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे तथा महाविद्यालय को किसी भी सूरत में बंद नहीं होने दिया जाएगा।

मंगलेट ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि सरकार ने अगर शिक्षण संस्थानों को बंद करने की अपनी मंशा नहीं बदली तो वह इसका खामियाजा भुगतने को भी तैयार रहे ।(अनंत ज्ञान)

पटवारी और कानूनगो का कलमछोड़ आंदोलन

भरत ठाकुर,कोटखाई। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा स्टेट कैडर के संदर्भ में जारी की गई अधिसूचना के विरोध स्वरूप राज्य कार्यकारिणी के निर्देशानुसार उपमंडल कोटखाई के सभी पटवारी व कानूनगो कलम छोड़ो आंदोलन पर रहे। इस दौरान उपमंडल के सभी पटवारी व कानूनगो उपमंडल कार्यालय परिसर कोटखाई में एकत्रित हुए व कुछ कर्मचारी जिनका कार्य क्षेत्र दूरदराज में है खराब मौसम के कारण उपमंडल कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज न करवा सके वह सभी वर्चुअल माध्यम से इस बैठक में कार्य क्षेत्र से जुड़े। सभी ने राजेश राजटा वरिष्ठ उपाध्यक्ष जिला शिमला, अंकुश चौहान व नरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में अधिसूचना के विरोध में साथ देने को तैयार है।

सरकार मेडिकल बिल का जल्द करे भुगतान : बृज लाल

दशमी रावत, रोहड़ू

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ, हिमाचल प्रदेश कर्मचारी महासंघ व हिमाचल पेंशनर्स महासंघ ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खु से प्रदेश के कर्मचारियों व पेंशनर्स के पिछले दो साल से लंबित पड़े हुए मेडिकल बिल का भुगतान करने की मांग की है।

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपन कुमार डोगरा , सचिव राजेंद्र चौहान, सह वित्त सचिव नंद लाल शर्मा, हिप्र राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेश ठाकुर ,महामंत्री उमेश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष चमन कलवान, वरिष्ठ उपप्रधान गौतम दुल्टा, उप प्रधान गोपाल दत्त शर्मा, सह महामंत्री नरेश, हिमाचल पैंशनर्स महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष इंद्र ठाकुर, प्रदेश महामंत्री बृज लाल शर्मा, प्रदेश कार्य कारी अध्यक्ष राजेंद्र भंगालिया, वरिष्ठ उपप्रधान राम लाल शर्मा, उपप्रधान सुरजीत राणा, अनिल गुप्ता, तिलक राज शर्मा, बाल कृष्ण ठाकुर, रतन लाल, दाता राम व वित सचिव परमेश्वर चौहान ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों, बोर्डों निगमों के पैंशनर्स व कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता व्यक्त की हैं। उन्होंने सरकार से अविलम्ब कार्रवाई करने की मांग की है।

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी संयुक्त छाया चित्र में।

महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि न तो हिमाचल सरकार केन्द्र के समान डीए दे रही है और न ही डीए के बकाया एरियर का समय पर भुगतान कर रही है। इसके साथ ही विद्युत बोर्ड सहित सभी निगमों में भी पुरानी पेंशन देने की मांग की गई है। वहीं विद्युत बोर्ड व शिक्षा विभाग में युक्तिकरण के नाम हो रहे तबादलों व पदों को समाप्त करने की कार्रवाई भी बंद करने को कहा गया है। संघ के नेताओं ने प्रदेश सरकार से कैशलेस मेडिकल सुविधा देने की मांग की है।(अनंत ज्ञान)

गत वर्ष 2,34,883 किलो खाद्यान्न वितरित

एडीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में आवश्यक वस्तुओं और पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

जिला स्तरीय सार्वजनिक वितरण बिलासपुर में जिला स्तरीय सार्वजनिक वितरण समिति की बैठक का आयोजन, जिला में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की समीक्षा समिति की बैठक शुक्रवार को अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. निधि पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आवश्यक वस्तुओं एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा की गई, साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान खाद्यान्न वितरण, केवाईसी की प्रगति, गैस आपूर्ति, पुन: उपयोग किए गए खाना पकाने के तेल के निस्तारण तथा नई उचित मूल्य की दुकानों की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिए गए।

बैठक में जानकारी दी गई कि दिसंबर 2024 तक जिला बिलासपुर में 84,680 हितग्राहियों को 2,34,883 किलोग्राम खाद्यान्न वितरित किया गया। अंत्योदय अन्न योजना के तहत 1,14,494 राशनकार्ड धारकों को 4,10,962 किलोग्राम खाद्यान्न 251 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागीय आदेशों के तहत 574 प्रविष्टियों के लिए कुल 1,78,937.00 रुपए की सब्सिडी जारी की गई, जिससे पात्र लाभार्थियों को आर्थिक राहत प्राप्त हुई।

जिले में अब तक 98 प्रतिशत उपभोक्ताओं की हुई ई-केवाईसी

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया गया, जिससे छोटे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषण सुरक्षा प्रदान की जा सके। बैठक में ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अब तक 98 प्रतिशत उपभोक्ताओं का केवाईसी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष उपभोक्ताओं के लिए 31 मार्च 2025 की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। तय समय-सीमा तक केवाईसी न होने की स्थिति में संबंधित लाभार्थियों का राशन वितरण बाधित हो सकता है। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे शेष उपभोक्ताओं को शीघ्र ई-केवाईसी पूर्ण करने के लिए जागरूक करें ताकि किसी भी हितग्राही को राशन प्राप्त करने में असुविधा न हो। गैस आपूर्ति को लेकर बैठक में बताया गया कि वर्तमान में जिला बिलासपुर में 49 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से एलपीजी वितरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, भविष्य में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के माध्यम से पीएनजी (क्हत्र) आपूर्ति को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस योजना के लागू होने से उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा मिलेगी और गैस आपूर्ति की निर्भरता भी सुनिश्चित की जा सकेगी। बैठक के अंत में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे उचित मूल्य की दुकानों का नियमित निरीक्षण करें ताकि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त हों। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि वे खाद्यान्न वितरण एवं अन्य सेवाओं में पारदर्शिता बनाए रखें तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

कोल डैम जलक्रीड़ा केंद्र में नए बोट शेड का उद्घाटन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

भारतीय खेल प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित एनटीपीसी जलक्रीड़ा केंद्र कोल डैम में शुक्रवार को एक नए बोट शेड का उद्घाटन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर एसएआई आरसी जीरकपुर की कार्यकारी निदेशक मंजूश्री दयानंद ने फीता काटकर उद्घाटन किया। समारोह ग्राम कसोल, कोल डैम में आयोजित किया गया, जिसमें कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। एनसीओई हमीरपुर के उपनिदेशक मनोज कुमार अवती, आरसी जीरकपुर की उपनिदेशक डॉ. संगीता शेरोन, कृषि विभाग के सेवानिवृत्त उपनिदेशक प्रकाश चंद ठाकुर और साई एसटीसी बिलासपुर के प्रभारी विजय प्रकाश नेगी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस मौके पर साई एनटीपीसी एक्सटेंशन वाटर स्पोर्ट्स सेंटर, बरमाणा के केंद्र प्रभारी अंग्रेज सिंह ने बोट शेड के निर्माण के लिए कार्यकारी निदेशक का आभार व्यक्त किया और इसे केंद्र के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम के दौरान मंजूश्री दयानंद ने उपस्थित एथलीटों को आश्वासन दिया कि केंद्र में आवश्यक उपकरण और सुविधाओं को धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को उच्च स्तर की ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर माहौल मिल सके। इस अवसर पर खेल प्रेमियों और अधिकारियों ने इस नई सुविधा की सराहना की और इसे क्षेत्र में वाटर स्पोर्ट्स के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

लुहणू, खैरियां व आसपास कल पावर कट

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल-2 रविंद्र चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 2 मार्च को पेड़ों की कांट-छांट व लाइनों की आवश्यक मरम्मत हेतु, रौड़ा अनुभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों लुहणू, खैरियां, वाटर स्पोर्ट्स, मिल्क चिलिंग, छात्रा विद्यालय तथा इसके साथ लगते क्षेत्रों में प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी। अतः उन्होंने आम जनता से सहयोग की अपील है। उन्होंने बताया कि शटडाउन मौसम की स्थिति पर निर्भर रहेगा।

बिलासपुर कॉलेज में पढ़ाया कानून का पाठ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में बीबीए विभाग, महाविद्यालय करियर काउंसलिंग तथा जिला विधिक प्राधिकरण के तत्वावधान में युवा विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने महाविद्यालय पहुंचने पर विधिक सेवा प्राधिकरण से आए अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस कायक्रम में मुख्यातिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव प्रतीक गुप्ता ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रतीक गुप्ता ने विद्यार्थियों को कानून के उचित समय पर उपयोग एवं अपने कर्तव्यों के बोध के विषय पर बातचीत की। उसके पश्चात मधु शर्मा असिस्टेंट डिफेंस लीगल एंड काउंसिल ने संविधान में दिए गए अधिकार और कर्तव्य के बारे में बताया।

समोह स्कूल में लगा विज्ञान-गणित मेला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला समोह में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान और गणित मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले में विद्यालय के छात्रों ने अपनी विभिन्न विज्ञान और गणित से संबंधित प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यालय की कार्यकारी प्रधानाचार्या पुष्पा गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही और उन्होंने मेले में छात्रों के प्रयासों की सराहना की। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में विज्ञान और गणित के प्रति रुचि और जागरूकता को बढ़ावा देना था। मेले में पाईन इको क्लब द्वारा विशेष मॉडल प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें छात्रों ने विज्ञान और गणित के जटिल सिद्धांतों को सरल रूप में प्रदर्शित किया।

छडोल स्कूल में मनाया नेशनल साइंस-डे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छडोल में नेशनल साइंस-डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच विज्ञान के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्य म की अध्यक्षता विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल कमलेश के प्रेरणादायक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने विज्ञान और तकनीकी नवाचारों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और नई खोजों के प्रति जिज्ञासा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

विज्ञान दिवस पर करवाईं प्रतियोगिताएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पंजगाई में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा विज्ञान से संबंधित कई गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया, जो उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हुए। कार्यक्रम में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें छात्रों ने विज्ञान के विभिन्न पहलुओं और नवीनतम वैज्ञानिक अवधारणाओं को प्रस्तुत किया। इसके अलावा, पोस्टर मेकिंग, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन, निबंध लेखन प्रतियोगिता, विज्ञान गतिविधियां, और विज्ञान फिल्म स्क्रीनिंग जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

सीवी रमन का विज्ञान में योगदान बताया

अनंत ज्ञान, झंडूता। नेशनल साइंस-डे के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बरठीं में एक विशेष विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और विज्ञान प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सर सीवी रमन के वैज्ञानिक योगदान पर आधारित व्याख्यान से हुई। इसके बाद छात्रों ने विज्ञान प्रदर्शनी में अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया, जिसमें सौर ऊर्जा, जल शुद्धिकरण, रोबोटिक्स और अन्य तकनीकी विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए गए।

हड़ताल से झंडूता में राजस्व सेवाएं ठप

अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता में पटवारी और कानूनगो संघ ने राज्य सरकार द्वारा पटवारी और कानूनगो पदों को जिला कैडर से हटाकर स्टेट कैडर में शामिल करने के निर्णय के विरोध में 28 फरवरी से अनिश्चितकालीन पेनडाउन हड़ताल शुरू कर दी है। इससे पहले संघ ने 25 और 27 फरवरी को सामूहिक अवकाश लिया था, जिससे राजस्व सेवाएं पहले ही प्रभावित हो चुकी थीं। 39 प्रकार की राजस्व सेवाएं ठप हो गई हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

डिजिटल लेनदेन में बरतें सतर्कता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्देशित वित्तीय साक्षरता सप्ताह के तहत परवाणु अर्बन सहकारी बैंक द्वारा बिलासपुर की महिला आईटीआई में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वित्तीय साक्षरता के बारे में जानकारी देते हुए बिलासपुर शाखा प्रबंधक सुनील कुमार ने छात्राओं को अपने बैंक खातेके संचालन के साथ-साथ राशि के डिजिटल लेनदेन में सतर्कता बरतने एवं किसी भी तरह की धोखाधड़ी धोखाधड़ी होने पर साइबर क्राइम टोल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करने की सलाह दी। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी विस्तार पूर्वक दी। उन्होंने छात्राओं से अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित करने, समझदार बनने, वित्तीय अनुशासन का पालन करने का आग्रह किया। इसके अलावा बजट बनाकर खर्च करने एवं नियमित बचत की आदत डालने जैसे सुझाव भी दिए। इस मौके पर बैंक कर्मचारी संजय भी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता हिमाचल सरकार की योजनाओं से किसानों को आत्मनिर्भर बनने में मिल रही मदद

नरेंद्र ने मशरूम उत्पादन में कायम की मिसाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाकर बिलासपुर के युवा नरेंद्र सिंह ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। सरकारी सहयोग से उन्होंने एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बनाई और न केवल अपनी आजीविका सुदृढ़ की बल्कि अन्य ग्रामीण युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्रदान किए।

नरेंद्र सिंह ने हिमाचल प्रदेश सरकार के उद्यान विभाग, बिलासपुर की सहायता से मशरूम उत्पादन की ट्रेनिंग ली और वर्ष 2008 में मात्र 8000 रुपए की लागत से 100 मशरूम कंपोस्ट बैग के साथ इस व्यवसाय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर मशरूम सोलन से उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। वर्ष 2016-17 में हिमाचल सरकार के सहयोग से उन्होंने बैंक ऋण प्राप्त कर मशरूम खाद, बीज एवं उत्पादन इकाई स्थापित की। उद्यान विभाग और डीएमआर सोलन के मार्गदर्शन में उन्होंने एक हाईटेक इंटीग्रेटेड यूनिट विकसित की, जहां मात्र 13 दिनों में उच्च गुणवत्ता की मशरूम खाद तैयार होती है।

नरेंद्र सिंह ने विगत वर्ष 28,000 मशरूम कंपोस्ट बैग किसान परिवारों को उपलब्ध कराए, जिससे उन्हें अत्यंत सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। इस वर्ष यह संख्या बढ़ाकर 50,000 बैग कर दी गई है, जिसे हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों में वितरित किया गया है। इस प्रयास से 2000 से अधिक किसान परिवार लाभान्वित हुए हैं। उनकी मशरूम खाद की आपूर्ति बिलासपुर, सोलन, मंडी, हमीरपुर, ऊना, शिमला एवं कांगड़ा जैसे जिलों में की जा रही है, जबकि ताजा मशरूम बिलासपुर, सुंदरनगर, मंडी, कुल्लू, मनाली, सोलन एवं शिमला की मंडियों में भेजी जा रही है।

आपको बता दें कि मशरूम खेती से न केवल नरेंद्र सिंह की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि उन्होंने 8-10 ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को स्थायी रोजगार भी प्रदान किया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने यह प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक स्थापित किया, जिसमें जैविक एवं पौष्टिक उत्पादों का उत्पादन किया जाता है। 2021-22 में उन्हें 'राष्ट्रीय स्तर का बेस्ट मशरूम ग्रोवर्स अवार्ड ऑफ इंडिया' डायरेक्टरेट ऑफ मशरूम रिसर्च, चंबाघाट, सोलन द्वारा प्रदान किया गया। गौरतलब है कि मशरूम खेती शुरू करने से पहले उनकी वार्षिक आय मात्र 50-60 हजार रुपए थी, लेकिन अब यह बढ़कर 10-12 लाख प्रति वर्ष हो गई है। यह सफलता हिमाचल प्रदेश के किसानों और बेरोजगार युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन गई है।

सुक्खू सरकार के पास अपनी योजनाएं चलाने के लिए पैसा नहीं : गर्ग

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। हिमाचल प्रदेश में आर्थिक संकट गहरा गया है, और सुक्खू सरकार के पास अपनी योजनाओं को चलाने के लिए पैसा नहीं है। इस संकट से निपटने के लिए सरकार ने प्रदेश के बड़े मंदिरों से पैसा मांगा है, जो कि एक निंदनीय कदम है। पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग ने कहा कि यह सनातन पर चोट है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से मंदिरों को पत्र लिखा गया है और दो योजनाओं-मुख्यमंत्री सुखाश्रय और सुख शिक्षा योजना के लिए पैसे देने का आग्रह किया गया है। यह कदम सुक्खू सरकार की आर्थिक विफलता को दर्शाता है। गर्ग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। राज्य पर 86 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है, जो कि प्रत्येक व्यक्ति पर 1.17 लाख रुपये का कर्ज आता है। यह स्थिति राज्य के भविष्य के लिए खतरनाक है। सरकार की कंगाली का मुद्दा अब सामने आ गया है।

न्यूज ब्रीफ

दुकान से अवैध शराब की 15 बोतल बरामद

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट पुलिस द्वारा अवैध शराब माफिया और नशे के कारोबारी पर नकेल कसने की कार्रवाई लगातार जारी है इसी कड़ी में पुलिस ने रवि कुमार पुत्र दीवान चंद गांव कोटलू डाकघर गोपालपुर तहसील सरकाघाट जिला मंडी से मौही में डेयरी फार्म के साथ स्टेट हाईवे के किनारे किराना दुकान के अंदर से तलाशी के दौरान 13 बोतल देसी ऊना नंबर 1 व 2 बोतल अंग्रेजी मार्का मेकडोनल बरामद की है। जिस पर पुलिस थाना सरकाघाट में मुकदमा दर्ज किया है। एसएचओ सरकाघाट रजनीश ठाकुर ने बताया कि मुकदमा में अन्वेषण जारी है।

मुख्यमंत्री को बताई पेंशनरों की समस्याएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मुख्यमंत्री सुक्खू के मंडी प्रवास के दौरान हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला मंडी के प्रधान हरीश शर्मा की अध्यक्षता में परिधि गृह मंडी में मिला। उन्होंने पेंशनरों की लंबित वित्तीय मांगों के बारे में ज्ञापन दिया तथा मुख्यमंत्री से ज्वलंत मांगों को लागू करने के लिए संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक बुलाने का आग्रह किया। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने सभी बातों को ध्यान से सुन कर जल्द ही बैठक बुलाने का आश्वासन दिया। बैठक में 2016 से 2022 तक सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों का मामला मुख्य रूप से रहेगा, इसके अतिरिक्त महंगाई भत्ता और 58 से 75 वर्ष के पेंशनरों के एरियर का भुगतान एक मुफ्त करना तथा मेडिकल बिलों के भुगतान के लिए अलग से बजट का प्रावधान आदि सहित अनेक मुद्दों पर बातचीत होगी। प्रतिनिधिमंडल में रोशन लाल कपुर, रेवती राम शर्मा, निक्का राम चौधरी, सूरज ठाकुर, कुलदीप गुलेरिया, जोगिंदर वर्मा, जेएम चंदेल, शमशेर सिंह, लाभ सिंह ठाकुर, दयानंद शर्मा, संतराम, नागेंद्र कपूर के साथ अनेक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

शिवधाम पर जनता को गुमराह न करें सीएम : निहाल चंद

अनंत ज्ञान, मंडी। भाजपा जिला अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री को झूठ बोलने की आदल लग चुकी है, इसलिए वह जहां भी जाते हैं, झूठ बोल कर लोगों को गुमराह करके आते हैं। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री मंडी के शिवधाम प्रोजेक्ट को लेकर गुमराह कर रहे हैं। उनकी शिवधाम को 100 करोड़ रुपए देने की घोषणा पूरी तरह से झूठी है। उन्होंने कहा कि सीएम बताएं कि उन्होंने कब शिवधाम के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया है। जबकि सच्चाई तो यह है कि इस प्रोजेक्ट को कांग्रेस सरकार के आते ही बंद कर दिया गया और जानबूझ कर इसका काम लटकाया गया। पूर्व जयराम सरकार के समय शिवधाम प्रोजेक्ट के अढ़ाई सौ करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया था, लेकिन वर्तमान सरकार ने सत्ता में आते ही इस पैसे का मुख्यमंत्री के क्षेत्र के लिए शिफ्ट कर दिया और शिवधाम का काम ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। पूर्व सरकार के स्वीकृत बजट को शिव धाम में ही लगाना चाहिए था। अब मुख्यमंत्री शिवधाम प्रोजेक्ट के लिए 100 करोड़ रुपये देने की झूठी घोषणाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अगर मंडी के विकास कार्यों के लिए इतने ही गंभीर होते तो पूर्व सरकार द्वारा जिला में शुरू किए गए दर्जनों विकास कार्यों को बंद नहीं करवाते और न ही उनका बजट शिफ्ट करते। वर्तमान सरकार के कारण ही आज मंडी जिला में सैंकड़ों विकास कार्य अधूरे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बताएं कि उन्होंने मंडी जिला दो वर्षो में कौन सा विकास कार्य व प्रोजेक्ट स्वीकृत किया है। उन्होंने कहा कि सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू को हर समय पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के ही सपने आते हैं, इसलिए वह हर समय पूर्व मुख्यमंत्री पर तथ्यहीन आरोप लगाने का प्रयास करते रहते हैं। निहाल चंद ने कहा कि मंडी जिला की जनता को पता है कि वर्तमान सरकार किस तरह से जिला के साथ भेदभाव कर रही है। इसका जबाब समय आने पर जिला की जनता कांग्रेस पार्टी को देगी।

पांगी और पुरथी में 3 फुट तक बर्फबारी

अनंत ज्ञान, चंबा/डलहौजी

जिला चंबा में लगातार भारी वर्षा और हिमपात जारी है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़क अवरुद्ध होने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे जिले के कई क्षेत्रों का संपर्क टूट गया है। प्रशासन लगातार राहत एवं बहाली कार्यों में जुटा हुआ है, लेकिन मौसम की गंभीरता के कारण चुनौतियां बनी हुई हैं।

सड़क और परिवहन व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। भरमौर के बग्गा डैम (लोथल घर) और होली के ग्रोला क्षेत्र में सड़क पूरी तरह बंद हो गई है। पांगी और पुरथी में भारी हिमपात (3 से 3.5 फुट) के चलते मार्ग अवरुद्ध हैं।

चुवाड़ी क्षेत्र में नकरोड और सारोग नाला के पास सड़कें बंद हैं, जबकि लकड़मंडी से खजियार जाने वाला मार्ग भी बाधित हो गया है। जोत के रास्ते चंबा जाने में भी कठिनाई हो रही है।

सिहुंता में चुराला (मुंडी) के पास सड़क केवल हल्के वाहनों के लिए खुली है, जबकि अन्य कई मार्गों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है।

नेटवर्क हुआ बाधित

जियो और एयरटेल नेटवर्क सेवाएं भी जिले में बाधित हो गई हैं, जिससे संचार व्यवस्था पर असर पड़ा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण चंबा के अनुसार, नेटवर्क बहाली का कार्य तेजी से जारी है।

खड़ामुख-होली मार्ग पर भू-स्खलन

खड़ामुख होली मुख्य मार्ग भारी भू-स्खलन के चलते बाधित है चंबा जोत मुख्य मार्ग अवरुद्ध है, खजियार डलहौजी मुख्य मार्ग बंद पड़ा है। उपमंडल तीसा का संपर्क जिला मुख्यालय से टूटा गया है। एनएच154ए चंबा के लिए भूस्खलन के चलते अवरुद्ध हो गया था जिसको लेकर बहाली हेतू कार्य चला हुआ है।

प्रशासन की अपील

➲ सभी नागरिक अनावश्यक यात्रा न करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

➲ पहाड़ी और संवेदनशील क्षेत्रों में जाने से पूर्णतः बचें, क्योंकि भारी बारिश और भूस्खलन का खतरा बना हुआ है।

➲ आवश्यक सेवाओं की बहाली के लिए प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन दल लगातार कार्य कर रहे हैं।

➲ किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन या पुलिस से संपर्क करें।

भरमौर के बड़ग्रां में हिमस्खलन

जनजाति क्षेत्र भरमौर के बड़ग्रां में हिमस्खलन देखने को मिला हालांकि इसे कोई जानी माली नुकसान खबरें सामने नहीं आए है किंतु इस एवलांच की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल खो रही है। प्रशासन ने मौसम एडवाइजरी जारी कर दी है।

जिले में शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित

जिले में लगातार हो रही भारी वर्षा के मद्देनजर उपायुक्त चंबा ने 28 फरवरी को जिले के सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में अवकाश रखने की घोषणा की है। यह निर्णय छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि किसी को भी मौसम की विषम परिस्थितियों का सामना न करना पड़े। हालांकि, जिन शिक्षण संस्थानों में या अन्य बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, वे खुले रहेंगे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन ने इन संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि छात्रों की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। इस बीच, जिले के कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़क अवरुद्ध होने की खबरें भी सामने आ रही हैं, जिससे परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और राहत कार्य जारी हैं।

ट्रक के ब्रेक फेल होने से चपेट में आई बस और कार

अनंत ज्ञान, डलहौजी

बीते कल दोपहर करीब 2 बजे बस अड्डा बनीखेत में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जब एक सीमेंट की खाली बोगी जो चंबा वाली तरफ से पठानकोट की ओर जा रही थी कि अचानक बस अड्डा बनीखेत पहुंचने पर किसी तकनीकी खराबी के चलते अचानक ब्रेक फेल हो गई जिस कारण विपरीत दिशा से आ रही हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस से जा टकराई तथा दो कारे इस दुर्घटना की चपेट में आ गई।

हालांकि कोई जान माल के नुकसान की कोई खबर प्रकाश में नहीं आई है किंतु हिमाचल पथ परिवहन निगम तथा ऑटो कार का मालिक हुए नुकसान के लिए बोगी मालिकों से बात कर रहे थे।

खबर लिखे जाने तक दुर्घटना की चपेट में आए वाहनों के मालिक आपसी सहमति पर बातचीत जारी थी इस दौरान पुलिस द्वारा कोई भी मामला दर्ज नहीं किया गया था।

वाहन मालिकों में आपसी सहमति पर बातचीत, नहीं हुआ मामला दर्ज

बता दें कि सीमेंट बोगी के चालक ने जानकारी देते हुए बताया कि बोगी की प्रेशर पाइप फट गई थी जिस कारण ब्रेक नहीं लगी और यह हादसा सामने आया। किंतु इस हादसे को लेकर उचित जांच प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा तभी साफ हो पाएगा कि आखिर इसकी क्या वजह रही अगर आपसी सहमति बन जाती है तो आगामी परिक्रिया को विराम लग जाएगा।

ट्रक की चपेट में आने से कार को हुए नुकसान का दृश्य।

बनीखेत महाविद्यालय का भवन निर्माण लंबित : मनीष

मुकेश कुमार, डलहौजी

आम आदमी पार्टी प्रदेश प्रवक्ता मनीष सरीन ने डलहौज़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बनीखेत व भलेई राजकीय महाविद्यालयों के सम्बन्ध में स्थानीय शासन व प्रशासन पर तीखा प्रहार किया है। मनीष ने कहा की डलहौजी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा प्रणाली का स्तर दिन प्रतिदिन गिरता ही जा रहा है। जहां बेहतरीन वार्षिक परिणाम देने के उपरान्त भी बनीखेत राजकीय महाविद्यालय स्थानीय राजनीति का शिकार हो भवन निर्माण की राह देख रहा है वहीं भवन व शिक्षकों के आभाव के चलते विद्यार्थी विहीन हुए भलेई राजकीय महाविद्यालय पर मर्जर की तलवार लटक रही है।

मनीष ने कहा की क्षेत्र की जनता को स्वयं तय करना होगा की क्षेत्र में दिन प्रतिदिन शिक्षा ढांचे के साथ होते खिलवाड़ का असली गुनहगार पूर्व शासक हैं, मौजूदा शासक हैं, पूर्व प्रशासन है, मौजूदा प्रशासन है, जनता का मौन है या फिर वजह कुछ और है। मनीष ने कहा की शिक्षा आम आदमी पार्टी की प्रमुख प्राथमिक्ताओं में से एक है व क्षेत्र में शिक्षा प्रणाली से होते खिलवाड़ पर वह निरंतर आवाज बुलंद करते रहेंगे।(अनंत ज्ञान)

कुलदीप पठानिया ने पुलिस चौकी हटली का किया शुभारंभ

अनंत ज्ञान, चंबा/भटियात

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने आज भटियात विधानसभा क्षेत्र के तहत ज़िला चंबा के सीमावर्ती क्षेत्र हटली में पुलिस चौकी (पोस्ट) का शुभारंभ किया।

कुलदीप सिंह पठानिया ने जनसभा को संबोधित करते कहा कि किसी भी क्षेत्र में विकासात्मक गतिविधियों की दृष्टि से कानून एवं व्यवस्था का बेहतर होना आवश्यक है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि हटली क्षेत्र ज़िला का प्रमुख प्रवेश और निकास द्वार है। ऐसे में यह पुलिस चौकी स्थानीय नागरिकों के साथ सभी ज़िला वासियों को बेहतर कानून एवं व्यवस्था उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि अभी हाल ही में पुलिस चौकी सियूंता को पुलिस थाना में स्तरोन्नत तथा उप-मंडलीय मुख्यालय चुवाड़ी में उपाधीक्षक पुलिस कार्यालय खोला गया है। इसके अतिरिक्त प्रमुख विभागों के मंडल स्तरीय कार्यालय भी खोले गए हैं। उन्होंने लोगों को विभिन्न विभागीय कार्यालय खोलने का आश्वासन देते हुए जल्दी भटियात विधानसभा क्षेत्र में सिविल कोर्ट खोलने का भी भरोसा दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने मादक पदार्थों के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इनके प्रभावी रोकथाम को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

पुलिस तत्परता के साथ मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित बना रही है। कुलदीप सिंह पठानिया ने ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित बनाने के लिए सभी लोगों को पुलिस का सहयोग करने का भी आग्रह किया है। कुलदीप सिंह पठानिया का इससे पहले यहां पहुंचने पर स्थानीय लोगों द्वारा गर्म जोशी के साथ स्वागत किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष को इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने शाल-टोपी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। साथ में उन्होंने चंबा पुलिस द्वारा कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए किये जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी का भी व्योरा रखा। उन्होंने बताया कि हटली पुलिस चौकी के कार्यक्षेत्र में 5 ग्राम पंचायतें तथा 67 गांव शामिल किए गए हैं।

बारिश नहीं झेल पा रहीं पंडोह की पहाड़ियां

अनंत ज्ञान, पंडोह

बरसात के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी पैदा करने वाले मंडी से पंडोह के बीच के नेशनल हाईवे की पहाड़ियां सर्दियों की बारिश को भी नहीं झेल पाई। दो दिनों तक हुई लगातार बारिश में यहां पहाड़ियों के दरकने का सिलसिला फिर से शुरू हो गया। वीरवार शाम से मंडी से पंडोह के बीच पहाड़ियों से रूक रूककर पत्थरों और मलबे के गिरने का सिलसिला शुरू हुआ जो शुक्रवार देर शाम तक जारी रहा।

सुखद बात यह रही कि कंपनी की तरफ से मशीनरी मौके पर तैनात थी और जैसे-जैसे पत्थर या मलबा गिर रहे थे तो वैसे-वैसे उसे हटाकर रास्ते का साफ कर दिया जा रहा था। लेकिन इस दौरान यहां से सफर करने वालों की सांसे अटकी रही और उन्होंने एक तरह से जान हथेली पर रखकर सफर किया। शुक्रवार को जब दिन भर बारिश जारी रही तो चार मील और 9 मील के पास पहाड़ी से दो बड़े लैंडस्लाईड भी हुए जिस कारण हाईवे कुछ घंटों के लिए बंद हुआ। लेकिन मौके पर तैनात मशीनों की मदद से मलबे को हटाकर हाईवे को यातायात के लिए बहाल कर दिया गया था।

राहगीरों को इससे काफी परेशानी झेलनी पड़ी। बता दें कि मंडी से पंडोह के बीच का हाईवे एक तरह से जानलेवा हाईवे बनकर रह गया है। वर्ष 2023 के बाद यहां कई लोगों ने अपनी जानें गंवाई हैं। लेकिन फिर भी इस हाईवे का अभी तक कोई स्थाई समाधान नहीं हो पाया है।

लोग बोले-बरसात से पहले हो समाधान

पंडोह और इसके आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कहना है कि यह हाईवे ही उनके जिला मुख्यालय तक आने-जाने का इकलौता माध्यम है। उन्हें रोजमर्रा के कार्यों के लिए मंडी आना-जाना पडता है। लेकिन यहां से सफर करते वक्त हमेशा डर बना रहता है। प्रशासन और एनएचएआई से इसके स्थाई समाधान की कई बार गुहार लगा चुके हैं लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। मंडी से पंडोह के बीच टनल का निर्माण जल्द किया जाए और 9 मील के पास जो पुल या फ्लाईओवर बनाया जाना है उसे जल्द बनाकर इस हाईवे को सुरक्षित हाईवे की श्रेणी में लाया जाए।

खजियार झील ने 30 साल बाद बदली अपनी जगह

अनंत ज्ञान, डलहौजी

प्रसिद्ध पर्यटन नगरी डलहौजी के अंतर्गत खजियार जिसे विश्व भर में मिनी स्विट्जरलैंड की ख्याति प्राप्त है। तो वही स्थानीय लोग इसे खज्जी नाग की स्थली के रूप में मानते हैं यहां के लोगों में खज्जीनाग को लेकर असीम आस्था है।

इसी आस्था से जुड़ी खज्जी झील में जो बेड़ा है बीते करीब 30 सालों से एक ही जगह पर जाम था किंतु शिवरात्रि के दौरान हो रही मूसलाधार बारिश के चलते झील का बेड़ा खुद-ब-खुद यहां से वहां तैरता नजर आया। इसको लेकर स्थानीय लोगों का मानना है कि यह साल सभी के लिए अच्छा होगा और शिव तथा खज्जी नाग सब पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखेंगे।

लोगों ने यह भी बताया कि खज्जी नाग बेड़ा खजियार की पहचान है और यही बेड़ा नाग का प्रतीक भी है जिनकी मौजूदगी साक्षात खज्जी नाग की मौजूदगी एहसास दिलाता है। इस चमत्कार को देखकर खज्जी नाग मंदिर में जहां स्थानीय लोगों ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की तो वही खज्जी नाग की जयकारों से पूरा खजियार गूंज

नवीनीकृत खनन पट्टे को हाईकोर्ट ने रद्द करने के दिए निर्देश!

विधि संवाददाता, शिमला

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने मोहाल बैरी, मौजा पाहलू, तहसील बड़सर, जिला हमीरपुर में मेसर्स कैलाश स्टोन क्रशर के पक्ष में जारी नवीनीकृत खनन पट्टे को रद्द कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधवालिया और न्यायाधीश सत्येन वैद्य की खंडपीठ ने ग्राम पंचायत पाहलू द्वारा दायर जनहित याचिका को स्वीकारते हुए कहा कि इस मामले में 2015 के नियमों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है।

कोर्ट ने कहा कि प्रदान किए गए पट्टे के नवीनीकरण का अवलोकन करने से पता चलता है कि उक्त इकाई को 2015 के नियमों के तहत लाभ प्रदान करते समय, 2011 के आवेदन पर विचार किया गया है, जो नियम 2015 के प्रावधानों का उल्लंघन है। ग्राम पंचायत पाहलू द्वारा जनहित याचिका के माध्यम से स्टोन क्रशर के नवीनीकृत खनन पट्टे को रद्द करने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता का कहना था कि पहले निजी प्रतिवादी के पक्ष में खनन पट्टा दिया गया था और पट्टा वर्ष 2005-2006 में समाप्त हो गया था। याचिकाकर्ता का आरोप था कि इस क्रशर द्वारा क्षेत्र की कृषि भूमि, जल स्रोतों और पुलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा था। इसका विरोध करते हुए उन्होंने उपायुक्त हमीरपुर को प्रतिवेदन दिया था जिन्होंने मामले की जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए 31 मार्च 2022 को खनन अधिकारी हमीरपुर को अग्रेषित किया था, लेकिन उक्त संचार पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पट्टे पर दी गई भूमि दो चेक डैम के बीच स्थित है, जिनमें से एक का निर्माण राज्य सरकार द्वारा लगभग दस लाख रुपए की लागत से पहले ही किया जा चुका है और दूसरे को राज्य सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है। इस प्रकार, खनन गतिविधि चेक डैम और जल प्रवाह को बुरी तरह प्रभावित कर रही है।

कोर्ट ने नवीकरण को रद्द करते हुए हालांकि स्पष्ट किया है कि उक्त स्टोन क्रशर 2015 के नियमों के प्रावधानों के अनुसार खनन पट्टे के नवीकरण/अनुदान के लिए आवेदन करने के लिए स्वतंत्र है और राज्य सरकार भी कानून के लागू प्रावधानों के अनुसार उक्त आवेदन पर विचार करने के लिए स्वतंत्र है।

सूडोकु नवताल- 7356

✸✡✡✡✡ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7355 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

1 मार्च, 2025, शनिवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** फाल्गुन, **तिथि** द्वितीया (00:11): **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपद (11:23), **पक्ष :** शुक्ल, **योग :** साध्य (04:24) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (12:10-12:56), **राहुकाल** (09:40-11:07)।

विशेष दिन

⏩ 01 मार्च 2025 : फुलेरा दूज आज।

⏩ 1 मार्च : रामकृष्ण परमहंस जी की जयंती आज।

मेष: धार्मिक कृत्यों पर व्यय होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम हो सकती है।

वृषभ: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक हानि हो सकती है। किसी अपने से बेबात विवाद हो सकता है। मान कम होगा।

मिथुन: कोई पुराना रोग दुःख का कारण बन सकता है। लापरवाही न करें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कोर्ट-कचहरी व सरकारी कामों में सहूलियत रहेगी।

कर्क: लेन-देन में सावधानी रखें। चोट व रोग से बचें। अज्ञात भय सताएगा। स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त लाभकारी रहेगी।

सिंह : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग का अध्ययन में मन लगेगा।

कन्या : अकारण विवाद हो सकता है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

तुला: संतान पक्ष से स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

वृश्चिक: दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। थकान रह सकती है। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

धनु: बेचैनी रहेगी। थकान रह सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर : यात्रा लाभदायक रहेगी। जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। बेवजह विवाद हो सकता है।

कुंभ : पुरानी वसूली जो नहीं हो पा रही थी, वसूली जा सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन :हल्के हंसी-मजाक से बचें। जल्दबाजी से हानि हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कानूनी अड़चन आ सकती है। नई योजना बनेगी।

सरकार की मंदिरों के पैसों पर नजर : इंद्र सिंह

अनंत ज्ञान, रिवालसर

विधायक इंद्र सिंह गांधी ने रिवालसर के दुर्गापुर में आयोजित एक प्रेस वार्ता में सुक्खू सरकार के फैसलों पर अपनी भड़ास निकाली है। उन्होने कहा है कि सरकार का अपना खजाना खाली है इसलिय अब मंदिरों के खजाने पर नजर है। सुक्खू सरकार एक तरफ कई हिंदू विरोधी बयान देती आई है वहीं अब अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिये मंदिरों से पैसा मांगा जा रहा है। उन्होने कहा कि सरकार के मंत्री देश के प्रधानमंत्री पर कई ओच्छी टिप्पणियां करते हैं, लेकिन उन्हें मालूम होना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद के आगे बड़े बड़े देशों के नेता भी नमस्तक होते है। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शिवरात्रि कार्यकम में शिव धाम योजना के लिए 100 करोड रुपए की घोषणा की है लेकीन पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अपने कार्यकाल में इस के लिये पहले ही 250 करोड़ स्वीकृति कर चूके है लेकीन मुख्यमंत्री बताएं की वह 250 करोड़ की राशि कहां गई है। विधायक ने कहा है कि पूर्व भाजपा सरकार ने जनहित में विद्युत मंडल नेरचौक, आईटीआई रिवालसर, बेटनरी दुर्गापुर तथा रिवालसर पुलिस चौकी को अपग्रेड कर थाना बनाया था लेकिन सरकार ने सत्ता में आते ही इन जनहित संस्थानों को डिनोटिफाइड कर दिया है।

प्रेस वार्ता के दौरान विधायक इंद्र सिंह गांधी।

अंडर 12 समूह गान में सरस्वती विद्या मंदिर प्रथम स्थान पर रहा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान पड्डल मैदान में स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अंडर 12 समूह गान में प्रथम स्थान पर सरस्वती विद्या मंदिर महाजन बाजार, बाल मंडी दूसरे स्थान पर तथा एंग्लो व सरस्वती विद्या मंदिर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

इस अवसर डीएसपी रश्मि शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्हें जिला खेल प्रभारी प्रवीण ठाकुर ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

संकट 6 माह में ही एनएचएआई की निर्माण गुणवत्ता की खुली पोल

हटौण गांव को फिर से भू-स्खलन का खतरा, सुरक्षा की उठी मांग

अनंत ज्ञान, पंडोह

चंडीगढ़ मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंडोह डैम से आगे बनी डयोड टनल के कारण एक बार फिर से द्रंग विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत हटौण के मुख्य सड़क मार्ग डयोड से हटौण पर 3 किलोमीटर दूरी पर सड़क के साथ ही एक बड़ा खड्डा पड़ गया है, जो निरंतर समय के साथ ओर अधिक चौड़ा और गहरा होता जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को अपने घरों आदि का खतरा सताने लगा है। सड़क के धंसने से समूचे हटौण, बौस गांव का लिंक मुख्य सड़क मार्ग से टूट गया है, जिससे सैकड़ों लोगों का जीवन प्रभावित होगा। बच्चे स्कूल कालेज नहीं जा पाएंगे। आवश्यक सामग्री की सप्लाई भी बाधित होगा। पूरा जनजीवन ठप हो कर रह जाएगा।

स्थानीय निवासी हरदेव शर्मा पूर्व प्रधान हटोन दिलीप ठाकुर ने फोरलेन निर्माण कंपनी शाहपलौजी पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सब डयोड टनल निर्माण के कारण हो रहा है। गड्डे वाले स्थान के ठीक नीचे से डयोड ट्रैफिक टनल गुजर रहा है, जिसके निर्माण कार्य में कोताही हुई है तथा गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया गया है।

निर्माण के दौरान ब्लास्टिंग से हमारे पहाड़ हल गए है। जो कभी भी गिर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमने 2020 से एनएचएआई व जिला प्रशासन को हमारे गांव हटौण की सुरक्षा की मांग की है। कंपनी की प्रशासन के साथ सांठगांठ हो जाती है। हमारे गांव के सभी घरों गौशालाओं में दरारें आईं हैं। पहाड़ों पर बड़ी बड़ी दरारें हमें डरा देती है। हम बहुत तंग हो चुके हैं।

टनल के कारण नहीं पड़ा है गड्ढा

फोरलेन निर्माण कंपनी शाहपलूजी की जीएम आदर्श पनहोतरा ने कहा कि यह गड्ढा टनल के कारण नहीं पड़ा है। मगर टनल इसके ठीक नीचे से गुजर रही है। जिसका निर्माण चल रहा। हमने पिछली बार इस गड्डे को अच्छी तरह से भर दिया था। अभी देखते हैं। जिला प्रशासन से वार्ता के बाद ही कुछ निर्णय लिया जा सकता है।

टनल निर्माण के कारण हो रहा नुकसान

पंचायत प्रधान हटौण रौशनी राठौर ने कहा कि सब फोरलेन डयोड टनल निर्माण के कारण हो रहा है। पिछली बार कमांद से भू वैज्ञानिक लाए गए थे, मगर आज तक उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। हम इस समस्या का स्थाई समाधान चाहते हैं। हम गांव वालों के साथ है। हम प्रशासन से पीड़ित परिवारों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर रखने की मांग करते हैं। दुःख की बात है कि जिला प्रशासन अभी तक महाशिवरात्रि मेला में मस्त है।

मंजिल को पाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए याद रहे कि मंजिल की ओर बढ़ता रास्ता भी उतना ही नेक हो। -डॉ. राजेंद्र प्रसाद

संपादकीय

चिट्टे पर चोट

हिमाचल प्रदेश में चिट्टे का चलन दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। हर रोज तकरीबन सभी जिलों से चिट्टे की खेप पकड़े जाने की खबरें सुर्खियां बन रही हैं। पहले भांग पकड़े जाने की खबरें सुर्खियां बनती थी, लेकिन अब उसकी जगह चिट्टे ने ले ली है जिससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि चिट्टा किस कदर समाज में अपनी जड़ें गहरे से जमाकर पूरी तरह फैला चुका है। यह नशा अब वाकई बड़ा संकट बन गया है, जो न केवल इसका सेवन करने वालों के ऊपर व्यक्तिगत प्रभाव डाल रहा है, बल्कि यह उनकी सेहत का भी कबाड़ा कर रहा है। समाज और अर्थव्यवस्था पर भी इस नशे का नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। चूंकि यह नशा सोने से भी महंगा नशा है और यही वजह है कि इस नशे का सेवन अभी ज्यादातर अमीर घरानों के बच्चे ही कर रहे हैं। गरीब लोगों की पहुंच से यह नशा काफी दूर है, लेकिन धीरे-धीरे अब वह भी इस नशे की चपेट में आने लग पड़े हैं, जो सबसे बड़ी चिंता का विषय है। यानी पूरे समाज में ही जब चिट्टे का नशा घुल जाएगा तो समाज के भी विकृत होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

अब हालात ऐसे बन गए हैं कि पढ़ाई करने बच्चों से लेकर दिहाड़ी करने वाले मजदूर भी नशे की जद में आ चुके हैं। बेहतर यही होगा कि जन-जन को इस चिट्टे के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। यह तभी संभव है जब सब लोग एकजुट होकर इस चिट्टे के खिलाफ लामबंद होंगे। चिट्टे दुष्प्रभावों के बारे में हर किसी को विस्तार से बताना होगा। डॉक्टरों और मनोचिकित्सकों का भी इस अभियान में अहम रोल हो सकता है, इसलिए उन्हें भी इलाज के साथ-साथ लोगों की काउंसिलिंग करने के लिए आगे आना होगा। हिमाचल पुलिस नशे के बिलकुल सख्त खिलाफ है। पुलिस अब बड़ी सख्ती से एक्शन लेकर इस धंधे में जुड़ी बड़ी गैंगों को बेनकाब कर रही है। यही नहीं, ड्रग्स विभाग के साथ मिलकर भी पुलिस निरंतर कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं। नशा बेचने वालों को चेतावनी देना लाजिमी है कि वह नशा बेचना छोड़ दें और लोगों के घरों को बर्बाद न करें। नशाग्रस्त युवाओं को भी काउंसिलिंग कर समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जाना चाहिए। युवाओं को खेलों से जितना ज्यादा जोड़ा जाएगा वो उतने ही दूर इस चिट्टे के नशे से होते जाएंगे।

अब नशे की ओवरडोज से कई मौतें होने लगी हैं, जिससे मसला गहन चिंतन मनन का हो गया है। पड़ोसी राज्यों से आ रही नशे की खेप पकड़ने के लिए पुलिस को और तत्परता तथा सख्ती से कार्रवाई करने की जरूरत है वरना यह नशा नासूर बन जाएगा, जिसका इलाज मुश्किल होगा। सरकार व प्रशासन को भी इस दिशा में और ज्यादा ठोस कदम उठाने होंगे। अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर तिल-तिल मर रहे हैं और कोई सुनने वाला नहीं है, क्योंकि स्कूलों के आसपास इसकी उपलब्धता आसानी से हो जा रही है। सभी को अपने स्तर पर इस पर लगाम लगानी होगी। गांवों में वार्ड स्तर पर कमेटियां बनानी होंगी, जो दिन और रात पहरा दें तथा चिट्टे का सेवन करने और बेचने वालों पर कड़ाई से नजर रख सकें। नशा बेचने वालों का सामाजिक बहिष्कार करना भी समस्या का समाधान नहीं है। कई पंचायतें अब अपने स्तर पर नशे की खेप सप्लाई करने वालों की जानकारी देने वालों को यह प्रलोभन दे रही हैं कि यदि कोई नशे के बारे में जानकारी देता है तो उसे इनाम दिया जाएगा।

कहीं न कहीं यह पहल काफी हद तक सार्थक लग रही है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है कि जिस तरह से नशा तस्करों ने अपना मजबूत नेटवर्क बनाया है उसी तर्ज पर इस नशे के खिलाफ लड़ने वालों को भी समानांतर स्तर पर नेटवर्क बनाना होगा। टीमें गठित की जाएं तो और अच्छा होगा। हिमाचल प्रदेश में चिट्टे की समस्या को दूर करने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों को मिलकर काम करना होगा। चिट्टे के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए जाएं तो इसके सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं। चिट्टे के आदी लोगों के लिए चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। चिट्टे के आदी लोगों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना भी श्रेयस्कर रहेगा, ताकि वे अपनी लत से मुक्ति पा सकें। यही नहीं, चिट्टे की तस्करी और अवैध बिक्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तो बेहद लाजिमी है। इन कदमों को उठाकर, हिमाचल प्रदेश में चिट्टे की समस्या को दूर किया जा सकता है और लोगों को स्वस्थ और सुरक्षित जीवन प्रदान किया जा सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सबके प्रयासों से चिट्टे का नशा हिमाचल से जल्द ही गायब हो जाएगा। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारतीय प्रसिद्ध महिला मुक्केबाज

मैरी कॉम
जन्म : 1 मार्च, 1983

मैरी कॉम भारतीय प्रसिद्ध महिला मुक्केबाज हैं। मैरी कॉम पांच बार विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता की विजेता रह चुकी हैं। उन्होंने लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीता। इसके अतिरिक्त 2010 के एशियाई खेलों में कांस्य तथा 2014 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। इनके जीवन पर एक फिल्म 'मैरी कॉम' भी बनी है जिसका प्रदर्शन 2014 में हुआ। इस फिल्म में मैरी कॉम की भूमिका प्रसिद्ध अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने निभाई। मैरी कॉम का जन्म मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक गरीब किसान के परिवार में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए मैरी कॉम के लिए खेलों में अपनी रुचि के आधार पर इस क्षेत्र में प्रोफेशनल ट्रेनिंग और उपलब्धियों का ख्वाब संजोना कठिन था, पर जहां चाह हो, वहां राह निकल ही आती है। मुक्केबाजी की दुनिया में भारत का नाम रोशन करने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2003 में मैरी कॉम को अर्जुन पुरस्कार से नवाजा एवं वर्ष 2006 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया। 29 जुलाई, 2009 को वे भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिए मुक्केबाज़ विजेंदर कुमार तथा पहलवान सुशील कुमार के साथ संयुक्त रूप से चुनीं गयीं। इसके वर्ष 2013 में इन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। ■

कविता

विदाई समारोह

राकेश डोगरा, गांव कौना हल्दरा, पालमपुर

हम सहपाठी सोच रहे सब आज जुदाई लेंगे
गुरुजनों से मित्रवरों से आज विदाई लेंगे।
इस पावन मंदिर में हमने आदर्शों को सीखा,
झूठ से हमने नाता तोड़ा सच्चाई को जीता।
इंसानियत का खून हो जहां वहां गवाही देंगे,
गुरुजनों से मित्रवरों से आज विदाई लेंगे।
कोई बनेगा उच्च अधिकारी कोई बिजनेसमैन,
कोई साइकिल वाला होगा किसी की होगी वेन।
डॉक्टर बनकर दीनों को हम निशुल्क दवाई देंगे,
गुरुजनों से मित्रवरों से आज विदाई लेंगे।
अनजाने में भूल हुई हो करना हमको माफ,
सहपाठियों वैर न करना मन को रखना साफ।
इरादों में मजबूती है तो मंजिल पा ही लेंगे।
गुरुजनों से मित्रवरों से आज विदाई लेंगे।
जितना हमने सीखा है उतना हम लिख आएंगे,
किसी की होगी फ्रस्ट डिविजन कुछ मेरिट पाएंगे।
फेल हुए तो आंख में आंसू पास बधाई लेंगे,
गुरुजनों से मित्रवरों से आज विदाई लेंगे।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

समाज में बढ़ता अपराधों का ग्राफ भविष्य के लिए खतरे की घंटी

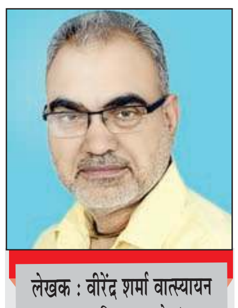

लेखक : वीरेंद्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

हमारे समाज में दैनिक अपराधों का ग्राफ दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। हर दिन यहां हत्या, बलात्कार, मारपीट, चोरी और डकैती की घटनाएं देखने-सुनने को मिल रहीं हैं। अपराधी बेखौफ होकर ऐसी जघन्य घटनाओं को अंजाम देकर साफ बच रहे हैं। अपराधियों को तनिक भी भय नहीं है। अपराधी जब चाहें कहीं भी किसी भी गांव-शहर राज्य में अपराध कर देते हैं। दरअसल, यहां हर चीज का राजनीतिकरण हो रहा है।

गंभीर अपराध करने के बाद भी अपराधियों को पर्याप्त सजा नहीं मिलने के कारण आज हमारे पूरे समाज में अपराधों, विशेषकर यौन शोषण में भारी वृद्धि हुई है। यह बेहद गंभीर चिंता का विषय है। समाज और सरकार का इस ओर ध्यान ही नहीं है। इसलिए अपराधों का बढ़ना स्वाभाविक है। आज का युवा पथभ्रष्ट हो गया है। युवा होने से पहले ही किशोर तरह-तरह के जघन्य अपराध कर रहे हैं। अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़कर युवा किसी भी तरह से अपने अधिकारों को पाना चाहते हैं। युवाओं में नैतिकता का घोर अभाव है। उनके जीवन में नशे की आदत बढ़ते अपराध ग्राफ का मूल कारण है। युवा वर्ग अपने माता-पिता, बुजुर्गों और शिक्षकों के प्रति असंवेदनशील होता जा रहा है। वह हमेशा अपने मोबाइल फोन पर व्यस्त रहता है। अश्लीलता उस पर भारी पड़ रही है। नैतिकता और नैतिक शिक्षा के बिना वह आपराधिक गतिविधियों में फंस जाता है। हमारे समाज में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जाना हम सभी के लिए गंभीर चिंतन एवं चिंता का विषय है।

अपराधियों को किसी की परवाह नहीं होती। वे कानून या सजा से डरते नहीं हैं। वे बेखौफ होकर जघन्य अपराध कर रहे हैं। ऐसे जघन्य अपराध हमारे समाज पर कलंक हैं। हर दिन ऐसी घटनाओं के बारे में पढ़ना दिल दहला देने वाला है। ऐसा क्यों हो रहा है? आइये इस पर चर्चा करें। सामाजिक मूल्यों में गिरावट, जनसंख्या में निरंतर वृद्धि, बढ़ती बेरोजगारी और बड़े पैमाने पर नशे की लत के कारण पूरे समाज में अपराध बढ़ रहा है। नि:संदेह कानून के हाथ लंबे हैं, लेकिन कानून अपना काम भी समय पर नहीं करता। लचीले कानूनों के कारण हमारे समाज में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है।

महानगरों, शहरों, कस्बों और गांवों में अपराध बढ़ रहा है। इस समय एक बड़ी चिंता का विषय है- बलात्कार के बढ़ते मामले। महिलाओं से लेकर छोटी, कोमल बच्चियों तक नर पिशाच जानवरों का शिकार बन रही हैं। सच्चाई यह है कि बलात्कार करने वाले लोग अक्सर अपने प्रियजनों, पड़ोसियों और यहां तक कि रिश्तेदारों के करीबी होते हैं। लुटेरे हर जगह घूम रहे हैं। दिनदहाड़े चोरी, डकैती, वाहन चोरी, हत्या और गोलीबारी आजकल आम बात हो गई है।

इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि जो व्यक्ति अपने घर से काम पर निकला है वह वापस घर लौटेगा भी या नहीं। दरअसल, युवाओं में अनुशासनहीनता, काम के प्रति उदासीनता, लापरवाही, आलस्य आदि आम सी बात हो गई है। समाज में अपराधों की बढ़ती संख्या भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। आजकल बच्चों और बड़ों दोनों को बीड़ी पीते, गुटखा चबाते और विभिन्न प्रकार के नशे करते देखना आम बात हो गई है। अश्लीलता उनके दिलों में गंदगी की तरह भर गई है। समाज में जिम्मेदार लोग अपने कर्तव्यों से भाग रहे हैं। सरकारें कुछ नहीं कर रही हैं। राजनेता जलती आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। इसके कारण समाज में अपराध दिन-प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहे हैं। यह अत्यंत दु:ख और खेद का विषय है कि न्यायिक प्रक्रिया में खामियों के कारण बलात्कार और हत्या के आरोपी बिना उचित प्रक्रिया के ही बरी हो जाते हैं। कितनी शर्म की बात है ! समाज में अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाना चाहिए। हम सभी को अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए। समय रहते नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध लगाना अत्यावश्यक है ।

इस विषय में देरी हमारे समाज को खत्म कर देगी। मीडिया को भी गंभीरता से काम करना चाहिए। ऐसी घटनाओं का कतई राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। न्याय प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। समाज का जागरूक होना जरूरी है। स्कूलों और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा अनिवार्य की जानी चाहिए। अपराधियों और पुलिस के बीच गठजोड़ को खत्म करना बेहद जरूरी है। अपराधियों के खिलाफ, विशेषकर यौन उत्पीड़न के मामलों में शीघ्र ही आरोप पत्र दाखिल किए जाने चाहिए। ऐसे मामले पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में विचार किया जाना चाहिए। अपराधियों को ऐसी कठोर सजा दी जानी चाहिए कि उन्हें यह संदेश मिले कि यदि उन्होंने किसी भी तरह का अपराध किया तो वे आसानी से कानून के शिकंजे से बच नहीं पाएंगे, लेकिन इसके लिए सामूहिक प्रयास बहुत जरूरी हैं।

युवाओं को गलत रास्ते पर जाने से रोका जाना चाहिए। उनकी मानसिकता में बदलाव जरूरी है। इसके लिए उचित शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों का प्रावधान होना चाहिए। अपराधियों के रहते अपने देश के विकास की बात सोचना भी मूर्खता होगी। एक स्वस्थ समाज ही एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करेगा इसलिए आइए हम कदम दर कदम अपराध को खत्म करें। इससे हमें और हमारे राष्ट्र को लाभ होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

प्रोसेस्ड, फास्ट फूड से बढ़ता स्वास्थ्य संबंधी जोखिम

लेखक :डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण बदल रही है। यह प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का भी कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय संबंधी विकार जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं।

फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण संबंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड, जिसमें कैलोरी, चीनी और खराब वसा अधिक होती है, मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम और वजन बढ़ाता है। फास्ट फूड के लगातार सेवन से बच्चे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की तुलना में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे संतुलित आहार और पौष्टिक भोजन चुनने की उनकी संभावना कम हो जाती है। आजकल, बहुत से युवा फास्ट फूड पसंद करते हैं।

स्वाद के लिए स्वास्थ्य का जोखिम : फास्ट फूड जल्दी से जल्दी खाने और स्वाद के लिए बनाया जाता है और यह ज्यादा पका हुआ, अत्यधिक प्रोसेस्ड होता है। मानव शरीर बिना प्रोसेस्ड, अत्यधिक रेशेदार और कम से कम पके हुए खाद्य पदार्थों के लिए बना है इसलिए वे पूरी तरह से अनुपयुक्त हैं। फास्ट फूड से शुगर स्पाइक्स इंसुलिन प्रतिरोध, वजन बढ़ने, वसा संश्लेषण और मधुमेह में पैदा करते हैं। भारत में फैलते फास्ट फूड उद्योग में बर्गर, पिज्जा, पानी-पूरी व चाट मसाला कियोस्क और पावभाजी-समोसा के ठेले शामिल हैं।

बढ़ता मोटापा, मधुमेह की समस्या: मोटापा और मधुमेह दोनों तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारे शरीर को स्वस्थ कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, जिसे मक्खन, दूध और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों से प्राप्त किया जा सकता है। हमारे शरीर को खराब कोलेस्ट्रॉल से नुकसान होता है। सड़क पर फास्ट फूड तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले खाना पकाने के तेल में उच्च ट्राइग्लिसराइड (खराब कोलेस्ट्रॉल) सामग्री होती है, जिसे खाने से खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का प्रमुख हिस्सा है, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं।

विज्ञापन का मायाजाल : फास्ट फूड कंपनियां अपने उत्पादों को कूल और मनोरंजक दिखाने के लिए भ्रामक विज्ञापन का उपयोग करती हैं, जो इसके विस्तार की एक और वजह है लोगों और खासकर युवाओं को आकर्षित करने के लिए इसके प्रचार के लिए दुनिया के नामीगिरामी हस्तियों का चेहरा इस्तेमाल होता है और आकर्षक नारों व टैगलाइन का सम्मोहन अलग होता है। अपनी बुद्धिमत्ता और शिक्षा के बावजूद लोग कभी-कभी अपने स्वास्थ्य पर संभावित हानिकारक प्रभावों पर विचार करने के बजाय फास्ट फूड खाने को प्राथमिकता देते हैं। उन्हें भी पता है कि यह अच्छा विकल्प नहीं है, लेकिन वे इसे चुनते हैं, क्योंकि यह बहुत सरल और स्वादिष्ट है।

प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में युवा लोग ज्यादा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खा रहे हैं। बाजरा जैसे पारंपरिक अनाज की जगह रिफाइंड अनाज और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ ले रहे हैं। बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष की शुरुआत की थी।

संकट में खानपान से जुड़ी हमारी विशिष्टता: वैश्वीकरण के कारण क्षेत्रीय व्यंजन अपनी विशिष्टता खो रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में किण्वन-आधारित आहार और अन्य पारंपरिक खाना पकाने की तकनीकें लोकप्रिय नहीं हो रही हैं। खानपान की बदलती आदतों के कारण त्योहारों और धर्मों से जुड़ी खास पाक परंपराएँ अपना महत्त्व खो रही हैं। नियमित रूप से फास्ट फूड खाने से अंतत: कई स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं। अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए इसे सीमित करना लक्ष्य है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

चिट्टा इस सुंदर से हिमाचल को इस कद्र काला कर रहा है कि हम हिमाचली लोगों ने इसकी कल्पना भी नहीं की थी। चिट्टा आज यंग पीढ़ी के नस-नस में घुसता जा रहा है। आज हर माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित है कि कहीं उनका बच्चा भी इस लत में न फंस जाए। आखिर यह चिट्टा है क्या? एक ऐसा नशा जिसका अंत सिर्फ मौत है। एक बार किसी को चिट्टे की लत लग गई और वह उसे समय पर नहीं छोड़ पाया तो समझो चंद सालों में उसका अंत निश्चित है। इसके चंगुल में फंस रहे हैं गांव के गांव। पूरा समाज इसकी चपेट में आ रहा है। यह नशा कारोबार बनता जा रहा है बस हिमाचल में यही हो रहा है। बड़े कारोबारी इसमें मौका तलाश रहे हैं। वो चिट्टे के जहर का व्यापार कर रहे हैं। जिसे इसकी लत लग गई, वो इस जहर को खरीदने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार बैठा है।

रमेश चंद, धर्मशाला

बायोलॉजिकल क्लॉक के संकेत से नियमित कर सकते हैं शारीरिक गतिविधियां

लेखक : डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

बदलती जीवनशैली और आधुनिकता की दौड़ में हम बायोलॉजिकल क्लॉक के संकेतों को समझना ही भूल गए हैं। बायोलोजिकल क्लॉक यानी सर्केडियन रिदम को समझना इतना मुश्किल भी नहीं है अपितु यह कहा जाए कि बायोलॉजिकल क्लॉक के संकेतों से हम वाकिफ होने के बावजूद उन्हें महत्व नहीं देते और इसी का कारण है कि हम तेजी से मोटापा, डायबिटीज, लिवर, डिप्रेशन, अनिद्रा और यहां तक कि आसानी से मानसिक बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। यह आम आदमी के लिए भले हैरत की बात हो पर जिस तरह हमारी दिनचर्या घड़ी के हिसाब से चलती है, उसी तरह से हमारे शरीर में प्रकृति द्वारा पहले से ही घड़ी बनाई होती है।

बॉडी क्लॉक या सर्केडियन रिदम के संकेतों को हम समझने लगें तो स्वास्थ्य से संबंधित बहुत-सी समस्याओं से आसानी से समय रहते बच सकते हैं। प्रकृति बॉडी क्लॉक के माध्यम से हमें पल-पल संकेत देती रहती है। सोते-जागते उसके संकेत हमें मिलने के बावजूद हम उन्हें जाने-अनजाने समझने में भूल कर बैठते हैं। जिस तरह हमारी दिनचर्या घड़ी के हिसाब से चलती है ठीक उसी तरह से हमारी दिनचर्या को जाने अनजाने में बॉडी लॉक नियंत्रित करने में प्रमुख भूमिका निभाती है।

सोना-जागना, खाना-पीना, यहां तक कि शरीर का तापमान और शारीरिक गतिविधियों को बॉडी क्लॉक प्रभावित करती है। बायोलॉजिकल क्लॉक यानी बॉडी क्लॉक हमारी मनोदशा को भी प्रभावित करती है। दरअसल हमारे शरीर को बायोलोजिकल आवश्यकताओं की जानकारी होती है। कब सोना है, कब जागना है, कब खाना है, कितना खाना है आदि के संकेत स्पष्ट रूप से हमारी बॉडी देती है। होता यह है कि हम उस ओर ध्यान नहीं देते और इसी कारण अनेक बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। बायोलॉजिकल क्लॉक के महत्व को इसी से समझा जा सकता है कि 2017 में अमेरिका के तीन वैज्ञानिकों को उनके बॉडी क्लॉक के अध्ययन और निष्कर्ष पर नोबल पुरस्कार मिल चुका है। यदि हम परंपरागत दिनचर्या देखें तो बॉडी क्लॉक के बारे में पूरी तरह से समझा जा सकता है। हमारी परंपरागत अधिकांश गतिविधियां बॉडी क्लॉक के अनुसार होती है। सूर्योदय से पहले उठने से लेकर रात को सोने तक की सभी गतिविधियां बॉडी क्लॉक के अनुसार निर्धारित है। माना जाता है कि शरीर का सबसे कम तापमान प्रात: 4 से 4.30 के लगभग रहता है। इसी तरह से प्रात: वर्कआउट के स्थान पर योग पर जोर रहता था।

सुबह के पूजा-पाठ में योग का अपना महत्व रहता था। प्राणायाम, ध्यान, मुद्राओं का प्रदर्शन आदि योग के ही हैं और सुबह के समय इसको प्राथमिकता दी जाती रही है। सुबह के समय कार्टिसोल का अधिक स्राव व अन्य कारणों से हार्ट अटैक की अधिक आशंका रहती है। इसी तरह बॉडी क्लॉक की मानें तो प्रात: 10 बजे के आसपास का समय सबसे अधिक एक्टिव होता है तो तीन बजे से पांच बजे के आसपास का समय विचार-विमर्श आदि के लिए उपयुक्त माना जाता रहा है। सायं 7 बजे के आसपास शरीर का तापमान अधिक होता है, ऐसे में शांत रहना चाहिए। शाम 6 से साढ़े 6 बजे ब्लडप्रेशर अधिक होता है, ऐसे में दिल के मरीजों को इस समय सतर्क रहना चाहिए। इसी तरह रात 9 बजे नींद का प्रभाव आरंभ हो जाता है। माना जाता है रात 2 बजे गहरी नींद का समय होता है। शाम 5 से साढ़े 5 बजे एक्सरसाइज के लिए उपयुक्त समय माना जाता है। समझने की कोशिश करें तो यह गोधूली बेला है। इस समय में कुछ आगे-पीछे हो सकता है पर यह साफ है कि बॉडी क्लॉक बड़े सिस्टेमेटिक तरीके से काम करते हुए संकेत देती है जिसे समझना और उसके अनुसार दिनचर्या को नियमित करने से बहुत-सी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से बचा जा सकता है। हालांकि बॉडी क्लॉक की रिदम व्यक्ति में अलग-अलग हो सकती है।

इसके साथ ही दिनचर्या के अनुसार उसमें बदलाव होता रहता है। हमारे सोने, जागने और खाने-पीने के समय आदि को बॉडी क्लॉक सर्वाधिक प्रभावित करती है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है तो नींद नहीं आना, डिप्रेशन, याददाश्त खोना, टेंशन, मानसिक समस्याएं, यहां तक आज की सबसे गंभीर बीमारी टाइप 2 डायबिटीज और मोटापा, दिल की बीमारी और कैंसर तक को बॉडी क्लॉक के इशारों को नहीं समझने को माना जाता है। जिनकी दिनचर्या नियमित नहीं होती है उन्हें ही इन समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। यदि हम संकेतों को समझने में सफल हो जाते हैं और उनके अनुसार अपनी जीवनशैली में बदलाव लाते हैं तो कई स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल प्रदेश देवी-देवताओं की भूमि और धार्मिक परंपराओं की धरोहर

लेखक : हितेंद्र शर्मा
साहित्यकार

हिमाचल प्रदेश को 'देवभूमि' के नाम से जाना जाता है। यहां की हर घाटी, पहाड़ और गांव अपने आप में पवित्रता और धार्मिक आस्थाओं का प्रतीक है। देवभूमि हिमाचल न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है बल्कि यहां की धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर ने भी एक अद्वितीय पहचान दी है। हिमाचल प्रदेश का इतिहास अत्यंत प्राचीन है, जहां देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना और देव परंपराएं आज भी जीवंत हैं।

यह राज्य अपने धार्मिक आयोजनों, अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। राज्य का इतिहास प्राचीन देव संस्कृति में रचा-बसा है, जहां देवी-देवताओं की पूजा और उनसे जुड़ी मान्यताएं आज भी जीवंत हैं।

इन परंपराओं में गहरी आस्था और सांस्कृतिक धरोहर झलकती है, जो इसे अन्य प्रदेशों से अलग और अद्वितीय बनाती हैं।

धार्मिक आयोजन और देव नीति: हिमाचल प्रदेश में धार्मिक आयोजन केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें गहन आध्यात्मिकता और पवित्रता निहित होती है। हर गांव में किसी न किसी देवता का मंदिर है, और प्रत्येक देवता की अपनी मान्यताएं और नियम हैं। यहां के धार्मिक अनुष्ठान 'देवनिति' के अनुसार होते हैं, जिसमें विद्वान पुरोहित और देव समाज के अनुभवी लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देवताओं को यहां जीवंत माना जाता है, और उनके कार्य (जैसे देव यात्रा, जातर, या नृत्य) आस्था और परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। देवकार्य के दौरान लोग अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को देवता के सामने रखते हैं और समाधान पाते हैं।

हिमाचल के विशिष्ट रीति-रिवाज: हिमाचल प्रदेश के रीति-रिवाज अन्य प्रदेशों से भिन्न और विशिष्ट हैं। यहां की संस्कृति में सामाजिक समरसता, प्रकृति के प्रति सम्मान और आस्था का गहरा प्रभाव है। देवठी की परंपरा-देवता के स्थान (देवठी) का संचालन देव समाज द्वारा किया जाता है। इसमें सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं। देव यात्रा और नृत्य- यहां देवता अपने अनुयायियों के साथ यात्रा पर निकलते हैं। इस यात्रा में देव नृत्य और संगीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक अनुष्ठान- इन अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है, और ये कर्मकांड पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे हैं।

कैमरा और प्रचार-पवित्रता पर प्रश्नचिन्ह : आधुनिक तकनीक और प्रचार के इस दौर में हिमाचल की धार्मिक परंपराओं पर भी बदलाव का असर दिखने लगा है। देव कार्यों के दौरान फोटोग्राफी और सोशल मीडिया पर प्रचार से धार्मिक आयोजनों की पवित्रता पर सवाल खड़े होते हैं। कभी-कभी धार्मिक आयोजनों में प्रतिस्पर्धा और व्यावसायिकता देखने को मिलती है, जो परंपराओं की मूल भावना के विपरीत है। हालांकि हिमाचल की धार्मिक परंपराएं अत्यधिक पवित्र मानी जाती हैं।

देव समाज के जिम्मेदार लोग और पुरोहित अक्सर यह अपील करते हैं कि देवकार्य और अनुष्ठानों को कैमरे और प्रचार से दूर रखना चाहिए। उनका मानना है कि देवकार्य आस्था और सेवा का प्रतीक है, न कि दिखावे या प्रसिद्धि का, लेकिन बदलते समय में कई बार लोग अति उत्साह में इन आयोजनों को कैमरे में कैद करने और प्रचारित करने की कोशिश करते हैं। इससे आयोजन हिमाचल की देवभूमि को उसी पवित्रता और श्रद्धा के साथ जीवंत रखने का प्रयास करना चाहिए, जो इसे सदियों से विशेष बनाता आया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

महाशिवरात्रि में देव कृपा

बाबा भूतनाथ मंदिर परिसर में बैठे विष्णु नारायण।

बाबा भूतनाथ मंदिर के ठहराव प्रांगण में बैठे देवता व पीछे बैठे देवलू, जो बारिश के रुकने का इंतजार करते रहे।

बाबा भूतनाथ मंदिर परिसर में देवलुओं संग देवता।

बारिश ने थामी महाशिवरात्रि महोत्सव की रफ्तार

अनिल शर्मा, मंडी

अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव के शुभारंभ से ही लगी बारिश से सबकुछ अस्त व्यस्त हो गया है। शुक्रवार को बारिश के बावजूद भक्तों को दर्शन देने के लिए पक्के शिविरों में आधा दर्जन के करीब देवी-देवताओं ने दर्शन दिए, तो अधिकतर देवी देवता संस्कृति सदन, बाबा भूतनाथ मंदिर, त्रिलोकीनाथ, जग्गन्नाथ मंदिर सहित लोगों के घरों में ठहरे रहे। देवलू भी अपने आराध्य देवों के साथ ही बैठे रहे।

वहीं सेरी चानणी के आसपास लगाई कुर्सियां भी समेट कर उनकी साफ सफाई की गई। सब जगह पानी ही पानी होने के कारण लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दिनभर पड्डल मैदान में सन्नाटा छाया रहा।

व्यापारी बारिश के बंद होने का इंतजार करते रहे। शहर के बुजुर्गों ने बताया कि पिछले 30 साल में पहली बार महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान ऐसा मंजर देखने को मिला है। हालांकि पूर्व में कई बार बारिश हुई है, लेकिन शुभारंभ पर चाहे चार घंटे ही मौसम साफ रहता, रहता जरूर था।

पिछले 50 साल में तीन दिन लगातार नहीं हुई है ऐसी बारिश

इस बार लगातार हो रही बारिश ने पिछले पांच दशकों के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जब भी बारिश होती थी तो प्रशासन व लोग कमरूनाग के पास फरियाद लेकर जाते थे, जिसके उपरांत मौसम साफ हो जाता था, लेकिन इस बार मौसम साफ होने का नाम ही नहीं ले रहा है। कुछ लोग इसे राठी समुदाय के खिलाफ बोले गए शब्दों का परिणाम भी बता रहे हैं, जो मेले से दो सप्ताह पहले विवाद का कारण भी बना था।(अनंत ज्ञान)

मुकेश अग्निहोत्री 2 को मंडी में

मुकेश अग्निहोत्री 2 मार्च को मंडी प्रवास पर रहेंगे। प्रवास कार्यक्रम के अनुसार वह दोपहर 12 बजे मंडी पहुंचेंगे। इसके उपरांत शिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में उपायुक्त कार्यालय परिसर से पड्डल मेला स्थल तक निकलने वाली मध्य शोभायात्रा में भाग लेंगे। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री शाम को सेरी मंच पर आयोजित चौथी सांस्कृतिक संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

बारिश के कारण सूना पड़ा पड्डल मैदान और कीचड़ का दृश्य।

देवलुओं की चांदी की दो छड़ें पुलिस के पास

पड्डल में स्थित पेट्रोल पंप पर किसी देवी या देवता की दो चांदी की छड़ें कोई देवलू भूल गए हैं जो कि शहरी चौकी में पुलिस के पास सुरक्षित रखी हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से कहा गया है कि जिस किसी की यह छड़े हों तो शहरी पुलिस चौकी से पहचान बता कर ले जा सकते हैं।

देवलू बजाते रहे वाद्ययंत्र

बारिश के बीच थोड़ी थोड़ी देर बाद देवलू पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाते रहे। वाद्ययंत्र बजाते ही श्रद्धालुओं और लोगों के मन में आस जागती रही कि बारिश थम गई होगी और देवता पड्डल मैदान की ओर प्रस्थान करेंगे, लेकिन जैसे ही घर से बाहर देखते तो बारिश लगी हुई मिलती। हालांकि देवलू वाद्ययंत्र बजाते रहे, लेकिन इस बार बारिश के कारण लग ही नहीं रहा कि मेले की रौनक है।

जलमग्न हुआ अस्थायी पंडाल

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव मंडी के इतिहास में पहली बार बड़े स्तर पर महाशिवरात्रि की संध्या पर ब्यास आरती का आयोजन किया गया था। मंडी नगर के सुप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक पंचवक्त्र मंदिर के सामने पौराणिक नदी बिपाशा के तट पर काशी के पंडितों की अगवानी में की गई ब्यास आरती ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंगों से सराबोर कर दिया था, लेकिन शुक्रवार को अचानक ब्यास नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण यह अस्थाई पंडाल पानी में जलमग्न हो गया।

मंडयाली गीता पाठ और बहुभाषी कवि सम्मेलन हुआ

अनंत ज्ञान, मंडी। शिवरात्रि महोत्सव-2025 के उपलक्ष्य में साहित्य चूड़ामणि पंडित भवानीदत्त शास्त्री की स्मृति में मंडयाली गीता पाठ एवं बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन मेला कमेटी की ओर से संस्कृति सदन कांगणीधार में किया गया। इस अवसर पर एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकतकी। जबकि कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार गंगा राम राजी ने की।

इस अवसर पर श्रोताओं ने गीता श्रेणी की महिलाओं द्वारा किए गए सस्वर मंडयाली गीता पाठ व कवियों की कविताओं का लुत्फ उठाया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में एसपी मंडी साक्षी वर्मा र ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि साहित्य की समाज के मार्गदर्शन में अहम भूमिका हैं , वहीं साहित्यकार वर्ग को एक समाज सुधारक के रूप में कार्य करते हुए अपने दायित्व को समझना होगा तभी हमारा देश विभिन्न समस्याओं से मुक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि साहित्य और संगीत से मन को ऊर्जा मिलती है और इससे अपने क्षेत्र में कार्य करने की दक्षता भी बढ़ती है।

महाशिवरात्रि मेले के दंगल में बरसेंगे लाखों के इनाम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि मेला मंडी में हर वर्ष की भांति तीन दिवसीय कुश्ती दंगल इस वर्ष भी 3-4, 5 मार्च को आयोजित जाएगा। दंगल में इस बार चार प्रकार के खिताबों के लिए कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। दंगल में इस बार हिमाचल कुमार की उम्र 21 वर्ष (जिनका जन्म वर्ष 2004, 2005, 2006,2007 में हुआ है) भाग ले सकते हैं।

मंडी कुमार के लिए उम्र 17 वर्ष रखी गई है जिनका जन्म वर्ष 2008, 2009, 2010, 2011) में हुआ है, वे भाग लेंगे। जिला मंडी के पहलवानों में एक जनवरी 2008 के बाद जन्मे जिला मंडी के सभी पहलवान भाग ले सकते हैं। ये पहलवान अपनी योग्यता के हिसाब से हिमाचल कुमार में भी लड़ सकते हैं। हिमाचल कुमार पहली बार करवाया जा रहा है, जिसकी उम्र 21 वर्ष रहेगी, जिसमें एक जनवरी 2004 के बाद जन्मे पहलवान पात्र होंगे। हिमाचल कुमार 21 वर्ष और मंडी कुमार 17 वर्ष वालों की एंट्री तीन मार्च 2025 को 12 बजे तक रहेगी, जिसके लिए उन्हें आधार कार्ड तथा जन्म प्रमाण पत्र, हिमाचली बोनाफाइड लाना होगा।

बड़ी कुश्तियां 4 मार्च को

कुश्ती कमेटी के संयोजक पुलिस उप अधीक्षक धर्मपुर संजीव सूद और सह संयोजक डॉ. संजय यादव (परशुराम अवार्डी) ने बताया कि दंगल निम्न इनाम बांटे जाएंगे। महाशिवरात्रि भारत केसरी (खुली श्रेणी) के विजेता को 55000, उप विजेता को 45000, तृतीय स्थान के विजेता को 15,000 रुपए इनाम दिया जाएगा। हिमाचल कुमार (21वर्ष) के विजेता को 27000, उपविजेता को 23000, तृतीय स्थान 71,00 रुपए इनाम दिया जाएगा। वहीं मंडी कुमार (17- वर्ष) विजेता को 17,000, उप विजेता को 13,000, तृतीय स्थान 61,00 रुपए इनाम दिया जाएगा। महिला शिवरात्रि केसरी (खुली श्रेणी) को विजेता को 15000, उप विजेता को 11000, तृतीय स्थान 51,00 रुपए इनाम दिया जाएगा।

इन पहलवानों को भेजा न्योता

स्थानीय पारंपरिक पहलवानों की सामान्य कुश्ती में अच्छे ईनाम पर करवाई जाएगी। कुश्ती कमेटी के सह संयोजक एवं तकनीकी निदेशक डॉ. संजय यादव ने बताया कि बड़े पहलवानों में भारत केसरी स्तर के बड़े पहलवान को आमंत्रित किए जा रहे हैं, जिनमें मुख्य रूप से मोनू दिल्ली, कमलजीत दुमछड़ी, भूपिंदर अजनाला, प्रीतपाल फगवाड़ा, सोम्बीर रोहतक, रोहित दिल्ली, बबलू दिल्ली, विकास रोहतक सहित हरियाणा, दिल्ली और पंजाब के नामी पहलवानों को बुलाया जाएगा। हिमाचल के भी पहलवानों में अजय लोहारा, देव मंडी, पंकज मंडी, मुकेश धवाल, दीपक बनी, गोपाल पहलवान, अर्षद्वीप ऊना, सुमित चंबा, शुभम नालागढ़ और सोनू कांगड़ा, अभिषेक कांगड़ा आदि अनेक पहलवान शामिल हैं। महिला पहलवानों में हमीरपुर की राष्ट्रीय पदक विजेता कृतिका, बिलासपुर की अभिलक्शा और सोनिका और हरियाणा, हिमाचल की बहुत पहलवान बुलाई जाएंगी।

लड़कियों के कुश्ती मुकाबलें का फाइनल 4 मार्च को

डॉ. संजय यादव ने बताया कि इस बार कुश्ती कमेटी के संयोजक पुलिस उप अधीक्षक धर्मपुर संजीव सूद के नेतृत्व में बहुत अच्छी कुश्तियों का आयोजन किया जाएगा।

सांस्कृतिक संध्या में श्रीलंका से आए कलाकारों ने दीं मनभावन प्रस्तुतियां

अनंत ज्ञान, मंडी

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वीरवार सायं दीप प्रज्वलित कर अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया था। इस अवसर पर जिला प्रशासन मंडी ने मुख्यमंत्री को धर्मपुर के रेशम से बनी शॉल, हिमाचली टोपी और स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

पहली सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण सूफी गायक लखविंद्र वडाली रहे, जबकि इंडिया आइडल फेम नेहा दीक्षित ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्य कलाकारों ने भी कार्यक्रम के दौरान दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में श्रीलंका से आए कलाकारों ने भी अपनी मनभावन प्रस्तुतियां दीं।

वीरवार प्रातः से ही मंडी में

नेहा दीक्षित ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

लगातार हो रही बूंदाबांदी के बावजूद पहली सांस्कृतिक संध्या में दर्शक खासे उत्साहित नजर आए। विधायक चंद्रशेखर और सुरेश कुमार, पूर्व मंत्री ठाकुर कौल सिंह और प्रकाश चौधरी, एपीएमसी मंडी के अध्यक्ष संजीव गुलेरिया, कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष राम चंद्र पठानिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोहन लाल ठाकुर, चम्पा ठाकुर, पवन ठाकुर, जीवन ठाकुर, नरेश चौहान, जगदीश रेड्डी, विजय पाल, चेत राम ठाकुर, उपायुक्त अपूर्व देवगन, पुलिस अधीक्षक साक्षी वर्मा और अन्य गणमान्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

करसोग उपमंडल में सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित

लक्की, करसोग। बारिश के कारण करसोग उपमंडल में अनेक संपर्क मार्ग और रास्ते प्रभावित हुए हैं। जिसके दृष्टिगत एसडीएम करसोग गौरव महाजन ने उपमंडल के सभी स्कूलों में आज 28 फरवरी के दिन छुट्टी घोषित कर दी है। एसडीएम गौरव महाजन ने बताया कि उपमंडल में निरंतर हो रही भारी बारिश के कारण अनेक सम्पर्क मार्ग और रास्ते प्रभावित हुए हैं। बच्चों को स्कूल आने जाने में होने वाली परेशानी से बचाने और बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 34 के अंतर्गत स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। उपमंडल के सभी राजकीय और निजी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र इत्यादि बंद रहेंगे, जबकि उपमंडल के सीबीएसई अन्य बोर्ड से संबंधित स्कूलों में पूर्व निर्धारित बोर्ड परीक्षाएं पहले से निर्धारित समयानुसार ही होंगी।

संधोल में एग्रो प्रोसिसिंग एंड मॉर्केटिंग सेंटर होगा स्थापित

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। धर्मपुर किसान उत्पादक सहकारी सभा संधोल तहसील कमेटी की बैठक आज जनता सराय संधोल में हरिनंद की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें एफपीओ प्रबधंक कमेटी के सचिव भूपेंद्र सिंह और वर्किंग कमेटी के संगठन महासचिव युद्धवीर सिंह ठाकुर विशेष तौर पर शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि संधोल क्षेत्र में पैदा होने वाली फसलों पर आधारित खाद्य सामग्री तैयार करने के लिए लघु प्रोसिसिंग सेंटर स्थापित किया जाएगा जिसको 31 मार्च तक पंजीकृत करवा लिया जाएगा। इसके लिए 15 सदस्यीय महिला कमेटी गठित की गई जिसमें सकीना को प्रभारी तथा पूजा, शन्नो, कुमकुम, किरण, भवना, कमलेश, इंदिरा, माया, रीनू, चंपा राणा, ममता, मति देवी आदि को सेंटर कमेटी का सदस्य बनाया गया। नवगठित कमेटी की अगली बैठक 5 मार्च को रखी गई है और उस दिन इसमें और सदस्य भी शामिल की जाएंगी। बैठक में ये भी निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में एरिया कमेटी का पुनर्गठन किया जाएगा, जिसमें महिलाओं और सक्रिय सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की दिलाई शपथ

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। राजीव गांधी स्मारक महाविद्यालय जोगिंद्रनगर में सड़क सुरक्षा क्लब के सदस्यों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिनमें लगभग 60 विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया प्रो. निशा वैद्य ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन की शपथ दिलाई।

वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के लिए किया जागरूक

अनंत ज्ञान, मंडी। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2025 के वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन महिला समृद्धि पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मंडी में किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत राज आनंद, भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रमुख जिला अधिकारी और एफएलसी हरि सिंह कौंडल ने की, जिसका उद्देश्य महिलाओं को उनके वित्तीय कल्याण और स्वावलंबन में सुधार लाने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला प्रतिभागी, विद्यार्थी और आईटीआई मंडी के फैकल्टी सदस्य शामिल हुए।

लापता व्यक्ति सेफ्टी टैंक में मिला मृत

आदर्श, नेरचौक। बल्ह उपमंडल के गागल से लापता एक व्यक्ति सेफ्टी टैंक में मृत मिला है। जानकारी के अनुसार गागल निवासी बलबीर ने पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई है कि उसका भाई अमरनाथ उम्र 60 वर्ष तीन-चार दिनों से लापता था। गागल अस्पताल के साथ लिंक रोड में बने सेफ्टी टैंक का ढक्कन खुला होने के चलते उसका भाई उसमें गिर गया था। सेफ्टी टैंक में गिरने से उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि सेफ्टी टैंक का ढक्कन खुला होने के कारण उसके भाई की मौत हुई है पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है मामले की पुष्टि थाना प्रभारी संजय कुमार ने की है।

जिले में 28 सड़कें और 151 विद्युत ट्रांसफार्मर हुए बंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

मंडी जिला में लगातार हो रही भारी बारिश और बर्फभारी से शुक्रवार सायं तक 28 सड़कें और 151 विद्युत ट्रांसफार्मर बंद हैं। सड़कों और ट्रांसफार्मर को बहाल करने के लिए टीमें पूरी तत्परता के साथ लगी हुई हैं। सड़कों को बहाल करने के लिए 28 जेसीबी कार्य कर रही हैं।

फील्ड स्टाफ युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। एडीएम मंडी डॉ. मदन कुमार ने बताया कि वर्षा ज्यादा होने से सड़कों और विद्युत सप्लाई की बहाली का कार्य प्रभावित हो रहा है। इसके बावजूद सड़कों और विद्युत सप्लाई को बहुत जल्दी बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से कहा कि लगातार हो रही बारिश नदी नालों का जलस्तर बढ़ गया है, किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए आम नागरिक नदी से दूर रहें।

उन्होंने कहा कि कुल्लू जिला में लगातार हो रही वर्षा से पंडोह डैम में पानी आने की मात्रा बढ़ गई है। बीबीएमबी और स्थानीय प्रशासन द्वारा लोगों को नदी से दूर जाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। पंचायत प्रधानों को भी इस बारे सूचित कर दिया गया है।

भू-स्खलन से रामनगर सड़क अवरुद्ध ज्यूडिशियल क्वार्टर को बना खतरा

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

रामनगर संपर्क मार्ग पर ज्यूडिशियल क्वार्टर के नीचे भूस्खलन हो गया, जिससे सड़क अवरुद्ध हो गई है। भूस्खलन के कारण न केवल ज्यूडिशियल क्वार्टर को खतरा उत्पन्न हो गया है, बल्कि पास में लगे बिजली का खंभा भी गिरने की कगार पर हैं। सड़क पर कीचड़ फैलने से स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने प्रभावित स्थल को तिरपाल से ढक दिया है, ताकि दोबारा भूस्खलन न हो।

हालांकि, कुछ दिन पहले ग्रामीणों के दबाव में विभाग ने यहां से मिट्टी हटाई थी, लेकिन लगातार हो रही बारिश के चलते फिर से भूस्खलन हो गया, जिससे हालात बिगड़ गए हैं। अब ग्रामीणों ने प्रशासन से यहां स्थायी डंगा लगाने की मांग की है।

बिल के विरोध में सरकाघाट में वकीलों ने किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

प्रस्तावित एडवोकेट एमेंडमेंट बिल को लेकर सरकाघाट वार एसोसिएशन की बैठक वार एसोसिएशन अध्यक्ष राजपाल सिंह की अध्यक्षता में बार एसोसिएशन रूम में आयोजित की गई। इस बैठक में वकीलों ने बताया कि केंद्र सरकार एडवोकेट अमेंडमेंट बिल लाई है ये बिल वकील विरोधी है जिसकी बार एसोसिएशन निंदा करती और इसे वापस लेने की मांग की गई है जिसमें कहा है कि जब तक बिल वापस नहीं लिया गया तब तक हड़ताल चलती रहेगी। बैठक के बाद सभी वकीलों ने संयुक्त कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी क वार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष भूप सिंह एडवोकेट अमेंडमेंट बिल को पेशेवर वकील की स्वतंत्रता पर करारा हमला है।

उधर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजपाल सिंह ने कहा कि हम इस बिल की निंदा करते हैं। इस मौके पर बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनीष, महासचिव राजिंद्र भारद्वाज व पूर्व उपाध्यक्ष दिनेश कुमार, वरिष्ठ एडवोकेट दलेर सिंह, खें चंद ठाकुर, तेज सिंह ठाकुर, किशोर चंद, पंजाब सिंह आदि शामिल रहे।

पहाड़ी से गिरे पत्थरों से बस पलटी

अनंत ज्ञान ,मंडी। मनाली से पठानकोट जा रही एक निजी बस बनाला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पहाड़ी से अचानक बड़े-बड़े पत्थर गिरने से बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। गनीमत रही कि बस में कम यात्री होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। हादसे के समय बस में चालक, परिचालक और केवल दो यात्री ही मौजूद थे, जिससे जनहानि होने से बच गई। हालांकि बस चालक जसवंत सिंह और परिचालक अंकुश को चोटें आईं जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगवांई ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत स्थिर है।

बारिश के कारण व्यापारियों को हुए नुकसान की हो भरपाई : चमन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

अखिल भारतीय दलित पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग परिषद की महासचिव एवं राज्य प्रवक्ता चमन राही ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव में बारिश के कारण व्यापारियों को बहुत नुकसान हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग करते कहा कि उन्हें आवश्यकता के अनुसार राहत प्रदान की जाए। बहुत से व्यापारी दूसरे राज्यों से यह कमाने की आस लेकर आते हैं कि महाशिवरात्रि मेले में उन्हें मुनाफा होगा, लेकिन ऐसा लग नहीं रहा है।

इस मौके पर परिषद के प्रदेश संयोजक सदीक मोहम्मद, सन्नी ईपन, पिछड़ा वर्ग के सह संयोजक कै. बिहारी नायक, प्रचार सचिव कर्मचंद सैनी, परिषद जिला अध्यक्ष चंद्रवीर कागरा, वाल्मीकि समाज लव कुश सभा के महासचिव अशोक नागवंशी, वाल्मीकि समाज सुधार समिति अध्यक्ष आदेश कुमार आदि ने कहा कि नुकसान की कुछ भरपाई होनी चाहिए।

समस्याओं को लेकर सीएम से मिली डॉ. सकलानी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

हिमाचल प्रदेश सरकारी कॉलेज शिक्षक संघ (एचजीसीटीए) की राज्य अध्यक्ष डॉ. बनिता सकलानी को कॉलेज संकाय से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने और राज्य में उच्च शिक्षा में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करने के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलने का सौभाग्य मिला।

डॉ. सकलानी ने यूजीसी विनियम 2018 के कार्यान्वयन और कैरियर प्रगति योजना (सीएएस) की अधिसूचना को जल्द से जल्द लागू करने के महत्व पर जोर दिया, जो कॉलेज कैडर के लिए संकाय पदोन्नति की सुविधा प्रदान करेगा जो 2021 से रुका हुआ है। कैरियर में उन्नति के अवसर सुनिश्चित करने से न केवल शिक्षण समुदाय का उत्थान होगा बल्कि राज्य में अकादमिक उत्कृष्टता में भी योगदान मिलेगा।

उन्होंने अध्ययन अवकाश कोटा को एक प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम 3 प्रतिशत करने तथा अवकाश स्वीकृत करने के लिए सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रिया अपनाने का आग्रह किया।

अध्ययन अवकाश नीतियों को यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुरूप बनाने से संकाय सदस्यों को अपनी योग्यता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे अंततः छात्रों तथा संस्थानों दोनों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री के समक्ष अनुबंध शिक्षकों को वर्ष में दो बार नियमित करने का मुद्दा भी रखा गया। बैठक के दौरान डॉ. सकलानी ने वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी में अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

संकट मंडी प्रशासन का अलर्ट, बीबीएमबी ने दौड़ाया अनाउंसमेंट व्हीकल

पंडोह डैम से छोड़ा जा रहा 7 हजार क्यूसेक पानी

अनंत ज्ञान, पंडोह

हिमाचल प्रदेश सहित मंडी जिला में बीते दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते नदी नालों के जलस्तर में भारी ईजाफा हो गया है। इस कारण पंडोह डैम के जलस्तर में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है जिसके चलते पंडोह डैम से पानी छोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसके चलते मंडी जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों से नदी नालों से दूर रहने की अपील की है। डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के चलते ब्यास नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। इसलिए नदी किनारे रह रहे लोगों को अलर्ट किया गया है। इसके साथ ही लोगों से यह भी अपील की गई है कि वे नदी नालों के नजदीक न जाएं और ऐसे मौसम में बहुत ज्यादा जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें। किसी भी तरह की आपदा के लिए संबंधित उपमंडलीय प्रशासन को इसकी सूचना दें। उन्होंने बताया कि बरोट डैम से भी पानी को छोड़ा जा रहा है। वहां पर भी अलर्ट जारी करके लोगों से एहतिआत बरतने को कहा गया है। बीबीएमबी के वरिष्ठ आधिक्षण अभियंता चंद्रमणी शर्मा ने बताया कि इस समय पंडोह डैम का जलस्तर 2939 मीटर है जोकि सामान्य है।

पंडोह डैम में लारजी डैम से छोड़े जा रहे पानी से 9 हजार क्यूसेक पानी आ रहा है जिसमें से 7 हजार क्यूसेक ब्यास नदी में छोड़ा जा रहा है जबकि 2200 क्यूसेक पानी को सुरंग के माध्यम से बग्गी भेजा जा रहा है। अभी पंडोह डैम का एक ही गेट एक मीटर तक खोला गया है।

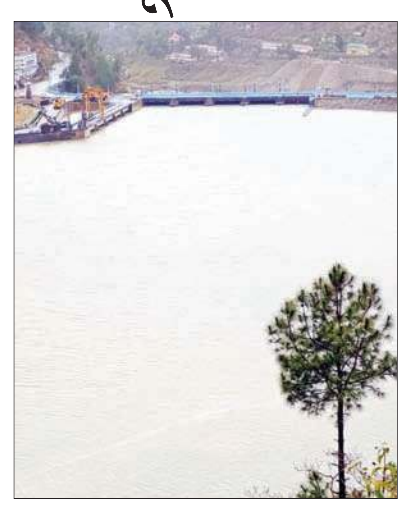

एसबीआई के शाखा प्रबंधक से मिला बालीचौकी व्यापार मंडल

अनंत ज्ञान, बालीचौकी

व्यापार मंडल बालीचौकी का प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष यशवंत शर्मा के नेतृत्व में एसबीआई के शाखा प्रबंधक सुनील कुमार से मिला और उन्हें बालीचौकी में एसबीआई की नई शाखा शुरू करने पर शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान व्यापार मंडल के अध्यक्ष यशवंत शर्मा ने कहा कि बालीचौकी सिराज का सबसे तेजी से विकसित होता कस्बा बनता जा रहा है, लेकिन एक राष्ट्रीयकृत बैंक न होने के कारण लोगों एवं व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को काफी दिक्कतें आ रही थी। स्थानीय लोग एवं व्यापार मंडल पिछले 10 वर्षों से एसबीआई प्रबंधन से बैंक की शाखा खोलने का अनुरोध कर रहे थे, जिसके चलते एसबीआई प्रबंधन ने बालीचौकी में अपनी नई शाखा खोलने को स्वीकृति दे दी है। वहीं शाखा प्रबंधक ने बताया कि बैंक का औपचारिक शुभारंभ मार्च माह में किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

चिंतपूर्णी मंदिर में पुरानी गाड़ी की नीलामी 6 को

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। चिंतपूर्णी मंदिर, जो लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है, में एक नई टिप्पर गाड़ी का उपयोग शुरू किया गया है। यह गाड़ी लुधियाना (पंजाब) निवासी हरमिंदर सिंह और उनके परिवार द्वारा मंदिर को दान में दी गई थी, जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपए है। अब मंदिर प्रशासन द्वारा इस गाड़ी को मंदिर कार्यों में उपयोग करने के लिए प्रक्रिया जारी की गई है। इसके साथ ही, मंदिर प्रशासन पुराने टिप्पर गाड़ी को नीलाम करने जा रहा है, जिसकी समय अवधि पूरी हो चुकी है। इस पुराने टिप्पर गाड़ी का उपयोग मंदिर क्षेत्र के आसपास कूड़ा-कचरा उठाने में किया जाता था। अब मंदिर प्रशासन द्वारा इसकी नीलामी करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, जो 6 मार्च को एसडीएम अंब परिसर में सुबह 11 बजे की जाएगी। मंदिर सह आयुक्त एवं एसडीएम अंब सचिन शर्मा ने बताया कि मंदिर प्रशासन श्रद्धालुओं को अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

चिंतपूर्णी में पुजारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। धार्मिक शक्तिपीठ चिंतपूर्णी में भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा मंदिर पुजारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को समाप्त हो गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मंत्र उच्चारण और पूजा विधि में शुद्धता लाना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को बनारस के आचार्य त्रिपाठी द्वारा संचालित किया गया था। इसमें माता चिंतपूर्णी और माता नयना देवी के पुजारियों ने भाग लिया। पुजारी वर्ग का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण से हमारे संस्कृति, सनातन धर्म के प्रति आस्था को और सार्थक किया जा सकता है। इस अवसर पर पुजारी बारीदार सभा के प्रधान रविंद्र छिन्दा, ट्रस्टी तिलक राज कालिया, ट्रस्टी विनोद कालिया, ट्रस्टी नरेंद्र कालिया, भूषण कालिया, संजय कालिया, पूर्व ट्रस्टी निरंजन कालिया, प्रधान शशि कालिया आदि ने विभाग द्वारा चलाए गए इस तरह के कार्यक्रम की सराहना की है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को वर्चुअल रूप से प्रसारित किया गया था, जिससे अधिक से अधिक पुजारियों को इसका लाभ मिल सके। विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम को पुजारी वर्ग ने बहुत ही उपयोगी और सार्थक बताया है।

जानवी व वैशाली ने जीता मॉडल चार्ट कंपटीशन

अनंत ज्ञान, हरोली। राजकीय उच्च पाठशाला समनाल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के स्टूडेंट्स ने साइंस व गणित आदि विषयों को लेकर मॉडल व चार्ट प्रदर्शित किए। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट पंचायत प्रधान जसवीर कौर ने शिरकत की। इस मौके पर स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संतोष भारद्वाज, स्कूल मुख्य अध्यापक राजेंद्र कुमार, प्राथमिक स्कूल की मुख्याध्यापिका इंदिरा देवी, शिक्षकों में कपिल शर्मा, रजनीश, नीलू, तरहेन, नीलम चौधरी, पंकज शर्मा, कुसुम व रानी कुमारी व ममता कुमारी उपस्थित रहे। मॉडल प्रतियोगिता में टॉप रहे स्टूडेंट्स में आठवीं कक्षा की जानवी ने पहला स्थान प्राप्त किया। चार्ट मेकिंग प्रतियोगिता में विशाली, अक्षित व प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में टॉप रहे स्टूडेंट्स को स्मृति चिन्ह देकर नवाजा।

अरलू गांव में बैंक की योजनाओं की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा में कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक सीमित शाखा बंगाणा ने अरलू गांव में वितीय साक्षरता शिविर लगाया। बैंक की ओर से शाखा प्रबंधक विनोद पाल सिंह ने बैंक की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस शिविर में बैंक की ओर से सुनील कुमार सुरजीत सिंह भी मौजूद रहे।

कंप्यूटर के बिना शिक्षा अधूरी है : बनयाल

अनंत ज्ञान, अंब। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अंब में समग्र शिक्षा के अंतर्गत पांच दिवसीय टेक्नोलॉजी एन्हॉसमेंट कार्यशाला के दूसरे बैच का समापन हुआ। बीपीओ विनोद कुमार बनयाल ने कार्यशाला में उपस्थित अध्यापकों को कहा कि कंप्यूटर आज के युग की मांग है, इसके बिना शिक्षा अधूरी है, इसलिएउ आपने जो कंप्यूटर तकनीक से संबंधित ज्ञान अर्जित किया है, उसको अपने विद्यालय में जाकर विद्यालय के विकास में उपयोग करें। कार्यशाला की समन्वयक अनु शर्मा और रिसोर्सपर्सन जगमोहन, प्रदीप शर्मा और मनदीप का कार्यशाला के सफल आयोजन में सहयोग किया। यह कार्यशाला ब्लॉक प्रोजेक्ट ऑफिस अंब में हुई। इस कार्यशाला की समन्वयक अनु शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला में एमएस ऑफिस, पावरप्वाइंट एक्सेल, केनवा पर सैशन हुए। उन्होंने अध्यापकों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

कांगड़ा बैंक के ग्राहकों को किया जागरूक

अनंत ज्ञान, ऊना। द कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक समिति शाखा अजोली द्वारा शुक्रवार को छत्तरपुर पंचायत में जागरूकता कैंप लगाया गया। कांगड़ा बैंक के मैनेजर रामकुमार ने जागरूकता शिविर में लोगों को बैंक के योजनाओं व फ्रॉड फोन कॉल आने के जागरूक किया कि बैंक संबंधी अगर कोई कॉल आती है, तो वह उसी समय बैंक में आकर संपर्क करें ताकि धोखाधड़ी व पैसों की लूट से बचा जा सकता है। इस अवसर पर बैंक कर्मी वरिष्ठ क्लर्क परमजीत सिंह, प्रवेश कुमार, पंचायत प्रधान दलजीत कौर, उपप्रधान अनिल, वार्ड पंच ममता, सचिव जसवीर सिंह सहित अन्य गांववासी मौजूद रहे।

बैंक ग्राहकों को बताईं विभिन्न योजनाएं

अनंत ज्ञान, लठियाणी/बंगाणा। उपमंडल बंगाणा दी कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक समिति शाखा थानाकलां के शाखा प्रबंधक अश्वनी कुमार ने थानाकलां पंचायत में प्रदेश व केंद्र सरकार के माध्यम से चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित वितीय साक्षरता, डिजिटल लेनदेन एवं जन सुरक्षा स्कीम के तहत कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र की महिलाओं एवं पुरुषों स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। इस मौके पर कांगड़ा बैंक के अधिकारी, महिला मंडल प्रधान, पंचायत सदस्यों के अलावा स्थानीय गांववासी उपस्थित रहे।

धुसाड़ा में कोई भी सरकार नहीं करवा पाई गोशाला का निर्माण

अनंत ज्ञान, बड़ूही। अंब उपमंडल के तहत पड़ते गांव धुसाड़ा में गोशाला के लिए जमीन तो निश्चित कर दी गई, पर आज तक कोई भी सरकार इस गोशाला का निर्माण नहीं करवा पाई। इस गांव में गोवंश इन दिनों सड़कों पर आसरा और कूड़े में भोजन ढूंढने को मजबूर है। हालात इस कद्र बदतर बने हुए हैं कि गोवंश आम जनता के लिए हादसों का कारण बन रहे हैं। रात के अंधेरे में ये गोवंश मेन हाईवे पर बैठ जाता है, जिस कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सब कुछ जानते हुए प्रशासनिक अधिकारी, राजनेता पूरे मंजर को चुपचाप देख रहे हैं।

- बेसहारा पशु सड़क पर ढूंढ रहे आसरा और कूड़े में भोजन

गांव के लोगों का कहना है की अभी तक सरकार ने आश्वासन के सिवा कुछ नहीं किया, जिसके चलते लोगो को परेशानी का सामना करना पद रहा है। धुसाड़ा पंचायत प्रधान नीरू बाला ने कहा के पिछली पंचायत ने इसका रेजुलेशन डाला था, लेकिन अभी तक सरकार द्वारा हमारे पास गोशाला बनाने के लिए कोई फंड नहीं आया। जब भी सरकार से इस गोशाला के निर्माण के लिए पैसा भेजा जाएगा, वैसे जल्द ही इसका निर्माण किया जाएगा।

आशंका : अपहृत युवक की हुई हत्या

प्रेम प्रसंग में रचा गया यह खौफनाक षड्यंत्र, युवती सहित 4 लोग हिरासत में

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

जिला मुख्यालय के समीपवर्ती अप्पर अरनियाला गांव के अगवा किए गए 19 वर्षीय युवक हरदीप उर्फ जिया के अपहरण के साथ उसकी हत्या की आशंका जताई गई है। करीब पांच दिन से जिया का कोई सुराग नहीं मिला है, जबकि एक युवती समेत चार लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि किडनैपिंग के साथ यह मामला हत्या से जुड़ा हुआ है। आरोपियों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। ऊना से युवक के अपहरण के मामले को किसी प्रेम प्रसंग से भी जोड़ा जा रहा है। इसमें मुख्य आरोपी वंश और हरदीप उर्फ जिया के एक ही युवती से नजदीकियां होने की संभावना बताई जा रही है। युवक की इस किडनैपिंग केस में प्राथमिकी उसके लापता होने के तीन दिन बाद दर्ज हुई। पुलिस ने

हर एंगल से मामले की हो रही जांच : पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि युवक 23 फरवरी को लापता हुआ था, जबकि 25 फरवरी की रात उसके परिजनों को उसके किडनैपिंग की जानकारी वायरल वीडियो के माध्यम से मिली थी। पुलिस के पास 26 फरवरी को शिकायत पहुंची थी। पुलिस हर संभावित एंगल से इस मामले की जांच कर रही थी और अगवा किए गए युवक के साथ-साथ वीडियो में दिख रहे दोनों युवकों और युवती की तलाश में जुटी हुई थी। दो युवकों को वीरवार को हिरासत में ले लिया गया था और इस मामले में युवती तथा तीसरा युवक भी लगभग काबू कर लिए गए हैं। उन्होंने यह मामला हत्या और प्रेम प्रसंग से जुड़े होने में संदेह से इनकार नहीं किया।

जिया के स्वजनों की शिकायत पर युवती समेत पांच अन्य युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों मनप्रीत और तरनजीत को ऊना जिले से ही काबू किया है, जबकि युवती और वंश को हिमाचल के एक स्थान से काबू किया गया।

अनंत ज्ञान फॉलोअप

इनकी लोकेशन पंजाब के लुधियाना, खरड़ और चंडीगढ़ समेत कई शहरों में थी। कार को भी बरामद करने के साथ साथ अन्य छानबीन के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है।

पुलिस की आरंभिक जांच में खुलासा हुआ था कि किडनैपिंग से पहले लापता युवक भी कई बार नामजद युवती के साथ देखा गया था। बताया जा रहा है कि रविवार को लापता होने से ठीक पहले भी युवक उसी युवती के साथ ही देखा गया था। मंगलवार देर रात युवक के परिजनों को एक वायरल वीडियो के माध्यम से उसके किडनैप होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उस वीडियो में भी लाचार युवक कुछ ऐसा संकेत कर रहा था, जिसे देख यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हुआ। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस की विभिन्न टीमें संभावित स्थानों और चंडीगढ़ समेत पड़ोसी राज्यों में दबिश देने के लिए रवाना हो गईं। इसके साथ ही पुलिस ने दो युवकों को वीरवार की रात को हिरासत में ले लिया और युवती समेत दो को किसी बाहरी जिले से काबू किया।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने संदिग्ध लोगों की तलाश के लिए अभियान तेज कर दिया था। इस वायरल वीडियो में दो युवक उस तीसरे युवक से अमानवीय व्यवहार कर रहे थे। उस युवक द्वारा चोट का निशान, जिसमें वह लहूलुहान नजर आ रहा था। दो युवक उसके साथ मारपीट भी कर रहे थे। यह वीडियो एक गाड़ी के बीच बनाया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी भाड़े की गाड़ी लेकर उस युवक को बंधक बनाए हुए दिखाई दिए थे।

फसलों के नुकसान से किसान परेशान

हीना पठानिया, बड़ूही। बड़ूही क्षेत्र की बात करें तो 2 दिन से हो रही भारी बारिश से फसलों को बहुत जायदा नुकसान हुआ है। खेतो में गेहूं की फसल गिर गई है और पानी जमा हो गया है। तकरीबन 4/5 महीने बाद इतनी जयदा मात्रा में बारिश हुई हैं। कई इलाकों में पानी की निकासी न होने के कारण पानी खेतों में जमा हो गया है, जिससे गेहूं की फसल पानी में डूब चुकी है।

आसपास के किसानों से बात करने पर पाया कि बारिश कुछ किसानों को खुशी कुछ किसानों को गम लेकर आई है। ऊंचाई वाले इलाकों की बात करें तो यहां इर्रिगेशन के पानी नहीं पहुंचता, वहां फसलों की पैदावार के लिए बहुत लाभदायक होंगी, पर निचले इलाकों में फसलों को नुकसानदेय साबित हो रही हैं। बड़ूही क्षेत्र की बात करें तो यहां के लोग कृषि पर निर्भर हैं, उनका जीवन-यापन कृषि पर निर्भर है और भारी बारिश के कारण चिंता में पड़ गए हैं। (अनंत ज्ञान)

जिलेभर में पटवारी और कानूनगो की हड़ताल शुरू

अनंत ज्ञान, घनारी

जिलेभर सहित घनारी तहसील के तहत आने वाले पांच कानूनगो सर्किलों और 29 पटवार सर्किलों के पटवारियों एवं कानूनगो ने अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार से पेनडाउन हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के कारण तहसील कार्यालय में कामकाज ठप हो गया है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संयुक्त पटवारी-कानूनगो संघ के प्रदेश अध्यक्ष सतीश चौधरी ने बताया कि जब तक सरकार उनकी मांगों को स्वीकार नहीं करती और वार्ता के लिए नहीं बुलाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पटवारियों और कानूनगो को बिना विश्वास में लिए जिला से स्टेट कैडर में शामिल करने का निर्णय स्वीकार नहीं किया जाएगा। संघ की प्रमुख मांगों में राजस्व विभाग के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में संशोधन, पटवार सर्कलों में कंप्यूटर की सुविधा उपलब्ध कराना, और तहसील कार्यालयों में शौचालयों की व्यवस्था करना शामिल है। पटवारी और कानूनगो सरकार के विभिन्न अभियानों में अहम भूमिका निभाते हैं, जिसमें भूमि रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण और जनहित में चलाई जाने वाली योजनाएं शामिल हैं, ऐसे में बिना उनकी सहमति के निर्णय लेना अन्यायपूर्ण है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की तो हड़ताल को और तेज किया जाएगा और जनता के राजस्व कार्यों में अनेकों समस्याएं आएंगी, जिसकी जिम्मेदार सरकार होगी।

पेनडाउन हड़ताल का किया समर्थन : घनारी पंचायत के प्रधान विचित्र सिंह, दियोली के प्रधान पूर्ण सिंह तथा अमलेहड़ पंचायत के प्रधान देव राज ने हड़ताल पर बैठे कानूनगो और पटवारियों का समर्थन किया है और कहा है कि इन कर्मचारियों की मांगें जायज हैं और सरकार को जनहित में मांगों को मान लेना चाहिए।

लोगों के कार्य हो रहे प्रभावित : पटवारियों और कानूनगो की हड़ताल से जहां आम आदमी के राजस्व से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि राजस्व कार्यों की शुरुआत ही पटवारी से होती है, वहीं तहसील कार्यालय घनारी के साथ जुड़े अन्य लोगों जैसे कि अर्जी नफीस, स्टांप पेपर विक्रेता, टाइपिस्ट तथा प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से और भी अन्य कार्य कर अपनी रोज़ी रोटी कमा रहे छोटे स्वरोजगारी भी प्रभावित हो रहे हैं।

ऑनलाइन सेवाएं प्रदान कर रहे रविंदर चौधरी ने बताया कि आज मात्र हड़ताल का तीसरा दिन है और तीन दिनों में ही उनका काम आधे से भी कम रह गया है। उन्होंने कहा कि अगर यह हड़ताल लंबी खिंचती है तो उन जैसे अन्य लोगों को भी रोजी-रोटी के लाले पड़ सकते हैं। रविंदर चौधरी ने कहा कि सरकार को इनकी मांगों के ऊपर सहानुभूति से विचार करना चाहिए।

हमें पूर्ण विश्वास, सीएम मांगों को पूरा करेंगे : अच्छर

अनंत ज्ञान, अंब। ब्लॉक अंब के समस्त कानूनगो एवं पटवारियों द्वारा कलम छोड़ो (पेनडाउन) अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रथम दिन जनता के राजस्व से संबंधित तथा अन्य सभी कार्य नहीं किया। पटवारी एवं कानून द्वारा संयुक्त कानूनगो एवं पटवार संघ के अंब के अध्यक्ष अच्छर राम ने कहा कि 15 अगस्त 2024 को कांगड़ा के देहरा में उचित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री सुक्खू के साथ मीटिंग हुई थी और हमें उन्होंने हमें पूर्ण आश्वासन दिया था कि हमारी उचित मांगों को पूरा किया जाएगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री हमारी उचित मांगों को स्वीकृति प्रदान करेंगे। इस मौके पर समस्त कानूनगो एवं पटवार संघ ब्लॉक अंब के सदस्य मौजूद रहे।

चक्क सराय में 276 बच्चों को बांटे स्वेटर

अनंत ज्ञान, ऊना। सेवा रक्षा प्रयास (एसआरपी) संस्था पोलियां पुरोहितां द्वारा शुक्रवार को अंब उपमंडल के प्राइमरी स्कूल चक्क सराय में स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की जिसमें उन्होंने चक्क सराये, रिपोह मिसरा, रिपोह मुचलियां, सूरी और धार गुजरा स्कूलों के 276 बच्चों को स्वेटर भेंट किए।

उपायुक्त ने बताया कि यह स्वेटर नर्सरी से 5 वीं कक्षा के बच्चों को एसआरपी संस्था की ओर से उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने सेवा रक्षा प्रयास संस्था के समाज सुधार कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक संगठन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने एसआरपी संस्था की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उपायुक्त ने स्कूली बच्चों से भी मुलाकात की और बच्चों को जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। सेवा रक्षा प्रयास संस्था की निदेशक सुषमा शर्मा ने बताया कि संस्था स्कूली बच्चों की आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी मदद के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रही है। इस मौके पर संस्था की निदेशक सुषमा शर्मा, संस्था के सह संस्थापक नरेंद्र शर्मा सहित प्रधानाचार्य शशि कुमारी, सीएचटी इकबाल रफी सहित अन्य मौजूद रहे।

भंजाल में केंद्रीय विद्यालय खोलने को लेकर टीम ने किया दौरा

केंद्रीय विद्यालय की टीम व एसडीएम गगरेट चयतिन स्थल का जायजा लेते हुए।

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा

केंद्रीय विद्यालय की टीम व एसड एम ने गोकुल नगर भंजाल में केंद्रीय विद्यालय खोलने को लेकर स्थल का दौरा किया। इस अवसर केंद्रीय विद्यालय के डिप्टी डायरेक्टर एसडीएम गगरेट सौमिल गौतम, भंजाल स्कूल के कार्यकारी प्रिंसिपल राजन शर्मा काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय विद्यालय शुरू होने से पहले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल भंजाल परिसर में अस्थाई तौर पर प्रारंभिक कक्षाएं इसी सत्र से शुरू होनी हैं। टीम ने इस बारे में भी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भंजाल परिसर का भी दौरा किया और जिन कमरों में कक्षा शुरू होनी हैं, उन सब का और अन्य सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया ताकि केंद्रीय विद्यालय की कक्षाएं भी सुचारु रूप से चल सकें।

केंद्रीय विद्यालय की डिप्टी डायरेक्टर ने बताया कि आज के इस दौरे की रिपोर्ट तैयार करके विभाग को भेज दी जाएगी, उसके बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नगर निगम बनने के बाद नहीं लगाया कोई नया कर : महेंद्र

संपत्ति कर को लेकर भ्रांतियां निराधार, समय पर भुगतान पर मिलेगी छूट : नगर निगम आयुक्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

- जनता से अफवाहों पर न ध्यान देने की अपील
- सटीक जानकारी के लिए नगर निगम लें करें संपर्क

नगर निगम बनने के बाद गृह कर व संपत्ति कर को लेकर विभिन्न तरह की भ्रांतियां और भ्रामक खबरें सामने आ रही हैं, जो पूरी तरह से निराधार हैं। नगर निगम ऊना के आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त महेंद्र पाल गुर्जर ने शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में स्पष्ट किया कि नगर निगम क्षेत्र में किसी भी तरह का नया कर नहीं लगाया गया है। केवल पूर्व नगर परिषद ऊना में लागू संपत्ति कर की दरों के अनुसार ही कर वसूली की जा रही है।

आयुक्त ने बताया कि नगर निगम ने नागरिकों की सुविधा के लिए यह प्रावधान किया है कि जो करदाता 1 से 15 मार्च के बीच अपने बिलों का भुगतान करेंगे, उन्हें 10 से 15 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व नगर परिषद द्वारा संपत्ति कर की दरें पहले ही निर्धारित की जा चुकी थीं और वही प्रणाली वर्तमान में लागू है। यह दरें साल 2023 में हिमाचल प्रदेश सरकार के राजपत्र में भी प्रकाशित की गई थीं।

उन्होंने जनता से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सटीक जानकारी के लिए नगर निगम कार्यालय से संपर्क करें। आयुक्त ने जानकारी दी कि ऊना शहर में ड्रोन सर्वे के माध्यम से प्रत्येक घर की मैपिंग की गई है। इस प्रक्रिया में नागरिकों से उनकी जमीन और मकानों की पूरी जानकारी ली गई, जिसके आधार पर गृह कर के बिल जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कर केवल पूर्व नगर परिषद क्षेत्र पर पहले से ही लागू हैं और नए निगम क्षेत्रों पर इसका कोई प्रभाव नहीं है।

पंचायत अथवा नगर निगम...लोगों के पास जन्म, विवाह और मृत्यु प्रमाण पत्र लेने के दोनों विकल्प : आयुक्त ने बताया कि शादी, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र को लेकर नागरिकों के पास दोनों विकल्प उपलब्ध हैं। ये प्रमाणपत्र पूर्व की भांति संबंधित पंचायतों के माध्यम से भी जारी किए जा रहे हैं, इसके अलावा लोग नगर निगम में भी इन्हें प्राप्त कर सकते हैं।

संपत्तियों की इन्वेंट्री बनाने का कार्य शुरू : इसके अलावा, उन्होंने जानकारी दी कि पंचायत सचिवों को अपने क्षेत्र में चल और अचल संपत्तियों की इन्वेंट्री तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। यह इन्वेंट्री उपायुक्त के माध्यम से नगर निगम को स्थानांतरित की जाएगी, जिसका कार्य शुरू किया जा चुका है।

विकास कार्यों पर नहीं पड़ेगा कोई असर

गुर्जर ने बताया कि पूर्व नगर परिषद क्षेत्र के साथ लगती 13 पंचायतें पूर्ण रूप से और 1 पंचायत आंशिक रूप से नगर निगम में सम्मिलित हो चुकी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि निगम में शामिल पंचायतों में कन्वर्जेंस और मनरेगा के तहत चल रहे विकास कार्यों की फंडिंग और भुगतान में कोई रुकावट नहीं आएगी। पूर्व में स्वीकृत सभी विकास कार्य पहले की तरह जारी रहेंगे, हालांकि नई परियोजनाओं की मंजूरी फिलहाल नहीं दी जाएगी।

हिमोत्कर्ष का वार्षिक समारोह कल, सम्मानित होंगे मेधावी और शहीदों के परिजन

अनंत ज्ञान, ऊना

हिमोत्कर्ष साहित्य, संस्कृति एवं जनकल्याण परिषद का 51वां वार्षिक अधिवेशन 2 मार्च को होटल सुविधा पैलेस ऊना में आयोजित होगा। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैनकुलदीप कुमार मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा करेंगे।

कार्यक्रम में ऊना जिले के दो शहीद सैनिकों को मरणोपरांत हिमोत्कर्ष राष्ट्रीय एकात्मकता व हिमोत्कर्ष हिमाचलश्री पुरस्कार से अलंकृत किया जाएगा। 28 आरआर में तैनात सिपाही (गनर) शहीद दिलवर खान,कीर्ति चक्र निवासी घरवासड़ा ऊना को अमर शहीद कैप्टन अमोल कालिया स्मारक हिमोत्कर्ष राष्ट्रीय एकात्मकता (शौर्य)पुरस्कार मरणोपरांत व 4 डोगरा रेजीमेंट के शहीद कुलविंद्र सिंह को स्व. रोशन लाल शर्मा स्मारक हिमोत्कर्ष हिमाचलश्री राष्ट्र समपर्ण पुरस्कार (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाएगा।

वहीं, समारोह में स्व. आयशा पटियाल स्मारक हिमोत्कर्ष छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से बीएससी माईक्रोबायोलोजी की टापर नंदिनी बाली को 25 हजार रुपए छात्रवृत्ति, स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्र तथा राजकीय डिग्री कॉलेज ऊना की छात्रा मौनिका ढिल्लों को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बीएससी परीक्षा 2024 में प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित करने पर 11 हजार रुपए छात्रवृत्ति, स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्र भेंटकर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षा में ऊना जिले की मेरिट में पहले दस स्थानों पर रहने वाले दसवीं कक्षा के 34 मेधावी विद्यार्थियों तथा जमा दो कक्षा के 17 विद्यार्थियों को स्व. संतोष कंवर स्मारक हिमोत्कर्ष मेधावी छात्रवृत्ति के अंतर्गत एक-एक हजार नकद छात्रवृत्ति, प्रशस्ति पत्र व स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में एक किडनी रोगी आईटीआई युवक तथा एक अन्य रोगी व्यक्ति के परिवार को एक वर्ष के लिए दो हजार रुपए प्रति माह की सहायता भी शुरू की जाएगी। कार्यक्रम में हिमोत्कर्ष अमोदिनी महिला सशक्तिकरण प्रकल्प के तहत 56 पात्र विधवाओं को 126000 रुपए का तीन माह का राशन प्रदान किया जाएगा। इन मेधावियों को मिलेगी छात्रवृत्ति कार्यक्रम में प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा व जमा दो कक्षा परीक्षा में जिला ऊना में प्रथम 10 स्थानों पर रहने वाले 51 मेधावी विद्यार्थियों को स्व. संतोष कंवर हिमोत्कर्ष छात्रवृत्ति योजना के तहत एक-एक हजार रुपए नकद छात्रवृत्ति, सम्मान पत्र तथा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।

सख्ती जतिन ने लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

जिले में सख्ती से लागू हों सड़क सुरक्षा कानून : डीसी

अनंत ज्ञान, ऊना

ऊना के उपायुक्त जतिन लाल ने शुक्रवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले में सड़क सुरक्षा कानूनों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में ओवर स्पीड और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के साथ सख्ती से निपटने को कहा ताकि दुर्घटनाओं पर काबू पाया जा सके।

जतिन लाल ने जिले में सड़कों को सुरक्षित, अतिक्रमण मुक्त तथा यातायात को जोखिम रहित बनाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण से काम करने को कहा। उन्होंने दुर्घनाओं में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों को पूर्व सुधारात्मक कदम उठाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए।

स्कूलों में सड़क सुरक्षा नियमों पर जागरूकता शिविर लगाने के निर्देश : उपायुक्त ने जिले के सभी एसडीएम को हर सप्ताह अपने क्षेत्राधिकार के स्कूलों में सड़क सुरक्षा नियमों पर जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग सड़क सुरक्षा नियमों बारे जागरूक हो सकें, साथ ही, आयोजित किए जाने वाले जागरूकता शिविरों की रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को भेजने को कहा। उन्होंने एनएच विभाग और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को पंजाब से ऊना की तरफ आने वाले सड़क मार्ग पर अजोली फ्लाई ओवर के समीप साइन बोर्ड लगाने को कहा ताकि लोगों को अपने गंतव्य स्थल पर पहुंचने के लिए आसानी रहे।

इसके साथ ही उन्होंने जिले में रोड किनारे स्थित स्कूलों के समीप स्पीड ब्रेकर और अन्य सुरक्षा सांकेतिक बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर एसडीएम हरोली विशाल शर्मा, एसडीएम अंब सचिन शर्मा, एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल, आरटीओ ऊना अशोक कुमार, उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा सोम लाल धीमान, डीएसपी ऊना अजय ठाकुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीसी जतिन लाल जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

ब्लैक स्पॉट सुधारने के दिए निर्देश

उपायुक्त ने सभी उपमंडलाधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार में दुर्घटना संभावित स्थलों एवं ब्लैक स्पॉट की पहचान करके उन्हें सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यकता अनुसार सीसीटीवी कैमरे तथा क्रैश बैरियर, पैरापिट, लाइट रिफ्लेक्टर और स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को अगली बैठक में सुधार कार्यों की रिपोर्ट लेकर आने को कहा।

स्कूली वाहनों में अनिवार्य तौर पर हों कंडक्टर

जतिन लाल ने स्कूली वाहनों की फिटनेस तथा चालकों द्वारा यातायात नियमों का अनुपालन तय बनाने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि हर स्कूली वाहन में अनिवार्य तौर पर कंडक्टर हो। इसकी अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में प्राइवेट स्कूल संचालकों से बैठक कर यह व्यवस्था सुनिश्चित बनाने को कहा।

राहुल और नितिका के सर सजा मिस्टर व मिस फेयरवेल का ताज

आर्य पब्लिक स्कूल बंगाणा के छात्रों को दी गई भावपूर्ण विदाई।

अनंत ज्ञान, लठियाणी

आर्य पब्लिक स्कूल बंगाणा में 9वीं कक्षा के छात्रों द्वारा 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए शानदार विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को यादगार बना दिया।

इस दौरान विद्यालय प्रबंधन द्वारा होनहार छात्रों को सम्मानित भी किया गया। इस समारोह के दौरान मिस्टर फेयरवेल राहुल शर्मा, मिस फेयरवेल नितिका, मिस्टर पर्सनेल्टी आदित्य ठाकुर, मिस पर्सनेल्टी राधिका वर्मा, होप ऑफ द ईयर निखिल कुमार, मिस्टर इंटेलीजेंट आदित्य राणा, मिस इंटेलीजेंट रियांशी ठाकुर, मिस्टर एपीएस रोहन ठाकुर और मिस एपीएस सानवी शर्मा को बनाया गया।

स्कूल के प्रबंधक जोगिंद्र देव आर्य ने कहा कि आज का दिन आप सभी विद्यार्थियों के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। जोगिंदर देव आर्य ने दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि आप बिना किसी मानसिक तनाव से वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक लेकर विद्यालय एवं अपने माता-पिता का मान सम्मान बढ़ाएं।

कुल्लू जिले पर टूटा बारिश-बर्फबारी का कहर

कमलेश वर्मा, कुल्लू

कुल्लू जिले में लगातार 4 दिनों से हो रही बारिश और बर्फबारी के करण जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है। जिले के निचले क्षेत्रों में जहां बारिश का क्रम लगातार जारी है।

वहीं, ऊपरी क्षेत्रों में भी बर्फबारी हो रही है। बारिश के कारण जिले के नदी नलों का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है। वहीं, कुल्लू शहर की सड़कें तालाब बनी हुई हैं। जगह-जगह सड़कों पर बारिश का पानी बह रहा है, जिससे वाहन चालकों साहित आम राहगीरों को भी काफी समस्याओं से दो चार होना पड़ रहा है। उधर, डीसी एवं सह अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन कुल्लू तोरुल रवीश ने जानकारी दी कि जिले में हो रही बारिश के कारण अधिकतर जगह जनजीवन अस्तव्यस्त हुआ है। जिले में फिलहाल कुल्लू व मणिकर्ण घाटी को छोड़कर बिजली बहाल कर दी गई है। मनाली में प्रीणी तक बिजली बहाल कर दी गई है। जिले में कुल 975 डीटीआर बाधित हैं, जिनमें आनी में 11 व थलोट में 33 डीटीआर बाधित हैं। बिजली बहाली का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जिले में कई नदी नाले जलप्लावित हो गए हैं। जिले में कुल 112 सड़कें प्रभावित हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि इस समय सभी नदी-नाले उफान पर है। अत: इनके नजदीक न जाएं। कोई परेशानी हो तो जिला आपदा प्रबंधन अभिकरण को आपातकालीन नंबर 225603,225631,225632 पर कॉल करें। कुल्लू शहर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से कुल्लू, मनाली, भुंतर सहित अन्य शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वीरवार रात से ही अंधेरा पसरा हुआ है। (अनंत ज्ञान)

शिक्षण संस्थान/आंगनबाड़ी केंद्र रहे बंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू में शुक्रवार को भारी बर्फबारी और लगातार बारिश के कारण जिले के सभी शिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे। डीसी कुल्लू तोरुल रवीश ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि भारी बारिश और बर्फबारी के कारण छात्रों को स्कूल पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ठंड बढ़ने से छात्रों की मुश्किलें और बढ़ सकती थीं। कई स्थानों पर भू-स्खलन का भी खतरा भी बढ़ गया था इसलिए, जिला प्रशासन ने सभी शिक्षण संस्थानों- आंगनबाड़ी केंद्रों को शुक्रवार को बंद रखने का निर्णय लिया। वहीं, मौसम के मद्देनजर कुल्लू जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को भी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित करने के आदेश जारी किए हैं, जिसके चलते अब शनिवार को भी कुल्लू के सभी शैक्षणिक संस्थान व आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहेगा।

सरवरी खड्ड का बढ़ा जलस्तर, कई वाहन चपेट में

कुल्लू में लगातार हो रही बारिश के कारण ब्यास व पार्वती नदी सहित जिले के अन्य नदी-नालों का जलस्तर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। वहीं, कुल्लू के साथ लगती सरवरी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से जहां सरवरी पार्किंग में खड़े कुछ वाहन पानी की चपेट में आने से बह गए हैं। वहीं, पार्किंग में भी पानी घुस जाने से वहां खड़े अन्य वाहनों को भी खतरा पैदा हो गया है। सरवरी खड्ड का पानी बढ़ने से हनुमानीबाग को जाने वाला रास्ता भी पानी से भर गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत पेश रही है।

जगह-जगह हुआ भू-स्खलन

परिधि गृह कुल्लू की सड़क भी पानी से भर गई। यहां पर एक निजी होटल में भी पानी भर गया और सड़क पर पानी होने के कारण आने-जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा कुल्लू के रघुनाथपुर को जाने वाले सड़क मार्ग पर भी भू-स्खलन होने से कुछ समय के लिए यह सड़क बाधित रही। सरवरी में भी पहाड़ी से बार-बार पत्थर गिरने का सिलसिला जारी रहा, जिससे मनाली-कुल्लू सड़क मार्ग से गुजरने वाले वाहनों व लोगों को हादसे का खतरा सताता रहा। वहीं, रामशिला ब्रिज के पास भी पत्थर गिरे। इसके अलावा अन्य स्थानों पर भी भू-स्खलन होने से सड़क मार्ग अवरुद्ध हुए। कुल्लू के सरवरी में पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक वाहन उसकी चपेट में आने से बचा।

पानी से भरे रास्ते और सड़कें

भारी बारिश से जिला मुख्यालय की सड़कें और रास्ते कुछ ही देर के भीतर पानी से लबालब हो गए। बारिश ने लोक निर्माण विभाग और नगर परिषद की व्यवस्था की भी पोल खोल दी है। जिले की मुख्य सड़क (एमडीआर) पर गांधीनगर से लेकर रामशिला तक पानी बह रहा है। वहीं, नगर परिषद के सभी 11 वार्डों के पैदल रास्ते भी तालाब बन गए, जिसके कारण राहगीरों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचने में मरीजों और तीमारदारों को उठानी पड़ रही है। लालचंद्र प्रार्थी कलाकेंद्र से अस्पताल गेट आने वाला पैदल रास्ते में भी जल भराव हुआ है। वहीं, ढालपुर से कॉलेज चौक तक अस्पताल सड़क पर भी जगह-जगह पानी जमा हो गया है। वहीं, गांधीनगर में बारिश के पानी के साथ मलबा और पत्थर सड़क पर आ रहे हैं। वहीं, भुंतर की सब्जी मंडी में भी बारिश का पानी भर जाने से चारों ओर पानी का तालाब बन गया।

शास्त्रीनगर में नाले का बढ़ा जलस्तर, सड़क पर आया मलबा

कुल्लू के शास्त्रीनगर में नाले का जलस्तर बढ़ने से सड़क में पानी के साथ पत्थर व मलबा आने से काफी देर तक मनाली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर वाहनों की आवाजही अवरुद्ध रही। यहां पर दो कार व एक ऑटो के मलबे की चपेट में आने से नुकसान हुआ है। हालांकि, विभाग की ओर से सूचना मिलते ही मौके पर जेसीबी भेजकर सड़क से मलबा हटाया गया, लेकिन कुछ समय के लिए लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी।

डीसी ने जिलेभर के हालातों पर की चर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करने के लिए सभी एसडीएम, एसई पीडब्ल्यूडी, जेएसवी और एचपीएसईबी के साथ एक ऑडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की।

उन्होंने जिले में बारिश, सड़कों व भूस्खलन आदि की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने फील्ड स्तर कर्मचारियों को एक्टिवेट करें तथा सुविधाओं की बहाली पर तेजी से काम करें। साथ ही तरपाल आदि रिलीफ का सामान भी तैयार रखें एवं सभी पटवारी, पंचायत सचिव को भी तैनात रखें। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क सेवाओं का सुचारू संचालन भी सुनिश्चित करें। इसके लिए डीसी द्वारा टेलीकॉम ऑपरेटर्स को भी निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि तहसीलदार, पटवारी फील्ड में तैनात हैं तथा हर जगह नुकसान का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ब्लॉक की सड़कों की भी बीडीओ से रिपोर्ट लें। उन्होंने कहा कि अटल टनल में 6 फुट बर्फ पड़ चुकी है। उन्होंने यहां फंसे पर्यटकों की संख्या का आकलन कर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम मनाली को हिमस्खलन के खतरे को देखते हुए निर्देश दिए कि सड़क को मौसम साफ होने के बाद खोलें। मनाली में बर्फ हटाने का कार्य चुनौतीपूर्ण रहेगा इसे प्राथमिकता के आधार पर खोलें तथा रेस्क्यू के लिए फोर बाई फोर वाहनों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि अभी लग घाटी में भी भू-स्खलन हुआ है। बरशेनी सड़क बिजली पोल गिरने के कारण बंद है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि कुल्लू शहर में मुख्य सड़क पर बहाली चल रही है। डीसी ने कहा कि भुट्टी कॉलोनी, खोखन रोड, गांधीनगर, में नालों में पानी आने से सड़क को क्षति पहुंची है।

बारिश-बर्फबारी से कुल्लू, लाहौल स्पीति में थमी जिंदगी की रफ्तार

अनंत ज्ञान, कुल्लू/केलांग

बारिश और बर्फबारी से कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में जिंदगी की रफ्तार थम गई है। लगातार भारी बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है।

लाहौल-स्पीति जिले में तीन से चार फुट तक बर्फबारी हो चुकी है, जिससे जहां जिले का संपर्क देश, दुनिया से कटा हुआ है। वहीं, ब्लैकआउट के साथ-साथ पेयजल की समस्या भी यहां पर चरमरा गई है। बर्फबारी से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारी बर्फबारी के कारण लोग घरों में कैद हो गए हैं। जिला मुख्यालय केलांग में दो फुट से अधिक बर्फबारी दर्ज की गई है। मनाली-लेह राजमार्ग पर अटल सुरंग और लाहुल घाटी में सिस्सू जैसे इलाके लगभग तीन फुट बर्फ के नीचे दबे हुए हैं। बर्फबारी के कारण राजमार्ग पूरी तरह से बंद हो गया है। लाहौल-स्पीति की सभी सड़कें बंद होने से स्थिति और भी खराब हो गई है। दूसरी ओर पर्यटन नगरी मनाली में भी वीरवार रात से बिजली गुल है। लंबे अरसे बाद मनाली में बर्फबारी से हालात बने हैं। हालांकि, मनाली प्रशासन ने सभी सड़कों से बर्फ हटाने का कार्य शुरू कर दिया है। वहीं, कुल्लू के अन्य निचले क्षेत्रों में बारिश ने खूब कहर बरपाया है। जगह-जगह सड़कें अवरुद्ध हुई हैं। नदी-नाले उफान पर हैं। कई जगह भू-स्खलन से लोगों के घरों व अन्य जगहों पर भारी नुकसान हुआ है। जगह-जगह पेड़ टूटने से बिजली के खंबे टूट गए हैं, जिससे जिले के कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई है। वहीं, ऊपरी इलाकों में कई-कई फुट तक बर्फ जमा हो चुकी है। लिहाजा, लाहौल-स्पीति और कुल्लू-मनाली में बारिश और बर्फबारी के चलते जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो चुका है, जिसके चलते कुल्लू में शुक्रवार के बाद अब शनिवार को सभी शिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के जिला प्रशासन ने अधिसूचना जारी की है। वहीं, डीसी लाहौल-स्पीति राहुल कुमार ने मौसम के मद्देनजर लोगों से अपने घरों में ही रहने और एहतियात बरतने की अपील की है। जिला कुल्लू के मुख्यालय सरवरी नदी में भी पानी उफान पर है, जिसके चलते नदी किनारे बनी झुग्गियों में भी पानी घुस गया है।

पाहनाला नाले में फटा बादल, चपेट में आए वाहन

कुल्लू घाटी के पाहनाला नाले में बादल फटने से आई बाढ़ के कारण भारी नुकसान हुआ है। नाले में आई बाढ़ के कारण करीब पांच वाहन इसकी चपेट में आए हैं। जान का कोई नुकसान नहीं है। वहीं, तोष में जीरा नाला का पानी का अभी निकास हो गया है, इसलिए अभी तुरंत कोई खतरा नहीं है।

सड़कें बाधित

कुल्लू-मंडी के बीच सड़क बनाला, नौ मील में बाधित है तथा कुल्लू में एनएच मनाली की ओर रंगड़ी के पास बर्फ के कारण जोखिमभरा है। एनएच की सड़कें जलोड़ी, रोहतांग पास बंद है। कुल्लू मनाली सड़क लेफ्ट बैंक में सड़क छरुडू के पास भू-स्खलन के कारण बाधित है।

आनी व बंजार में भी हुआ नुकसान

जिले के आनी व बंजार में भी कई जगह बारिश व बर्फबारी के कारण दिक्कतें बढ़ी हैं। जलोड़ी दर्रा आवाजाही के लिए बंद है। इसके अलावा आनी व निरमंड सहित बंजार के भी कई सड़क मार्ग यातायात के लिए बाधित हुए हैं।

सैंज में भी बारिश ने बढ़ाई दिक्कत

सैंज घाटी में भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पिन पार्वती नदी उफान पर है। छोटे-छोटे नाले धीरे-धीरे अपना विकराल रूप धारण कर रहे है। औट-सैंज मार्ग भी तलड़ा के पास अवरुद्ध हो गया है व जगह-जगह पत्थर गिर रहे हैं। सैंज से न्यूली की तरफ भी जगह-जगह रोड में पत्थर गिर रहे हैं। सफर करना जोखिम भरा है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो रही है। बेमौसमी बारिश के कारण पूरा इलाका ठंड की चपेट में आ गया है। पशु धन पर इसका पूरा पूरा असर देखने को मिल रहा है पशुचारा खत्म होने की कगार पर है, जिस कारण ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है।

खतरे में जिया की फेटावन बस्ती

अनंत ज्ञान, भुंतर। भारी बारिश के चलते ग्राम पंचायत जिया की फेटा वन बस्ती को बिजली महादेव की पहाड़ी से आने वाले नाले से स्लाइडिंग का खतरा उत्पन्न हो गया है। शुक्रवार सुबह तड़के ही भारी बारिश के कारण नाला आने से फेटा वासियों की नींद उड़ गई। उन्होंने देखा कि बिजली महादेव की पहाड़ी से आने वाले नाले ने रौद्र रूप धारण कर लिया और तबाही मचाने को तैयार है। ग्रामीणों ने मिलकर उस नाले का रूख नीचे की तरफ मोड़ दिया, नहीं तो बस्ती को जाने वाला रोड भू-स्खलन से क्षतिग्रस्त हो जाता। इससे पूरी बस्ती को खतरा था। वहीं, इस नाले से मोती राम के घर की चार दीवारी सहित मकान को भी खतरा हो गया। नाले की तेज धारा ने इनके दीवार की नीव को खोखला कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि हम सभी इस समस्या को लेकर डीसी कुल्लू से भी मिले, लेकिन अभी हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ। फेटावन निवासियों का कहना है कि अभी सर्दी की बारिश में यह हालात हैं, तो बरसात में हमारा क्या होगा। इनका कहना है कि बिजली महादेव को जाने वाले लिंक रोड बनने के बाद इस नाले में पानी भारी मात्रा में आने लगा है। पहले ऐसा नहीं होता था। वहीं, मौके पर पंचायत के प्रधान संजू पंडित भी पहुंचे और पूरा जायजा लिया और प्रशासन से समस्या को हल करने की मांग रखी।

पत्रकारवार्ता पंचायतें पंचायतीराज अधिनियम के तहत भवन निर्माण विनियमन की ओर बढ़ीं

बंजार की पंचायतों में मॉडल प्लान किया लागू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सहारा संस्था के निदेशक राजेंद्र चौहान ने कहा कि प्रदेश की घाटियों में बढ़ते बेतरतीब निर्माण और 2023 आपदा से सबक लेते हुए बंजार खंड की कुछ प्रगतिशील पंचायतें पंचायतीराज अधिनियम-1994 की धारा 14 और 13 के तहत भवन निर्माण विनियमन की ओर बढ़ी हैं।

शुक्रवार को कुल्लू में आयोजित पत्रकारवार्ता में उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य विनियमन के लिए आदर्श योजना विकसित की गई और पंचायत समिति अध्यक्ष द्वारा गत माह सर्वसम्मति से स्वीकृत व अनुमोदित किया जा चुका है। इससे उच्च न्यायालय के कुसुम बाली बनाम हिमाचल सरकार के 13 जनवरी, 2023 के आदेशों का भी पालन होगा। इसमें सभी पंचायतों को पंचायतीराज अधिनियम के तहत आदर्श योजना बनाने को निर्देशित किया गया था। न्यायालय ने प्रदेश में चल रहे अनियिमित और जोखिम भरे निर्माण पर कड़ा रुख करते हुए संबंधित विभागों को फटकार भी लगाई थी। तीर्थन और जीभी घाटी में तेजी से बढ़ते अनिमियित निर्माण कार्य को देखते हुए यह पहल की गई है। इससे पूर्व भी जीभी व तीर्थन घाटी की 12 पंचायतों ने 2021 में ग्रामसभा स्तर पर प्रस्ताव पारित कर एक दृष्टिपत्र (विजन डॉक्यूमेंट) भी पारित किया था, जो मुख्य सचिव सहित जिलाधीश और संबंधित अधिकारियों के साथ साझा किया था। दृष्टिपत्र के अनुसार ग्रामसभा कसोल जैसे पर्यटन मॉडल के विपरीत, पर्यटन विकास को एक सतत और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील दिशा में ले जाना चाहते हैं और अनियिमित रूप से बढ़ते पर्यटन के चलते देव समाज में पवित्र तीर्थन नदी को दूषित और अन्य देव स्थलों की पवित्रता को परंपरागत तौर पे बनाए रखने के लिए यह पहल की गई है। वहीं, शरची पंचायत के पूर्व प्रधान हरी सिंह के अनुसार ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के एकोजोन में स्थित यह क्षेत्र भौगौलिक और पारिस्थितिकी दृष्टि से संवेदनशील है और अनियिमित निर्माण से बेवजह जोखिम रहेगा, जो लंबे समय में पर्यटन को भी नुकसान कर सकता है। इस तरह के बेतरतीब विकास से देव समाज में सांस्कृतिक मूल्यों और पवित्र नदी-नालों के पारिस्थितिक स्वास्थ्य पर असर पड़ने पर जन मानुष में भारी रोष भी है। शोझा पर्यटन विकास समिति के वरिष्ठ सलाहकार व जलोड़ी टनल संघर्ष समिति के महासचिव पदम सिंह ने कहा कि यह अपनी तरह का प्रदेश में पहला मामला है, जब पंचायतों ने एकजुट होकर बेतरतीब निर्माण से निपटने के लिए मॉडल प्लान लागू किया है। घाटी के लोगों को टीसीपी विभाग द्वारा पंचायत की शक्तियों को कमजोर करने की भी शंका है इसलिए पंचायतराज अधिनियम-1997 की धारा 38 के तहत पंचायत समिति से अनुमोदित कर दिया है।

मनाली में बर्फ ने बढ़ाई दिक्कतें जगह-जगह पेड़ गिरने से नुकसान

अनंत ज्ञान, मनाली

पर्यटन नगरी मनाली में हो रही भारी बर्फबारी खुशियों सहित आफत लेकर आई है।

पानी वाला बर्फ होने के कारण जगह-जगह पेड़ टूटने से काफी नुकसान हुआ है। बड़ी घटना मनाली के वार्ड एक में हुई है, यहां जुपिटर होटल की छत पर दो बड़े पेड़ गिर गए। आधी रात को जब यह हादसा हुआ, तब होटल के भीतर होटल मालिक का परिवार व पर्यटक सोए थे। पेड़ की आवाज सुनकर सभी की नींद भाग गई। होटल मालिक ने सबसे पहले होटल में ठहरे पर्यटकों को सुरक्षित दूसरे स्थान पर भेजा। होटल की छत पर दरार आ जाने से हालात को देखते हुए होटल मालिक ने भी दूसरी जगह शरण ली। पेड़ गिरने से पार्किंग में खड़े पर्यटक चार पर्यटन वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि एक अन्य वाहन का शीशा टूट गया है। इस घटना से होटल मालिक को लाखों का नुकसान होने का अनुमान है। दूसरी घटना इसी वार्ड में होटल सिंगार के पास हुई है। यहां भी पेड़ गिरने से घर व दो गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। तीसरी घटना माता हिडिंबा मंदिर के पास हुई। यहां भी पेड़ गिरने से मंदिर को नुकसान पहुंचा है। चौथी घटना ब्यास पुल के पास हुई है। यहां पेड़ गिरा, लेकिन किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। घटनाओं का पता चलते ही एसडीएम रमण कुमार शर्मा और तहसीलदार अनिल राणा मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। एसडीएम रमण कुमार शर्मा ने बताया कि पेड़ गिरने से होटल व गाड़ियों को नुकसान हुआ है। रेवेन्यू विभाग को नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए हैं।

बर्फ में पर्यटकों ने की खूब मस्ती

पर्यटन नगरी मनाली में गत शाम से ही बर्फबारी शुरू हो गई है। मालरोड में बर्फ के फाहे गिरते देख पर्यटक झूम उठे। बर्फ के बीच पर्यटकों ने खूब मस्ती की। वहीं, शुक्रवार को भी पूरा दिन बर्फबारी का क्रम जारी रहने से घाटी ठंड की चपेट में आ गई। बिजली गुल है और पेयजल की समस्या से भी मनाली में लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं, मनाली की सड़कें पानी और बर्फ से लबालब भरी हुई हैं, जिस कारण पर्यटकों सहित स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लाहौल व मनाली में फागली उत्सव की धूम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल व मनाली में फागली उत्सव की धूम शुरू हो गई है। रिश्तों को मजबूत करने के लिए छोटों द्वारा बड़ों को द्रूब दी जा रही है। मिलने-जुलने व सुख-दुख बांटने के मकसद से मनाया जाने वाला फागली उत्सव अपना महत्व बरकरार रखे हुए है। समस्त मनाली व लाहौल के लोग फागली उत्सव को धूमधाम से मना रहे हैं। लाहौल व कुल्लू घाटी विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों से महक उठी है। लाहौल के लोगों ने देवी-देवताओं की पारंपरिक पूजा-अर्चना के बाद द्रूब देकर बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। इस दौरान पुष्प व हरियाली के प्रतीक उगे हुए गेहूं की डालियों का आदान-प्रदान किया गया। समस्त लाहौलियों ने प्यार व भाईचारे के प्रतीक माने जाने वाले इस त्योहार को मनाया। इस पर्व के बाद लाहौल घाटी में सर्दी कम हो जाती है। अजीत शर्मा, जीतू, मनोज व राकेश ने बताया कि इस वर्ष भी फागली उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। लाहौल के साथ-साथ कुल्लू-मनाली में रह रहे लाहौली भी इस पर्व को धूमधाम से मना रहे हैं। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने जनजातीय लोगों को फागली उत्सव की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि फागली उत्सव सुख व समृद्धि का प्रतीक है तथा जनजातीय संस्कृति को संजोए हुए है। उन्होंने सभी की खुशहाली की कामना की।

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल वीरवार देर शाम शिमला जाते समय कुछ देर के लिए सोलन रुकी। सोलन सर्किट हाउस में पहुंचने पर उनका स्वास्थ्य मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने स्वागत किया। वह कुछ समय सोलन रुकी इसके बाद शिमला रवाना हुईं।

न्यूज ब्रीफ

पटवारी एवं कानूनगो ने शुरू की पेनडाउन हड़ताल

अनंत ज्ञान, सराहां। संयुक्त पटवारी एवं कानूनगो इकाई पच्छाद महासंघ राज्य कार्यकारिणी के आदेशानुसार से शुक्रवार से अनिश्चित काल की हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने अपनी मांगों का जिक्र करते हुए बताया कि गत दिनों प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी कर उनको जिला कैडर से राज्य कैडर किया है, जिसका महासंघ पूर्ण रूप से विरोध करती है व जबतक सरकार इसे वापस नहीं लेती। हमारा संघर्ष जारी रहेगी। वहीं, उनकी मांग है कि नायब तहसीलदार का कोटा 60 प्रतिशत से 80 प्रतिशत बढ़ाया जाए।

जोघों-बरूणा सड़क की टारिंग का कार्य शुरू

अनंत ज्ञान, बद्दी। विधायक हरदीप सिंह बावा ने जोघों से बरूणा मार्ग चौड़ा व टारिंग करने का कार्य शुरू किया। पांच किमी इस मार्ग पर 50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। चार किमी मार्ग में तारकोल व शेष में इंटरलॉक टाइल लगाई जाएंगी। विधायक ने काम शुरू करवान से पहले भूमि पूजन करवाया। विधायक ने कहा कि इस मार्ग की टारिंग के साथ-साथ इंटरलाक टाइल भी लगाई जाएंगी। इस मार्ग की टारिंग होने से 8 पंचायतों के लोगों को यातायात की सुविधा मिलेगी। प्रदेश सरकार के सहयोग से नालागढ़ में सड़कें, पेयजल योजनाएं व बिजली की समस्याओं को दूर किया जा रहा है। सभी पंचायतों में एक समान विकास किया जा रहा है।

मार्च तक पूरा होगा किरतपुर पुल का निर्माण

अनंत ज्ञान, बद्दी। पिंजौर-नालागढ़ फोरलेन पर किरतपुर गांव में मार्च माह के अंत तक पुल तैयार करने का टारगेट रखा है, जिसके बाद बद्दी से पिंजौर मार्ग पर लगने वाले जाम से भी निजात मिलेगी। जानकारी के अनुसार अगस्त 2023 में बद्दी-पिंजौर मार्ग पर खड्ड में बाढ़ आने से तीन पुल एक साथ टूट गए थे। पहले मंडावाला खड्ड पर उसके बाद बालद व तीसरे नंबर पर हरियाणा के किरतपुर में पुलों को नुकसान पहुंचा था, जिससे पिंजौर से बद्दी की कनेक्टिविटी पूरी तरह से बंद हो गई थी। यह दोनों रोड बड़े ट्रकों के लिए सही नहीं थे, जिस पर बद्दी से सामान भरकर ट्रक पहले नालागढ़ वहां से घनौली होते हुए पंजाब में प्रवेश करते थे, अब मंडावाला व बालद खड्ड पर एनएचएआई ने पुल तैयार कर दिए हैं, लेकिन किरतपुर में अभी तक पुल तैयार नहीं हो पाया है। पिंजौर-नालागढ़ फोरलेन के प्रोजेक्ट प्रभारी इंजीनियर असलम खान ने बताया कि अभी तक 42 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। हरियाणा में 27 फीसदी व हिमाचल में पंद्रह फीसदी कार्य पूरा हुआ है। मार्च के अंत पुल के ऊपर लैंटर डाल दिया जाएगा।

परवाणू टोल इकाई: सर्वाधिक बोली 21.13 करोड़

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन जिले के परवाणू टोल इकाई की वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नीलामी प्रक्रिया संपन्न हुई। नीलामी प्रक्रिया की अध्यक्षता डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने की। यह जानकारी उप आयुक्त, राज्य कर एवं आबकारी, जिला सोलन शिल्पा कपिल ने दी। उन्होंने कहा कि परवाणू टोल इकाई में परवाणू मेन, परवाणू सेक्टर-4 तथा टिपरा बाइपास सम्मिलित हैं। परवाणू टोल इकाई के लिए आरक्षित मूल्य 20 करोड़ 59 लाख 72 हजार 150 रुपए निर्धारित किया गया था। इस इकाई के लिए सबसे अधिक बोली मैसर्ज रोबिनजीत सिंह संधु, वार्ड नंबर-1, दशमेश हाउस, आनंदपुर साहिब, पंजाब द्वारा लगाई गई। परवाणू टोल इकाई के लिए सार्वाधिक बोली 21 करोड़ 13 लाख 13 हजार 113 रुपए रही।

प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में टीम डी प्रथम स्थान पर

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुंदन में प्रधानाचार्य सरताज सिंह राठौर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंबुजा सीमेंट की तरफ से आरती सोनी और स्कूल प्रबंधन समिति की अध्यक्ष नीम चंद ठाकुर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत वैज्ञानिक सीवी रमन की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। इसके बाद प्रवक्ता जीव विज्ञान नीलम शुक्ला ने बताया कि आज का दिन महान विज्ञानिक सर सीवी रमन को समर्पित है। इस अवसर पर स्कूल में विज्ञान विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में टीम डी जिसमें मुस्कान, स्नेहा, कनिका और गौरव ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि टीम-सी जिसमें केशवी, दीक्षा, सोनाक्षी और पिंकी ने द्वितीय और टीम ई जिसमें निहारिका, तान्या, हरीश और रिया ने तृतीय स्थान हासिल किया।

मुख्यमंत्री से सनातन बोर्ड की मांग रखी

अनंत ज्ञान, अर्की। राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी देवभूमि क्षत्रिय संगठन सवर्ण मोर्चा के संस्थापक एवं अध्यक्ष रुमित सिंह ठाकुर ने भाजपा और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से सोशल मीडिया पर खबर चल रही है कि वर्तमान सरकार मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के द्वारा अपने चीफ सेक्रेटरी के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के सभी जिला प्रशासन को चिट्ठी भेजी गई है कि हिमाचल प्रदेश के सभी 36 पंजीकृत सिद्धपीठ और शक्तिपीठ मंदिरों का पैसा सरकारी खजाने में डाला जाए, जिससे सरकार द्वारा चलाई जा रही सुख आश्रय योजना सुख शिक्षा योजना को बिना किसी समस्या के चलाया जा सके। ठाकुर का कहना है कि वर्तमान सरकार को ऐसी क्या आवश्यकता पड़ गई कि हिंदू मंदिरों में सनातनियों द्वारा अर्पित की गई धनराशि एवं खजाने को सरकार अपने प्रयोग के लिए खर्च करने के लिए मांगने पर आतुर हो गई। यह पैसा सनातनियों का है देवभूमि क्षत्रिय संगठन सवर्ण मोर्चा के माध्यम से वर्तमान मुख्यमंत्री से सनातन बोर्ड की मांग रखी गई थी, जो मांग अभी तक लंबित पड़ी है।

सोलन में बारिश से जनजीवन प्रभावित

कालका-शिमला हाईवे पर पत्थर गिरने से यातायात प्रभावित, झेलनी पड़ी बिजली की आंख-मिचौनी

आर मोहन चौहान, सोलन

हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी से जनजीवन प्रभावित हुआ है। जिला मुख्यालय सहित उपमंडलों में शुक्रवार को बारिश होने से तापमान में गिरावट आई है। सर्द हवाओं के चलने समूचा क्षेत्र शीतलहर की चपेट में आ गया है।

पर्यटन नगरी चायल और कसौली में भी बारिश से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। जिला मुख्यालय सोलन में ठंड से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। बारिश के कारण कालका-शिमला हाईवे के कई हिस्सों में पत्थर गिरने से यातायात प्रभावित हुआ। वहीं, चंबाघाट में फ्लाईओवर के नीचे पानी की निकासी नहीं होने से यहां बारिश का पानी जमा हो गया। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। बारिश से शहर के कई हिस्सों में लोगों को बिजली की आंख-मिचौनी का भी सामना करना पड़ा। बिजली गुल रहने से लोगों को सर्द मौसम में परेशानी झेलनी पड़ी। (अनंत ज्ञान)

60 सेंटीमीटर तक ताजा हिमपात

रिकांगपिओ। किन्नौर में भारी बर्फबारी के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जिले में करीब साठ सेंटीमीटर तक ताजा हिमपात हुआ है, जिस कारण जिले की सभी सड़क यातायात के लिए अवरुद्ध हो गई हैं। जिले के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में अंधेरा पसरा हुआ है। वहीं, एनएचएआई, सीमा सड़क संगठन और लोक निर्माण विभाग बाधित सड़कों के बहाल करने में जुटे हुए हैं। बर्फबारी के कारण शुक्रवार को जिला प्रशासन ने जिले के सभी स्कूलों को बंद रखने के फरमान जारी किए। किन्नौर के अधिकांश ऊंचाई वाले इलाकों में 45 से 60 सेंटीमीटर तक ताजा हिमपात दर्ज किया गया है। जिले के छितकुल, काफनू, कुन्नोचारंग में शुक्रवार को 60 सेंटीमीटर, कल्पा में 30 सेंटीमीटर और सांगला में 45 सेंटीमीटर तक ताजा हिमपात दर्ज किया गया है।

सूखी ठंड से मिली निजात

जिला मुख्यालय सोलन सहित उपमंडलों में बारिश होने से लोगों को सूखी ठंड से निजात मिली है। सूखी ठंड से लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे थे। वहीं, अच्छी बारिश होने की स्थिति में नए पौधे लगाने में आसानी होगी। गेहूं, मटर, लहसुन और अन्य नकदी फसलों की बिजाई वाले क्षेत्रों में बारिश संजीवनी साबित होगी। बारिश होने से पेयजल स्रोत भी रिचार्ज हुए हैं। साथ ही भूमिगत जलस्तर भी बढ़ा है। ऐसे में गर्मियों में पानी नहीं होने की संभावना है।

फलदार पौधों के लिए लाभकारी

नौणी विवि के मौसम विभाग के मुताबिक यह बारिश फसलों और फलदार पौधों के लिए लाभकारी साबित होगी। फसलों की बिजाई के बाद से किसान पिछले दो माह से बारिश का इंतजार कर रहे थे। सोलन में पिछले लंबे समय से बारिश न होने के कारण सूखे की स्थिति बन गई थी। जिले में इन दिनों रबी सीजन की लगभग सभी फसलें सूखे की चपेट में हैं। जिला कृषि विभाग सोलन उपनिदेशक डॉ. देवराज कश्यप के मुताबिक इस रबी सीजन में ड्राई स्पेल के दौरान ही फसलों को खासा नुकसान हुआ है। गैर सिंचित क्षेत्र में अब गेहूं की बिजाई फायदेमंद नहीं है। किसान जल्द तैयार होने वाली फसल जैसे सूरजमुखी आदि की बिजाई कर सकते हैं।

समूचा क्षेत्र शीतलहर की चपेट में

लंबे समय से सूखे की मार झेल रहे किसान-बागवानों के चेहरों पर भी बारिश से रौनक लौट आई। वहीं, मौसम का मिजाज बिगड़ने से समूचा क्षेत्र शीतलहर की चपेट में है। जिले के कसौली और चायल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने की स्थिति में पर्यटन कारोबार को बढ़ावा मिलेगा। कृषि विशेषज्ञों की मानें, तो सूखे के कारण फसलों को जो नुकसान हो चुका है, उसकी भरपाई नहीं होगी पर बाकी बची फसल के लिए बारिश संजीवनी साबित होगी। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हुई बर्फबारी सेब सहित अन्य फलदार पौधों के लिए फायदेमंद है।

प्रदेश सरकार में कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता परेशान : शैलेंद्र

अनंत ज्ञान, सोलन

भाजपा शहरी मंडल सोलन के अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक कर्नल धनीराम शांडिल की अपने विभाग व पार्टी में पकड़ लगातार कमजोर होती जा रही है। ऐसा लगता है कि पुत्र मोह के कारण वह मंत्रीपद की अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा पा रहे हैं।

वीरवार को संपन्न जिला शिकायत निवारण समिति की बैठक में इस क्षेत्र के पुराने कांग्रेसी नेताओं बलदेव ठाकुर व शिवदत्त ठाकुर ने सरकार व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। सोलन शहरी भाजपा के अध्यक्ष शैलेंद्र ने कहा कि यह कैसा व्यवस्था परिवर्तन है, जहां जिले की शिकायत निवारण समिति जैसी महत्वपूर्ण बैठक में से कांग्रेस के पांच विधायकों में से तीन विधायक गैरहाजिर हैं। झूठी गारंटियों के सहारे सत्ता में आई कांग्रेस आम जनता की पूर्व की भाजपा सरकार द्वारा दी सुविधाएं वापस लेने का काम कर रही है। शिकायत निवारण समिति की बैठक में कांग्रेसी नेता ने स्वास्थ्य मंत्री को बजट और जमीन हस्तांतरण के मामले में घेरा, जबकि एक अन्य कांग्रेसी नेता ने आरोप लगाया कि एसडीएम कार्यालय से चकौता धारकों की फाइलें गुम हो रही हैं। कांग्रेस की वर्तमान सरकार में न केवल आमजन की परेशानियां बढ़ी हैं, बल्कि कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता भी परेशान हैं। शैलेंद्र ने कहा कि उक्त बैठक में स्वास्थ्य, सड़क, राजस्व, परिवहन व पेयजल के अनेक मामले आए, जो लंबे समय से लंबित हैं।

हर्षवर्धन 2 मार्च को सिरमौर प्रवास पर

अनंत ज्ञान, नाहन। उद्योग, संसदीय कार्य तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान 2 मार्च को जिला सिरमौर के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह नाहन में आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय इंटर डाइट कल्चर मीट कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लेंगे।

पेंशनर्स कल्याण संघ के साथ एडीएम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

लंबित बिलों की अदायगी के लिए बजट की मांग

अनंत ज्ञान, सोलन

अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रदेश एवं जिला सोलन के लिए अमूल्य हैं और इनकी विभिन्न समस्याओं का समयबद्ध निवारण जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

राहुल जैन जिला पेंशनर्स कल्याण संघ की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। राहुल जैन ने बैठक में उपस्थित सभी पेंशनर्स को विश्वास दिलाया कि उनकी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा और राज्य सरकार के स्तर पर भेजी जाने वाली समस्याओं एवं मांगों को जल्द उचित स्तर पर प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को पेंशनर्स की समस्याओं से संबंधित प्रपत्रों को तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि भविष्य में उपमंडल स्तर पर भी पेंशनर्स के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिकतर समस्याओं का निराकरण उपमंडल स्तर पर ही सुनिश्चित किया जा सके।

एडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने विभागों से पेंशनर्स के लंबित चिकित्सा बिलों की अदायगी के लिए समय पर बजट की मांग करें, ताकि लंबित चिकित्सा बिलों की अदायगी समय पर की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले पेंशनर्स को यथोचित सम्मान दिया जाए।

वरदान साबित हो रही प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाएं : रावत

अनंत ज्ञान, सोलन

सिरमौर भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी प्रताप सिंह रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाएं देश व प्रदेश के गरीब लोगों के लिए वरदान साबित हो रही हैं।

रावत ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने केंद्र व प्रदेश में कई वर्षों तक राज किया, लेकिन उन्होंने गरीबों के लिए कोई भी योजनाएं नहीं चलाई, जिससे देश व प्रदेश के गरीब लोग अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। रावत ने बताया कि जब से प्रधानमंत्री मोदी ने देश की बागडोर संभाली है, तब से उन्होंने देश व प्रदेश के गरीब लोगों के लिए बहुत सारी जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं, जिसका लाभ आज अंतिम पंक्ति में बैठा व्यक्ति भी आसानी से ले रहा है। रावत ने बताया कि जिस गरीब के पास अपना पक्का घर नहीं है उस गरीब को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर बनाने के लिए एक लाख साठ हजार रुपए दिए जा रहे हैं, जिस गरीब के पास अपना शौचालय नहीं है उस गरीब को स्वच्छ भारत अभियान के तहत 12 हजार रुपए शौचालय बनाने के लिए दिए जा रहे हैं। देश व प्रदेश के सभी किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना के तहत हर साल 6 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के स्वास्थ्य की चिंता कर आयुष्मान भारत योजना के तहत हर परिवार को पाच लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस भी दिया है।

घास काटने गए व्यक्ति की ढांक से गिरकर मौत

अनंत ज्ञान, सोलन। क्षेत्रीय अस्पताल सोलन से पुलिस थाना कंडाघाट को सूचना मिली कि उमादत्त नामक व्यक्ति को गिरने के कारण उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है, जिसकी मृत्यु हो चुकी है। इस सूचना पर पुलिस थाना कंडाघाट की पुलिस टीम तुरुंत क्षेत्रीय अस्पताल पहुंची, जहां व्यक्ति मृत हालत में पड़ा था, मौके पर उसके परिजन भी मौजूद थे। तस्दीक करने पर उक्त व्यक्ति की पहचान उमादत डाखा कंडाघाट जिला सोलन उम्र 62 वर्ष के रूप में हुई। जांच में पाया कि मृतक रोजाना घासनी में घास लेने जाता था तथा रोजाना की तरह वह घासनी में घास लेने के लिए गया हुआ था, लेकिन जब वह घास लेकर वापस घर न आया, तो उसके परिजन उसकी तलाश करने के लिए गए, तो वह ढांक से नीचे में गिरा पाया गया, जिसके सिर पर गहरी चोट लगी थी, जिसे उसके परिजन उसे उपचार के लिए जल्द क्षेत्रीय अस्पताल सोलन लाए, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पांवटा घाट पर यमुना नदी का जलस्तर गिरा

सामाजिक संस्थाओं ने कम होते जलस्तर पर जताई चिंता

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

सामाजिक संस्थाओं ने कहा कि पांवटा साहिब घाट पर यमुना नदी का जलस्तर अत्यधिक गिर चुका है और वह अब एक नाले में परिवर्तित हो गया है।

सरकारी समझौते के अनुसार मुख्य नदी बेसिन में पर्याप्त जल प्रवाह बनाए रखना अनिवार्य है, लेकिन वर्तमान स्थिति में जल प्रवाह की कमी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। पांवटा साहिब की सामाजिक संस्था मॉर्निंग जॉगर्स क्लब, पांवटा साहिब रोटरी क्लब, पांवटा साहिब राधा कृष्ण मंदिर समिति, पांवटा साहिब, इनरव्हील क्लब, पांवटा साहिब जगन्नाथ ट्रस्ट, सीनियर सिटीजन काउंसिल, पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महासभा ने कहा कि निरीक्षणों में पाया गया कि नदी में अपेक्षित जल प्रवाह में कमी आई है, जिस कारण जल स्तर अत्यंत निम्न स्तर पर पहुंच गया है। इसका मुख्य कारण नदी बेसिन में जल प्रवाह की कमी, प्राकृतिक एवं मानवनिर्मित कारणों से उत्पन्न विकार है। साथ ही पूरे शहर के नालों का गंदा पानी बिना ट्रीटमेंट के यमुना में डाला जा रहा है, जिससे प्रदूषण की समस्या और बढ़ गई है। बैराज कई वर्षों से बंद पड़ा है, जबकि इसे नदी में उचित जल स्तर बनाए रखने के लिए बनाया गया था। यमुना का जल बिजली उत्पादन के लिए नहरों में अधिक मात्रा में डाल दिया जा रहा है, जिससे जल स्तर पर और प्रभाव पड़ रहा है।

यमुना मंदिर एवं गुरुद्वारा पांवटा साहिब घाट के सामने जल स्तर बनाए रखने के लिए बैराज का निर्माण किया गया है। सरकारी समझौते के अनुसार, मुख्य नदी बेसिन में पर्याप्त जल प्रवाह बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी एवं आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

सभी संस्थाओं ने स्थानीय निकायों और जल शक्ति विभाग से निवेदन किया कि यमुना नदी में आवश्यक जल स्तर बहाल करने, प्रदूषण नियंत्रण एवं बैराज की मरम्मत के साथ-साथ नहरों में उचित जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करें, ताकि नदी के पुनरुद्धार एवं पर्यावरणीय संतुलन को सुनिश्चित करें।

सराहां स्कूल में मनाया विज्ञान दिवस

अनंत ज्ञान, सराहां। शंकर विद्या निकेतन पब्लिक हाई स्कूल सराहां में शुक्रवार को विज्ञान दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया, जिसमें विज्ञान अध्यापिकाओं संध्या शर्मा व हर्षिता के सहयोग से बच्चों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें छठी कक्षा के बच्चों द्वारा भाषण प्रतियोगिता, सातवीं कक्षा द्वारा मॉडल तथा आठवीं कक्षा द्वारा प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए आविष्कार और उपलब्धि का वर्णन बच्चों द्वारा चार्ट प्रतियोगिता तथा मॉडल द्वारा तथा चित्रकला द्वारा प्रस्तुत किया गया।

विद्यालय प्रबंधक महेंद्र पाल नेहरू विद्यालय सलाहकार सुनंदा आर्या तथा विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. रागिनी नेहरू भटनागर ने बच्चों को विज्ञान दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश सरकार राजनीतिक कुशलता से मानसिक दिवालियापन को दर्शा रही : विवेक

अनंत ज्ञान, सोलन

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विवेक शर्मा ने कहा कि आर्थिक दिवालियापन पर हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के नेता सत्ता सुख दोहन करने के पश्चात जिस प्रकार घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं, उनके हौसले और हिम्मत की दाद देनी होगी। प्रदेश सरकार अपनी राजनीतिक कुशलता से मानसिक दिवालियापन को दर्शा रही है।

आर्थिक विफलताओं के आरोप प्रत्यारोप से बेहतर होगा मुर्गा, समोसा, बीमारी के बाद डूबती अर्थव्यवस्था पर भी एक एफआईआर करवा दें, कम से कम किसी जांच एजेंसी की जिम्मेदारी तो फिक्स होगी क्योंकि राजनीतिक सत्ता प्राप्ति के लिए झूठ बोलना, रेवड़ियां बांटना, प्रश्न करने वालों को प्रताड़ित करने से बेहतर होगा। प्रदेश सरकार को भी कहने के लिए एक वक्तव्य मिल जाएगा कि मामलों पर जांच हो रही है और राजनीतिक कार्यकर्ताओं का मुंह बंद करवाने के लिए मामला न्यायालय में विचाराधीन है ये कहकर सुरक्षित बाइपास मिल जाएगा। कांग्रेस के व्यावहारिक दृष्टिकोण में स्पष्टता से दिखता है कि आश्वासन, सेल्फी के पश्चात आमजन खुश हो जाता है अन्यथा प्रताड़ित होकर नारे लगाकर घर बैठ जाता है। कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है सत्ता सुख बना रहना चाहिए। आगामी बजट कथा में व्यस्त अधिकारियों को कागजों में विकासात्मक योजनाएं बनाना प्रदेश सरकार को प्रसन्न करना सबसे गंभीर चुनौती है।

आयोजन अजय सोलंकी ने किया राज्य स्तरीय इंटर डाइट कल्चरल मीट का शुभारंभ

12 प्रशिक्षण संस्थानों से 400 प्रशिक्षु ले रहे भाग

अनंत ज्ञान, नाहन

जिला मुख्यालय नाहन में दो दिवसीय राज्य स्तरीय इंटर डाइट कल्चरल मीट का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय विधायक अजय सोलंकी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। राज्य स्तरीय इंटर डाइट कल्चरल मीट में प्रदेश के 12 शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों के 400 प्रशिक्षु हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के पहले दिन एसएफडीए हाल नाहन में मोनो स्किट प्ले के साथ-साथ कविता, शास्त्रीय नृत्य तथा क्लासिकल सांग प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जबकि इससे पहले बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने पहुंचे स्थानीय विधायक अजय सोलंकी का डाइट प्रबंधन के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जिला शिक्षा उपनिदेशक उच्च हेमेंदर सिंह बाली जिला क्वालिटी कम जिला परियोजना अधिकारी रीता गुप्ता उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा एवं प्राचार्य डाइट राजीव ठाकुर, राज्य समन्वयक सुमन, रेखा, वीना आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस प्रतियोगिताओं का शुभारंभ महिला प्रशिक्षुओं के द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

वहीं, डाइट प्रशिक्षुओं के द्वारा आयोजित की गई सिरमौरी नाटी पर विधायक अजय सोलंकी सहित उपस्थित अतिथिगण भी जमकर नाचे। विधायक के द्वारा गाए गए साधु बनकर रावण आया नामक भजन की लोगों ने जमकर सराहना की। वहीं, उन्होंने स्टूडेंट्स को सांस्कृतिक प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं, डाइट के प्राचार्य राजीव ठाकुर ने बताया कि इस बार जिला सिरमौर को इस प्रतियोगिता के लिए मेजबानी करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि आयोजित प्रतियोगिताओं का समापन 2 मार्च को होगा, जिसमें बतौर मुख्यातिथि उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान मौजूद रहेंगे।

विकास कार्यों को मिली नई गति

अनंत ज्ञान, नाहन। नाहन के विधायक अजय सोलंकी ने पटवार वृत्त मिश्रवाला और सैनवाला-मुबारकपुर के नवनिर्मित भवनों का शिलान्यास किया, जिससे क्षेत्रवासियों को प्रशासनिक कार्यों में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विधायक अजय सोलंकी ने दोनों पंचायतों के लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। गांववासियों की विकास से जुड़ी लगभग सभी मांगों को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा कि नाहन विधानसभा का समग्र विकास उनका मुख्य उद्देश्य है। हमारा लक्ष्य केवल बुनियादी विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में नाहन को बहुत आगे ले जाना है। सड़कें, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक सुविधाएं, रोजगार, सभी क्षेत्रों में बदलाव लाने का हमारा संकल्प है। हम चाहते हैं कि नाहन विधानसभा एक आदर्श क्षेत्र बने, जहां हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हों और पारदर्शी प्रशासन की मिसाल कायम हो।

समाज सेवा के महत्व पर डाला प्रकाश

अनंत ज्ञान, नाहन। डॉ. यशवंत सिंह परमार राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नाहन की एनएसएस इकाइयों 1 और 2 द्वारा सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि डॉ. सुरेश चंद जोशी (शिक्षाविद एवं पर्यावरणविद) और विशिष्टातिथि प्रो. अमर सिंह चौहान (अध्यक्ष, ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन) रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रेम राज भारद्वाज ने की, जिन्होंने युवा, समाज सेवा और व्यक्तित्व विकास पर अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज सेवा के माध्यम से युवाओं का बहुआयामी विकास होता है। मुख्यातिथि डॉ. सुरेश चंद जोशी ने स्वयंसेवकों को सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। प्रो. अमर सिंह ने एनएसएस के माध्यम से समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. लक्षिता ठाकुर ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने शिविर की मुख्य गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

नौणी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

साक्षी व अमन को मिला 10,000 का नकद पुरस्कार

अनंत ज्ञान, सोलन

डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी में हिमालयन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से प्लांट पैथोलॉजी विभाग ने विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना विषय के तहत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया।

इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. संजीव चौहान और बागवानी कॉलेज के डीन डॉ. मनीष शर्मा विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्लांट पैथोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. सतीश शर्मा ने छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभाग की चल रही पहल पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्नातकोत्तर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं का परिणाम रहा। डॉ. सतीश शर्मा ने विजेताओं की घोषणा की, जिसमें साक्षी शर्मा और अमन चौहान को पीएचडी श्रेणी में 10,000 का नकद पुरस्कार मिला और गीतांजलि और शुभम को मास्टर्स श्रेणी में 10,000 का पुरस्कार मिला। आरकेवीवाई हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रायोजित मशरूम की खेती पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन भी हुआ। डॉ. धर्मेश गुप्ता और डॉ. अभिमन्यु ठाकुर द्वारा समन्वित प्रशिक्षण में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से 20 किसानों ने भाग लिया। मुख्यातिथि ने भाग लेने वाले किसानों को स्पॉन के बैग और प्रमाण पत्र वितरित किए। मुख्यातिथि ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और किसानों से विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने वैज्ञानिक प्रगति को बढ़ावा देने और कृषि समुदाय को सशक्त बनाने में ऐसी पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला। बागवानी कॉलेज के डीन डॉ. मनीष शर्मा ने विभाग में शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए सोसायटी के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को बधाई दी।

वेल्यू लिंक पर छात्रों को दिया प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, सोलन। वैल्यू चैन विकास में वेल्यू लिंक के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, डॉ यशवंत सिंह परमार परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी में खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में वेल्यू चैन विकास और प्रचार के लिए वेल्यू लिंक पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यह प्रशिक्षण कृषि और खाद्य क्षेत्र में ग्लोबल इनोवेशन सेंटर (जीआईसी), जीआईजेड इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसमें विभाग के स्नातकोत्तर छात्र भाग ले रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

चंडीगढ़ में कल बंद रहेगा मार्ग

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। आम जनता को सूचित किया जाता है कि जंक्शन नंबर-3, हाई कोर्ट चौक पर डिवाइडिंग रोड सेक्टर 1/3 में तृतीयक उपचारित पानी की पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क कटौती के कारण, जंक्शन नंबर-3, हाई कोर्ट चौक पर रोड कट डिवाइडिंग सेक्टर एक 2 मार्च को (सुबह 10 से रात 10 बजे तक) बंद रहेगा। आम जनता से अनुरोध है कि वे वैकल्पिक मार्ग अपनाएं और नगर निगम, चंडीगढ़ के साथ रहें।

तीन सेनेटरी इंस्पेक्टरों की सेवाएं समाप्त कीं

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। एमसी चंडीगढ़ के सेनेटरी इंस्पेक्टरों द्वारा किए गए अनावश्यक चालान के संबंध में प्रकाशित एक खबर पर कड़ा संज्ञान लेते हुए कमिश्नर एमसीसी, श्री. आईएएस अमित कुमार ने श्री की सेवाएं बर्खास्त कर दी हैं। अतुल राणा, श्री. बलजिंदर सिंह और श्री. शशि कांत, सेनेटरी इंस्पेक्टर्स (आउटसोर्स के माध्यम से)। तीनों इंस्पेक्टरों को आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से एमओएच विभाग में तैनात किया गया था। रात 11.30 बजे उनके पीयू एरिया के बाहर एक रेस्टोरेंट का चालान काटा गया। आयुक्त के बर्खास्तगी आदेश के बाद, एमसीसी ने आउटसोर्स एजेंसी को लिखा है कि इन तीन निरीक्षकों की सेवाओं की अब एमओएच के कार्यालय में आवश्यकता नहीं है और उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से बंद की जा सकती हैं।

दिव्यांगों के लिए नारायण लिंब मेजरमेंट कैंप कल

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। राजस्थान का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एनजीओ नारायण सेवा संस्थान द्वारा चंडीगढ़ में दिव्यांगों के कल्याणार्थ विशाल निशुल्क शिविर का आयोजन रविवार 2 मार्च को चंडीगढ़ के कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर- 49 में में आयोजित होगा। संस्थान के मीडिया एवं जनसंपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने बताया कि ऐसे लोग जिन्होंने किसी हादसे में या अन्य बीमारी के चलते अंगविहिन हुए है, उन्हें दिव्यांगता की जिंदगी से उबारने के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है। संस्थापक कैलाश मानव की प्रेरणा से संस्थान विगत 40 वर्षों से संस्थान मानवता और दिव्यांगता के क्षेत्र में सेवारत है। इसमें 400 से अधिक दिव्यांगों का प्री-रजिस्ट्रेशन हो चुका है। निदेशक गौड़ ने बताया कि इस शिविर में दिव्यांगों को संस्थान के अनुभवी एवं विशेषज्ञ ऑर्थोटिस्ट एवं प्रॉस्थेटिक डॉक्टर्स टीम द्वारा जांच की जाएगी। साथ ही सर्जन द्वारा दिव्यांगों का सर्जरी के लिए चयन किया जाएगा। जिन्हें उदयपुर स्थित संस्थान में रेफर कर निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा।

बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू करने के दिए आदेश

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। नगर निगम चंडीगढ़ (एमसीसी) नियमित, संविदा, आउटसोर्स और फील्ड कर्मचारियों सहित अपने सभी कर्मचारियों के लिए आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) लागू करने के लिए तैयार है। एमसी कमिश्नर आईएएस अमित कुमार ने आज स्थापना के संबंधित अधिकारियों को इस पहल को जल्द से जल्द लागू करने का आदेश दिया।सभी एमसीसी कर्मचारियों को 7 मार्च तक एनआईसी के आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) पर पंजीकरण करना होगा। व्यक्तिगत स्मार्टफोन पर आधारबीएएस, आधार, फेस, आरडी मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से एनआईसी के चेहरे के प्रमाणीकरण का उपयोग करके उपस्थिति को चिह्नित किया जाएगा। एक अप्रैल से सभी कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी, और उनका वेतन उपस्थिति रिकॉर्ड से जुड़ा होगा। आईटी शाखा, एमसीसी, प्रत्येक विंग, डिवीजन या शाखा से संपर्क के निर्दिष्ट एकल बिंदु (एसपीओसी) के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करेगी। प्रशिक्षण 3 मार्च से 13 मार्च तक होगा।

केंद्र और किसानों के बीच तीसरी बैठक आज

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन 2.0 को शुरू हुए एक साल से ज्यादा हो गया है। वहीं, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का आज 95वें दिन पूरा हो गया है। हालांकि, चार दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही है। दूसरी ओर, आज किसान आंदोलन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस मौके पर सरकारी वकीलों ने शीर्ष अदालत को बताया कि किसानों और केंद्र सरकार के बीच 14 और 22 फरवरी को दो बैठकें हो चुकी हैं, जबकि अगली बैठक 1 मार्च को होनी है। बैठक में राज्य सरकार के दो मंत्री भी शामिल हुए हैं।

पंजाब में बिना एनओसी प्लॉटों की रजिस्ट्री अगस्त तक

'आप' सरकार ने छह महीने बढ़ाई अवधि, आज समय सीमा हो रही थी पूरी

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने एनओसी के बिना प्लॉटों के रजिस्ट्री की समय अवधि बढ़ा दी है। सरकार ने अब इसे छह महीने की बढ़ोतरी की है। लोग 31 अगस्त तक प्लॉटों की रजिस्ट्री करवा पाएंगे। कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है।

सरकार की तरफ से इससे पहले एक दिसंबर 2024 से 28 फरवरी 2025 तक एनओसी के बिना प्लॉटों की रजिस्ट्रेशन के लिए समय दिया गया था। अब इसमें वृद्धि करते हुए 1 मार्च 2025 से 31 अगस्त 2025 तक समय सीमा बढ़ाई है। पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन (संशोधन) अधिनियम, 2024 के माध्यम से भूमि रजिस्ट्रेशन के लिए एनओसी की शर्त को समाप्त कर दिया गया था। इस संशोधन का उद्देश्य छोटे प्लॉट धारकों को राहत देने के साथ-साथ अवैध कॉलोनियों पर सख्त नियंत्रण सुनिश्चित करना है। (अनंत ज्ञान)

रजिस्ट्री के लिए यह शर्त तय

आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री ने आगे कहा कि इस ऐतिहासिक फैसले का उद्देश्य आम आदमी की भलाई सुनिश्चित करना है। कोई भी व्यक्ति जिसने अनधिकृत कॉलोनी में स्थित 500 वर्ग गज तक के क्षेत्र के लिए 31 जुलाई 2024 तक पावर ऑफ अटॉर्नी या स्टांप पेपर पर बिक्री समझौता किया है, उसे जमीन की रजिस्ट्री के लिए आपत्ति-मुक्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की आवश्यकता नहीं होगी। पंजाब सीएम भगवंत ने खुद इस बारे विस्तार से बताया।

पंचकूला में एसीपी की गाड़ी में लगी आग

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में पंचकूला के एसीपी शुक्रपाल की इनोवा गाड़ी मनीमाजरा हाउसिंग बोर्ड लाइट प्वाइंट पर अचानक धमाके के बाद आग की चपेट में आ गई। गाड़ी में एसीपी का बेटा अंकुर और ड्राइवर प्रवेश मौजूद थे, जो समय रहते बाहर निकलकर बाल-बाल बच गए। इसके बाद उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गाड़ी का अगला हिस्सा काफी जल चुका था। हालांकि, इस दौरान आसपास से गुजर रहे किसी भी वाहन या राहगीर को कोई नुकसान नहीं हुआ। एसएसपी, डीएसपी विजय कुमार और थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे। घटना देर रात की है।

राज्य चुनाव आयोग ने निकाय चुनावों के लिए किए व्यापक प्रबंध

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि राज्य में 2 मार्च रविवार को शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को पूर्ण करवाने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि चुनाव शांतिपूर्वक, पारदर्शी, निर्विघ्न रूप से तथा निष्पक्ष करवाए जा सकें।

अधिकारियों को पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से चुनाव करवाने की दी हिदायतें

धनपत सिंह ने बताया कि 2 मार्च को होने वाले मतदान में 7 नगर निगमों (गुरुग्राम, मानेसर, फरीदाबाद, हिसार, रोहतक, करनाल, एवं यमुनानगर) के मेयर (महापौर) तथा सभी वार्डों के सदस्यों के लिए, अंबाला एवं सोनीपत नगर निगम के मेयर (महापौर) के उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। इसी प्रकार 4 नगर परिषदों अंबाला सदर, पटौदी जटौली मंडी, थानेसर एवं सिरसा के प्रेजीडेंट (प्रधान) तथा सभी वार्ड सदस्यों के लिए मतदान होगा। साथ ही सोहना नगर परिषद, जिला गुरुग्राम में प्रधान (प्रेजीडेंट) के पद के उपचुनाव के लिए मतदान होगा। इनके अलावा 21 नगरपालिकाओं के प्रेजीडेंट (प्रधान) पद तथा सभी वार्डों के सदस्यों के चुनाव के लिए 2 मार्च को वोट डाले जाएंगे। साथ ही असंध, जिला करनाल एवं इस्माईलाबाद, जिला कुरुक्षेत्र नगरपालिकाओं के प्रधान (प्रेजीडेंट) पद के लिए होने वाले उप चुनाव के लिए भी मतदान 2 मार्च को होगा।

मुख्य सचिव ने पब्लिक सर्वेंट्स को न्यायालयों में साक्ष्य के संबंध में जारी किए निर्देश

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने राज्य में कार्यरत पब्लिक सर्वेंट्स को न्यायालय कार्यवाहियों में साक्ष्य प्रस्तुत करने और बतौर गवाह उपस्थित होने के लिए 'ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम' का उपयोग करने के संबंध में व्यापक निर्देश जारी किए हैं।

ये निर्देश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के प्रावधानों के अनुरूप हैं, जो गवाहों की जांच और व्यक्तियों की न्यायालय में उपस्थिति को आधुनिक ऑडियो-वीडियो तकनीक के माध्यम से सुगम बनाते हैं। इस तकनीक आधारित पहल का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, प्रबंध निदेशकों और बोर्डों एवं निगमों के मुख्य प्रशासकों को लिखे पत्र में श्री रस्तोगी ने इन निर्देशों का अक्षरशः और कड़ाई से पालन करने पर बल दिया है।

पत्र के अनुसार राज्य सरकार के सभी संबद्ध अधिकारी और कर्मचारी यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होंगे कि उनकी आधिकारिक क्षमता में साक्ष्य प्रस्तुति या गवाह के रूप में जांच ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हो। अधिकारियों/कर्मचारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का प्रबंधन करने वाले न्यायालय अधिकारी या संबंधित लोक अभियोजक के साथ सक्रिय रूप से समन्वय स्थापित करना होगा ताकि उनकी गवाही सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

यदि कोई न्यायालय सरकारी अधिकारी/कर्मचारी की साक्ष्य प्रस्तुति के लिए भौतिक उपस्थिति अनिवार्य करता है, तो संबंधित व्यक्ति को अपने कार्यालय प्रमुख से पूर्व अनुमति लेनी होगी। उसे ऐसी उपस्थिति के विस्तृत कारण और औचित्य का उल्लेख भी करना होगा। कार्यालय प्रमुख भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता का मूल्यांकन करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि अनुमति नियमित या यांत्रिक रूप से न दी जाए। बिना अनुमोदन के अनधिकृत भौतिक उपस्थिति के लिए कोई यात्रा भत्ता (टीए) और महंगाई भत्ता (डीए) नहीं दिया जाएगा। साथ ही उसके खिलाफ संबंधित सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है।

मेयर बबला ने किया वार्ड नंबर एक का दौरा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

शहर की महापौर हरप्रीत कौर बबला ने स्थानीय क्षेत्र पार्षद श्रीमती के साथ वार्ड नंबर एक का व्यापक दौरा किया। इस अवसर पर जसविंद्र कौर और बागवानी, सड़क प्रभाग, सार्वजनिक स्वास्थ्य, विद्युत और स्वच्छता विभाग सहित नगर निगम के सभी विंगों के अधिकारी शामिल थे।

आगमन पर, मेयर का वार्ड के निवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने इस अवसर पर सीवरेज समस्याओं, सड़क रखरखाव, पार्क की सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे विभिन्न नागरिक मुद्दों के बारे में अपनी चिंताओं को साझा किया।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, मेयर ने सभी विभाग के अधिकारियों को मुद्दों को तत्काल संबोधित करने और समय पर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने निवासियों की भलाई के लिए विकास और रखरखाव कार्यों को निष्पादित करने में जिम्मेदारी और दक्षता के महत्व पर जोर दिया।

जल आपूर्ति एवं सीवरेज निपटान समिति की हुई बैठक

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। नगर निगम चंडीगढ़ की हाल ही में गठित जल आपूर्ति एवं सीवरेज निपटान समिति की पहली बैठक आज मेयर हरप्रीत कौर बबला के नेतृत्व में आयोजित की गई। महापौर ने श्रीमती को जिम्मेदारी सौंपी है। सर्बजीत कौर को पूरे शहर में सुचारु जल वितरण और सीवरेज प्रबंधन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

मेयर बबला ने श्रीमती समिति को सौंपा कार्यभार

बैठक के दौरान, दो प्रमुख एजेंडों पर चर्चा की गई- सीवरेज उपकर में वृद्धि और लाल डोरा क्षेत्रों के बाहर अस्थायी जल कनेक्शन का प्रावधान। श्रीमती समिति की अध्यक्ष सर्बजीत कौर ने प्रस्ताव दिया कि टिकाऊ बुनियादी ढांचे के रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए सीवरेज उपकर को हर साल 2 प्रतिशत बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि, पार्षद प्रेम लता ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए निवासियों पर इसके प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। समिति ने पूर्ववर्ती 22 गांवों के लाल डोरा और फिरनी क्षेत्रों के निवासियों को 2,563 अस्थायी जल कनेक्शन आवंटित करने के एजेंडे को भी मंजूरी दे दी। इस फैसले से नगर निगम चंडीगढ़ को सालाना 3 करोड़ रुपए का राजस्व मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ये अस्थायी जल कनेक्शन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगे।

टिप्पणी मामला: भाजपा नेता जॉर्ज को जमानत

कोट्टायम (केरल)। भाजपा के नेता पीसी जॉर्ज को शुक्रवार को अदालत ने नफरत भरी टिप्पणी करने के मामले में जमानत दे दी। एराट्टुपेटा की मजिस्ट्रेट अदालत ने जॉर्ज को जमानत दे दी। जॉर्ज ने सोमवार को अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया था और उन्हें उसी दिन पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। केरल हाईकोर्ट की ओर से अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उन्होंने अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा था कि ऐसे मामले में जमानत देने से समाज में गलत संदेश जाएगा।

त्रिपुरा में 24 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

अगरतला। त्रिपुरा के खोवाई और धलाई जिलों में सुरक्षाबलों ने 24 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर असम राइफल्स और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की संयुक्त टीम ने खोवाई जिले के तेलियामुरा में सीमेंट की बोरियों से लदे एक ट्रक को रोका और उसमें से 90,000 याबा टैबलेट (मेथामफेटामाइन) बरामद की। इनकी कीमत नौ करोड़ रुपए आंकी गई है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। धलाई जिले में शताब्दी एक्सप्रेस में रखीं 1.5 लाख याबा टैबलेट जब्त कीं जिनकी कीमत 15 करोड़ रुपए आंकी गई है। उत्तेजक) और कैफीन का मिश्रण होती है।

मिशेल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 3,600 करोड़ रुपए के अगस्ता वेस्टलैंड धन शोधन मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जमानत याचिका पर शुक्रवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आरोपी के वकील की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। जांच एजेंसियों के अनुसार, इतालवी विनिर्माण कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलिकॉप्टरों की खरीद में अनियमितताएं सामने आई हैं। ईडी के वकील ने मिशेल की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि ब्रिटिश नागरिक धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जमानत दिए जाने के लिए 'दोहरे परीक्षण' को पूरा नहीं करता है।

अलीबाग तट पर नौका में लगी आग; 18 को बचाया

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में अलीबाग तट के पास शुक्रवार तड़के मछली पकड़ने वाली एक नाव में आग लगने के बाद 18 लोगों को बचाया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग सुबह करीब चार बजे लगी, जब नौका अलीबाग के अक्षी तट से करीब सात समुद्री मील दूर थी।

देश-विदेश

केंद्र सरकार की है दलित विरोधी मानसिकता: राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली

राहुल गांधी ने दावा किया कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में दो अहम पद खाली हैं, जो भाजपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का एक और सबूत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जल्द से जल्द आयोग के सभी पद भरने चाहिए, ताकि यह दलितों के अधिकारों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा सके।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की वेबसाइट के अनुसार, आयोग के उपाध्यक्ष तथा एक सदस्य का पद रिक्त है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि भाजपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का एक और सबूत देखिए! दलितों के अधिकारों की रक्षा करने वाले राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को जानबूझकर उपेक्षित कर दिया गया है। इसके दो अहम पद पिछले एक साल से खाली पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आयोग एक संवैधानिक संस्था है तथा इसे कमजोर करना दलितों के संवैधानिक और सामाजिक अधिकारों पर सीधा हमला है। राहुल ने सवाल किया कि आयोग नहीं तो सरकार में दलितों की आवाज कौन सुनेगा? उनकी शिकायतों पर कार्रवाई कौन करेगा? प्रधानमंत्री को जल्द आयोग के सभी पद भरें, ताकि यह दलितों के अधिकारों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा सके।

भारत-यूरोपीय संघ ने द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ ने भारत में रक्षा क्षेत्र की संयुक्त परियोजनाओं और सह उत्पादन के अवसरों तथा यूरोपीय रक्षा कंपनियों की भागीदारी पर चर्चा की है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने यूरोपीय आयोग के रक्षा एवं अंतरिक्ष आयुक्त एंड्रियस कुबिलियस के साथ शुक्रवार को बैठक की। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग पर व्यापक चर्चा की। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री संपर्क और सूचना साझा करने पर बातचीत की। दोनों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों, संसाधनों की संभावनाओं, विशेष रूप से भारत में संयुक्त परियोजनाओं और सह उत्पादन के अवसरों में यूरोपीय रक्षा कंपनियों की भागीदारी पर भी बात की।

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार बोली- आयुष्मान भारत योजना को राजधानी में कर रहे लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि वे राष्ट्रीय राजधानी में भी पीएम आयुष्मान भारत योजना को लागू करने जा रहे हैं यह जानकारी न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा की पीठ के समक्ष दी गई।

दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 24 दिसंबर, 2024 के निर्देश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका वापस लेने का अनुरोध किया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को प्रधानमंत्री-एबीपीएमजेएवाई योजना को लागू करने के लिए पांच जनवरी तक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने को कहा था। दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि हम इस योजना के क्रियान्वयन के साथ आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए अब हम इस एसएलपी (विशेष अनुमति याचिका) को वापस लेना चाहते हैं। पीठ ने दिल्ली सरकार के वकील को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार को हटा दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 जनवरी को मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली सरकार को पांच जनवरी तक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए, उच्च न्यायालय की ओर से दिए गए निर्देश पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार की याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा था।

दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ी कैग रिपोर्ट रखी। सात पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। नर्स और डॉक्टर्स की संख्या पर्याप्त नहीं है।

महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोग्राम में फंडिंग की कमी है। एंबुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं। आईसीयू

की कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली की कम से कम 21 मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं है। अस्पतालों में स्टाफ की कमी है। बड़े ऑपरेशन के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा कोविड-19 के दौरान केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को जो रकम दी थी, उसका इस्तेमाल ही नहीं किया गया। इस बीच विधानसभा से सस्पेंड 'आप' विधायकों ने राष्ट्रपति से मिलने के लिए समय मांगा है। सीएम रेखा गुप्ता ने 25 फरवरी को सदन में दिल्ली शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश की थी।

सुप्रीम कोर्ट का ईशा फाउंडेशन के खिलाफ नोटिस को रद्द करने के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें जग्गी वासुदेव की ईशा फाउंडेशन के खिलाफ तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) के नोटिस को रद्द कर दिया था। यह नोटिस वेल्लियांगिरी पर्वतीय क्षेत्र की तलहटी में बिना पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी के भवनों के निर्माण के लिए दिया गया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि कोयंबटूर के वेल्लियांगिरी पर्वतीय क्षेत्र में निर्मित ईशा फाउंडेशन के योग और ध्यान केंद्र के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। पीठ ने कहा कि योग और ध्यान केंद्र सभी पर्यावरणीय मानदंडों और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों का पालन करेगा। पीठ ने कहा कि योग और ध्यान केंद्र के विस्तार के मामले में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति ली जाएगी।

जेलेंस्की को तानाशाह कहने वाले बयान पर पलटे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच व्हाइट हाउस में मुलाकात होगी। जब ट्रंप से जेलेंस्की को 'तानाशाह' कहने वाली उनकी टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो वे फौरन इससे पलट गए। उन्होंने कहा कि क्या मैंने ऐसा कहा? मुझे यकीन नहीं है कि मैंने ऐसा कहा। दरअसल, ट्रंप ने पिछले सप्ताह जेलेंस्की को तानाशाह कहा था। उन्होंने कहा था कि जेलेंस्की बिना चुनाव वाले तानाशाह हैं। उन्होंने सिर्फ अपनी जिद में देश को लड़ाई में झोंक दिया और लाखों जानें ले लीं।

सेंसेक्स 1414 और निफ्टी 420 अंक गिरा

एजेंसी, मुंबई

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स में 1414 अंकों (1.90 फीसदी) की गिरावट रही। यह 73,198 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 420 अंक (1.86 फीसदी) गिरकर 22,124 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई स्मॉल कैप में 1,028 अंक (2.33 फीसदी) की गिरावट रही, यह 43,082 के स्तर पर बंद हुआ।

मिड कैप में भी 853 अंक (2.16 फीसदी) की गिरावट रही, यह 38,592 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट और केवल एक (एचडीएफसी बैंक) में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 45 में गिरावट और केवल 5 में तेजी रही। एनएसई के सभी सेक्टरल इंडेक्स में आज गिरावट रही। सबसे ज्यादा

गिरावट निफ्टी आईटी में 4.18 फीसदी, ऑटो में 3.92 फीसदी, मीडिया में 3.48 फीसदी, सरकारी बैंकों में 2.83 फीसदी और मेटल में 1.39 फीसदी रही। इसके अलावा, फार्मा, बैंकिंग, एफएमसीजी और फाइनेंशियल सर्विसेज में 2 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार में बिकवाली से निवेशकों की वेल्थ 8.95 लाख करोड़ रुपए घट गई। शुक्रवार, 28 फरवरी को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 384 लाख करोड़ रुपए रहा गया। 27 फरवरी को यह लगभग 393 लाख करोड़ रुपए था।

जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़ की घटनाओं में हुई वृद्धि

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के कारण एशिया के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों (एचएमए) में बाढ़ आने की घटनाएं वर्ष 2000 के बाद से काफी बढ़ गई हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ सोनम वांगचुक सहित वैज्ञानिकों के एक दल की ओर से किए अध्ययन में 1950 से अब तक बाढ़ के 1,015 मामलों का विश्लेषण किया गया। वैज्ञानिकों ने कहा कि 1950 के बाद से इस क्षेत्र के औसत तापमान में लगातार वृद्धि हुई है, जो प्रति दशक 0.3 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, इस बीच स्थान और समय दोनों के संदर्भ में बारिश के पैटर्न जटिल तरीकों से बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती गर्मी और बारिश के पैटर्न में बदलाव के कारण क्षेत्र का जल चक्र प्रभावित हो रहा है।

2024-25 के लिए ईपीएफओ का बड़ा फैसला

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 8.25% ब्याज दर बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति निधि निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर शुक्रवार को बरकरार रखी।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी 2024 में ईपीएफ पर ब्याज दर को 2022-23 में 8.15 प्रतिशत से मामूली रूप से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था। ईपीएफओ ने मार्च 2022 में अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए 2021-22 के लिए ईपीएफ पर ब्याज को चार दशक के निचले स्तर 8.1 प्रतिशत पर ला दिया था, जो 2020-21 में 8.5 प्रतिशत थी। 2020-21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर थी। यह 1977-78 के बाद से सबसे कम है, जब ईपीएफ ब्याज दर आठ प्रतिशत थी। सूत्रों ने बताया कि ईपीएफओ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने शुक्रवार को अपनी बैठक में 2024-25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज देने का फैसला किया है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.5 प्रतिशत ब्याज दर का फैसला सीबीटी ने मार्च 2021 में किया था।

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण पर जोर दिया

नई दिल्ली। रक्षा विनिर्माण के लिए स्वदेशी क्षमता के विकास की वकालत करते हुए वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना स्वदेशी प्रणाली को प्राथमिकता देगी, भले ही उसका प्रदर्शन थोड़ा कमतर हो। भारत '2047 युद्ध में आत्मनिर्भर' विषय पर 'चाणक्य डायलॉग' सम्मेलन में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35-40 सैन्य विमान बनाये जाने की जरूरत है और इस लक्ष्य को हासिल करना असंभव नहीं है।

स्पोर्ट्स विंडो

आईपीएल के दौरान ही खेली जाएगी पाकिस्तान सुपर लीग

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का 10वां टूर्नामेंट 11 अप्रैल से शुरू होगा, जिसका पहला मैच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में गत चैंपियन इस्लामाबाद यूनाइटेड और दो बार के चैंपियन लाहौर कलंदर्स के बीच खेला जाएगा।लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम 13 मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें दो एलिमिनेटर और 18 मई को होने वाला फाइनल शामिल है। पीएसएल कार्यक्रम की पुष्टि का मतलब है कि इसका आयोजन अधिक आकर्षक और धनाढ्य लीग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान किया जाएगा। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई के बीच आयोजित किया जाएगा। पीएसएल में रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में 13 मई को क्वालीफायर एक सहित 11 मैच होंगे। कराची का नेशनल बैंक स्टेडियम और मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम प्रत्येक पांच पांच मैचों की मेजबानी करेंगे।

यूटीटी का छठा सत्र 29 मई से अहमदाबाद में होगा शुरू

नई दिल्ली। भारत में टेबल टेनिस की प्रमुख लीग अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के छठे सत्र का आयोजन 29 मई से 15 जून तक अहमदाबाद में किया जाएगा। आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आयोजकों के अनुसार पहली बार अहमदाबाद में आयोजित की जा रही यह प्रतियोगिता अत्याधुनिक ईकेए एरिना में खेली जाएगी। यह वही स्थान है जहां 2016 में कबड्डी विश्व कप और 2019 में इंटरकांटिनेंटल कप (फुटबॉल) का आयोजन किया गया था। यूटीटी में आठ टीम भाग लेंगी जिन्हें चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इनमें गत चैंपियन गोवा चैलेंजर्स भी शामिल है जो तीसरे खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेगी। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के सचिव कमलेश मेहता ने कहा, ''अल्टीमेट टेबल टेनिस ने भारत में टेबल टेनिस के परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने हमारे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने का मंच प्रदान किया है।''

हम विभिन्न परिस्थितियों में खेलने को लेकर उत्साहित हैं : ब्रेसवेल

दुबई। न्यूजीलैंड के ऑफ-स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को अपने सभी मैच दुबई में खेलने से अनुचित लाभ मिलने की किसी भी चर्चा को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम 'विभिन्न परिस्थितियों में खेलने को लेकर उत्साहित' है। रोहित शर्मा की टीम अपने सभी मैच दुबई में खेल रही है और भारतीय टीम अगर फाइनल में पहुंचने में सफल रही तो टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला भी यही खेला जाएगा। न्यूजीलैंड अपना अगला मैच रविवार को यहां भारत के खिलाफ खेलेगा। उसने अपने पिछले दोनों मैच पाकिस्तान में खेले थे। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस (चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर) सहित कुछ क्रिकेटरों ने कहा है कि भारत अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेलने के कारण फायदे की स्थिति में है। अन्य टीमों को पाकिस्तान में विभिन्न स्थानों की यात्रा करनी पड़ रही है।

एना मारिया की दुनिया दीवानी

क्रोएशिया। क्रोएशिया की महिला फुटबॉलर एना मारिया मार्कोविच को दुनिया की सबसे सुंदर महिला फुटबॉलर माना जाता है, हालांकि इस खिलाड़ी को अपनी खूबसूरती से ही चिढ़ हो गई है।

अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को 274 रन का दिया लक्ष्य

सेदिकुल्लाह अटल ने 85 और अजमतुल्लाह उमरजई ने बनाए 67 रन

एजेंसी, लाहौर

शॉट खेलता अफगानिस्तान का बल्लेबाज अजमतुल्लाह उमरजई।

सेदिकुल्लाह अटल के 85 रन और अजमतुल्लाह उमरजई के 67 रन की मदद से अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप बी के मैच में शुक्रवार को 273 रन बनाए। अटल ने धीमी शुरुआत के बाद पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाई, जबकि उमरजई ने आखिर में आक्रामक पारी खेलकर अफगानिस्तान को 270 रन के पार पहुंचाया, जबकि एक समय उसके आठ विकेट 235 रन पर गिर गए थे।

उमरजई ने 63 गेंद की अपनी पारी में पांच छक्के और एक चौका लगाया। उन्होंने 49वें ओवर में नाथन एलिस को दो छक्के जड़े जिसमें मिडविकेट के ऊपर 102 मीटर का छक्का शामिल है। वह आखिरी ओवर में बेन ड्वारशुइस का शिकार हुए जिन्होंने आखिरी गेंद पर नूर अहमद को भी आउट करके नौ ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट लिए।

विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया ने 37 रन अतिरिक्त भी दिए, जिसमें 17 वाइड गेंद शामिल हैं। पहले बल्लेबाजी करने वाली अफगानिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही और स्पेंसन जॉनसन ने रहमानुल्लाह गुरबाज को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में 177 रन बनाने वाले इब्राहिम जदरान 28 गेंद में 22 रन बनाकर एडम जम्पा का शिकार हुए। इसके बाद अटल ने पारी को संभाला और कुछ बेहतरीन कवर ड्राइव और फ्लिक लगाए। उन्हें कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के रूप में भरोसेमंद जोड़ीदार मिला और दोनों ने 68 रन की साझेदारी की। उमरजई ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए आखिरी ओवरों में आक्रामक पारी खेली।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट लेने के साथ 41 रन बनाने वाले उमरजई ने साबित कर दिया कि उन्हें आईसीसी वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर क्यो चुना गया था। उन्होंने 54 गेंद में अर्द्धशतक पूरा किया और 1000 रन सबसे तेजी से पूरे करने वाले संयुक्त रूप से तीसरे अफगान बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 31 पारियों में यह आंकड़ा छुआ, जबकि जदरान ने 24, गुरबाज ने 27 और शाह ने भी 31 पारियों में एक हजार वनडे रन पूरे किए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज स्पेंशस जॉनसन ने 10 ओवर में 49 रन देकर 2, बेन ड्वारशुइस ने 47 रन देकर 3, एलिस व मैक्सवेल को 1–1 और जम्पा को दो विकेट मिले।

वहीं, 274 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आए ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैथ्यू शॉट ने 20 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ ने पारी को संभाला। समाचार लिखे जाने ऑस्ट्रेलिया की टीम ने विकेट पर 109 रन बनाए लिए थे। हेड 59 रन और स्थिम 19 रन पर खेल रहे थे।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4/6
गुरबाज ब. जॉनसन	00	05	0/0
जारदान क. लाबुशेन ब. जम्पा	22	28	2/0
अटल क. स्मिथ ब. जॉनसन	85	95	6/3
शाह क. इंग्लिस ब. मैक्सवेल	12	21	1/0
शाहीदी क. लाबुशेन ब. जम्पा	20	49	1/0
उमरजई क. कैरी ब. बेन	67	63	1/5
नबी क. इंग्लिस ब. जॉनसन	01	01	0/0
नायब क. इंग्लिस ब. एलिस	04	12	0/0
राशिद क. मैक्सवेल ब. बेन	19	17	2/0
अहमद क. इंग्लिस ब. बेन	06	08	0/0
फारूकी (नाबाद)	00	01	0/0
अतिरिक्त	37		
कुल : (50 ओवर)	**273/10**		

विकेट पतन : 1-3, 2-70, 3-91, 4-159, 5-176, 6-182, 7-199, 8-235, 9-272, 10-273.

गेंदबाजी : जॉनसन 10-0-49-2, बेन 9-0-47-3, एलिस 10-0-60-1, मैक्सवेल 6-0-28-1, जम्पा 8-0-48-2, शॉट 7-0-21-0.

विदर्भ ने रणजी फाइनल की पहली पारी में केरल पर बनाई बढ़त

नागपुर। हर्ष दुबे (88 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन ने विदर्भ ने शुक्रवार को केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में तीसरे दिन पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल कर ली। हर्ष इसके साथ ही रणजी इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रहे। इस युवा वामहस्त स्पिनर ने इस सत्र में अब तक 69 विकेट चटका कर 2018–19 में बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

केरल के कप्तान सचिन बेबी (98) दो रन से शतक से चूक गए, जबकि अनुभवी आदित्य सरवटे ने 185 गेंद में 79 रन की शानदार पारी खेली लेकिन विदर्भ के गेंदबाजों ने धैर्य बनाये रखते हुए केरल की पहली पारी को 342 रन पर समेट दिया। विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। सरवटे दिन के पहले सत्र में आउट हुए, जबकि सलमान निजार (21) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (34) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। दुबे के साथ दर्शन नालकंडे (52 रन पर तीन विकेट) और पार्थ रेखाडे (65 रन पर तीन विकेट) ने भी तीन–तीन विकेट लिए। हर्ष ने सरवटे को पहली स्लिप में कैच करा कर रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र में अपना 67वां विकेट हासिल किया। इसके बाद उन्होंने लंच से ठीक पहले निजार को पगबाधा आउट करके बिहार के आशुतोष अमन के एक सत्र में सर्वाधिक 68 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्हें हालांकि अपने तीसरे विकेट के लिए काफी पसीना बहना पड़ा। उन्होंने एमडी निधीश (एक) को पगबाधा कर रणजी सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

ग्रिक्सपुर दुबई ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी, दुबई

टालोन ग्रिक्सपुर ने शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव के खिलाफ चार मैच प्वाइंट बचाकर 2–6, 7–6 (7), 7–5 से जीत दर्ज करके दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

ग्रिक्सपुर ने पहले दौर में भी तीन मैच प्वाइंट बचाकर रोमन सफीउलिन को हराया था। इसके बाद उन्होंने बुधवार को गत चैंपियन उगो हम्बर्ट को बाहर का रास्ता दिखाया था। ग्रिक्सपुर का अगला मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। सिटसिपास ने माटेओ बेरेटिनी को 7–6 (5), 1–6, 6–4 से हराया। क्वार्टर फाइनल के एक अन्य मैच में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने 2014 के अमेरिकी ओपन चैंपियन मारिन सिलिच को 6–4, 3–6, 6–2 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला हराकर क्वालीफायर क्वेंटिन हेलिस से होगा, जिन्होंने लुका नारडी को 2–6, 6–3, 7–6 (5) से हराया।

प्रज्ञानानंद ने फिर से ड्रॉ खेली बाजी

एजेंसी, प्राग (चेक गणराज्य)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने यहां प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में तुर्की के गुरेल एडिज के खिलाफ अपनी बाजी ड्रॉ खेल कर लगातार दूसरे मैच में अंक बांटे, जबकि अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया।

पहले दौर में चैक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ अंक बांटने वाले अरविंद ने काले मोहरों के साथ अपनी पहली जीत हासिल की। अरविंद दस खिलाड़ियों के बीच राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे।

दूसरे दौर के अन्य मुकाबलों में दाई वान ने अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ, शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेई यी ने नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ और वियतनाम के क्वांग लीम ले ने चेक गणराज्य के नवारा डेविड के साथ अंक बांटे। अब जबकि टूर्नामेंट में सात दौर की बाजी खेली जाने बाकी हैं, तब भारतीय खिलाड़ी अरविंद ने 1.5 अंक लेकर शैंकलैंड के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। उनके बाद गिरि, लीम, दाई वान, डेविड, कीमर और प्रज्ञानानंद का नंबर आता है। एडिज और वेई यी अपने दो मैचों में आधे–आधे अंक के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

सिनर का नाम लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ ईयर के नामांकन से हटाया गया

लंदन। विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर का नाम लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर पुरस्कार के नामांकन से हटा दिया गया है, क्योंकि इटली के इस खिलाड़ी पर डोपिंग जांच में नाकाम रहने के लिए तीन महीने का प्रतिबंध लगा है। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी के अध्यक्ष सीन

फिट्जपैट्रिक ने बयान में कहा कि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी और सिनर के बीच हुए समझौते के बाद इस खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगने के कारण यह फैसला किया गया। फिट्जपैट्रिक ने कहा, ''लॉरियस अकादमी ने इस विषय पर चर्चा की और इसके बाद इस साल के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए यानिक सिनर का नामांकन वापस लेने का फैसला किया गया।'' पिछले साल नोवाक जोकोविच ने 2023 के लिए लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता था और स्पेनिश फुटबॉल स्टार ऐटाना बोनमाटी को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। इस साल के पुरस्कारों के लिए नामांकित किए गए खिलाड़ियों की घोषणा सोमवार को मैड्रिड में की जाएगी।

महिला प्रीमियर लीग

हार की हैट्रिक लगाने के बाद आरसीबी के सामने अब दिल्ली कैपिटल्स की **कड़ी चुनौती**

एजेंसी, बेंगलुरु

अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच में पराजय का कड़वा घूंट पीने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम को अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

गत चैंपियन आरसीबी ने वड़ोदरा में खेले गए अपने पहले दो मैच में जीत हासिल की थी, लेकिन इसके बाद जब टूर्नामेंट का दूसरा चरण एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाने लगा तो उसे उम्मीद के विपरीत तीन मैच में हार झेलनी पड़ी। इनमें यूपी वारियर्स के खिलाफ सुपर ओवर में मिली हार भी शामिल है। टूर्नामेंट का तीसरा चरण लखनऊ में खेला जाएगा।

आरसीबी की टीम अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है और वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए बेताब होगी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस मैच में खेलना चुनौती होगी क्योंकि वह शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने के बाद अगले दिन फिर से मैदान पर उतरेगी। आरसीबी की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में संघर्ष कर रही है। उसके लिए कप्तान स्मृति मंधाना की फॉर्म चिंता का विषय है जो पांच पारियों में से केवल एक पारी ने अच्छा प्रदर्शन कर पाई है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 81 रन बनाए थे।

मंधाना की सलामी जोड़ीदार इंग्लैंड की डैनी व्याट–हॉज के प्रदर्शन में भी निरंतरता का अभाव है, जबकि शानदार फॉर्म में चल रही ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पेरी भी गुजरात जॉइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में रन नहीं बना पाई थी। आरसीबी की गेंदबाजी भी कमजोर नजर आ रही है क्योंकि उनकी दो प्रमुख तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और किम गार्थ अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रही हैं। इन दोनों का अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण नहीं है। जहां तक दिल्ली कैपिटल का सवाल है तो शैफाली वर्मा और जेस जोनासेन के फॉर्म में आने से उसकी बल्लेबाजी को मजबूती मिली है लेकिन कप्तान मेग लैनिंग रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही है।

जेमिमा रोड्रिग्स और एनाबेल सदरलैंड भी टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाई हैं। शिखा पांडे, मारिजैन कैप, युवा टिटास साधु, सदरलैंड और मिन्नू मणि के रूप में दिल्ली कैपिटल्स के पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है।

शुभंकर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके संयुक्त चौथे स्थान पर

डरबन। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने 2025 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इन्वेस्टेक साउथ अफ्रीकन ओपन चैंपियनशिप के मौसम से प्रभावित शुरुआती दिन छह अंडर 66 का कार्ड खेला और पहले दौर के बाद वह संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इस सत्र में डीपी वर्ल्ड टूर पर सभी चार टूर्नामेंट में कट से चूकने वाले शुभंकर ने एक ईगल और पांच बर्डी बनाई और इस बीच एक बोगी भी की। पहले दौर के बाद सैम बेयरस्टो (65) और फ्रेड्रिक फरॉम संयुक्त बढ़त पर हैं। शुभंकर ने दसवें होल पर बर्डी के साथ शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 14वें, 15वें और 17वें होल में भी बर्डी बनाई। तीसरे होल में ईगल ने उन्हें छह अंडर पर पहुंचा दिया था। उन्होंने दिन की एकमात्र बोगी पांचवें होल में की। शुभंकर ने नौवें होल में बर्डी बनाकर छह अंडर 66 के स्कोर के साथ पहले दौर का समापन किया। बारिश के कारण पहले दौर का खेल तीन घंटे देरी से शुरू हुआ।

हॉकी इंडिया ने महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में '**प्रमोशन**' और '**रेलीगेशन**' प्रणाली की शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने एक से 12 मार्च तक पंचकूला में होने वाली सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए प्रमोशन और रेलीगेशन प्रणाली के साथ शुक्रवार को यहां एक नया प्रारूप पेश किया। प्रतियोगिता में 28 टीमें भाग लेंगी जो 'ए', 'बी' और 'सी' तीन डिवीजन में विभाजित होंगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, ''प्रमोशन और रेलीगेशन प्रणाली की शुरुआत देश भर में हॉकी प्रदर्शन के स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रणाली में चैंपियनशिप में हर मैच का महत्व सुनिश्चित होगा चाहे वह खिताब के लिए मुकाबला हो या रेलीगेशन से बचने के लिए। हम एक रोमांचक टूर्नामेंट की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां टीमें अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें और शीर्ष पर पहुंचने का लक्ष्य रखें। शीर्ष 12 टीमें डिवीजन ए में प्रतिस्पर्धा करेंगी जिन्हें आगे तीन–तीन टीमों के चार पूल में विभाजित किया जाएगा और वे अपने–अपने

पूल के भीतर लीग प्रारूप में खेलेंगे। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें नौ मार्च को होने वाले क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। उसके बाद 10 मार्च को सेमीफाइनल और 12 मार्च को फाइनल के साथ तीसरे तथा चौथे स्थान का प्लेऑफ मैच होगा।

इस डिवीजन में आखिरी दो पायदान पर रहने वाली टीमें अगले सत्र के लिए डिवीजन बी में खिसक जाएंगी। डिवीजन ए में पहुंचने के लक्ष्य के साथ डिवीजन बी में नौ टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यहां पांच टीमें पूल ए में हैं और चार टीमें पूल बी में हैं। ''डिवीजन बी की शीर्ष दो टीमें अगले सत्र के लिए डिवीजन ए में पहुंच जाएंगी, जबकि नीचे की दो टीम डिवीजन सी में चली जाएंगी। डिवीजन बी में कोई नॉकआउट राउंड आयोजित नहीं किया जाएगा।

प्रमोशन और रेलीगेशन का फैसला लीग तालिका से होगा।'' डिवीजन सी की टीमें भी केवल लीग मैच खेलेंगी, शीर्ष दो टीमें डिवीजन बी में जगह हासिल करेंगी। लीग चरण के दौरान तीनों डिवीजनों की टीमें अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक अर्जित करेंगी। प्रत्येक टीम को जीत के लिए तीन अंक, ड्रॉ के लिए एक अंक और हार के लिए कोई अंक नहीं दिया जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी — **सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका**

इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका आज होंगे आमने-सामने

एजेंसी, कराची

दक्षिण अफ्रीका अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को यहां होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच में संघर्षरत इंग्लैंड पर जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगा। ग्रुप ए से भारत और न्यूजीलैंड पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं लेकिन ग्रुप बी से ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान इस दौड़ में शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने एक रोमांचक मुकाबले में आठ रन से जीत दर्ज करके न सिर्फ इंग्लैंड को सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर किया, बल्कि अंतिम चार में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को भी जीवंत रखा। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। इन दोनों टीम के अभी तीन–तीन अंक हैं, जबकि अफगानिस्तान के दो अंक हैं। इंग्लैंड की टीम को अपने दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड के खिलाफ मैच में दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा थोड़ा भारी नजर आता है, क्योंकि उसकी टीम ने अभी तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसके अधिकतर खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। दूसरी तरफ इंग्लैंड की टीम बल्लेबाजी में जो रूट पर जरूरत से ज्यादा निर्भर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम बारिश से प्रभावित टूर्नामेंट में अभी तक केवल एक मैच खेल पाई है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था।

दक्षिण अफ्रीका की टीम भले ही कागजों पर मजबूत नजर आती है और आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है, लेकिन पिछले एक साल में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 वनडे मैच में से आठ में पराजय झेलनी पड़ी थी।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि जोस बटलर की अगुवाई वाली टीम जीत के साथ अपने अभियान का अंत करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। रूट को छोड़कर इंग्लैंड का कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है।

मैच : दोपहर 2 : 30 बजे से

संभावित टीमें

इंग्लैंडः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीकाः टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।